पटना, बुधवार
1 जुलाई, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22

दैनिक जागरण

www.jagran.com

बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

जेईई की तरह दो चरणों में हो सकता है नीट-यूजी 1

जनरल धीरज सेठ बने देश के 31वें सेना प्रमुख 1

Hero

VIDA

हर कदम पर नई विरासत.
मील के हर पत्थर पर नया भविष्य.

हमारी रखी हर नई बुनियाद उनकी दूरदृष्टि की ताकत पर खड़ी होती है.

हमारे प्रिय फ़ाउंडर और चेयरमैन एमेरिटस, **डॉ. बृजमोहन लाल मुंजाल** की 103वीं जयंती पर, हम उनकी यादों को सिर्फ़ शब्दों से नहीं, बल्कि तरक्की की रफ़्तार से सम्मानित करते हैं. आज, **तिरुपति, आंध्र प्रदेश** में अपने दूसरे **ग्लोबल पार्ट्स सेंटर** की बुनियाद रखते हुए हमें बहुत गर्व हो रहा है.

यह नई मैन्युफ़ैक्चरिंग फ़ैसिलिटी उस देश के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है जिसने हमारे फ़ाउंडर के सपनों को आकार दिया. अपने ग्लोबल पार्ट्स सेंटर के ज़रिए, हम भारत की मैन्युफ़ैक्चरिंग के बेहतरीन उत्पादों को दुनिया तक ले जा रहे हैं – कम्युनिटिज़ को मज़बूत बनाने और देश को आगे बढ़ाने के उनके आजीवन दृष्टिकोण का सम्मान करते हैं.

भारत के सुनहरे भविष्य के लिए एक आपसी प्रतिबद्धता के रूप में आज, **1 जुलाई 2026** को आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री **श्री एन. चंद्रबाबू नायडू** और हीरो मोटोकॉर्प के एग्ज़ीक्यूटिव चेयरमैन **डॉ. पवन मुंजाल** द्वारा इसका शिलान्यास किया जा रहा है.

Hero

103RD BIRTH ANNIVERSARY OF
DR. BRIJMOHAN LALL MUNJAL
1ST JULY, 1923

HERO FOREVER

SAATCHI & SAATCHI

उत्तराखण्ड शासन | उत्तराखण्ड 25 — गौरव, विकास और संकल्प का पर्व

देवभूमि उत्तराखण्ड

विकास भी, विरासत भी

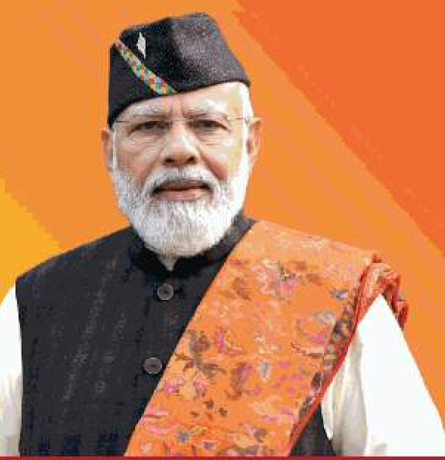

माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है। "

नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री

रोपवे परियोजना

गौरीकुण्ड से केदारनाथ एवं गोविन्दघाट से हेमकुण्ड साहिब तक रोपवे निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास।

सोनप्रयाग से केदारनाथ तक 12.9 किमी रोपवे का 4,081 करोड़ रुपये की लागत एवं गोविंदघाट से हेमकुण्ड साहिब तक 12.4 किलोमीटर रोपवे का 2,730 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण।

हवाई सेवाओं का विस्तार

देहरादून एयरपोर्ट में अतिरिक्त टर्मिनल का निर्माण किया गया।

देहरादून एयरपोर्ट से भारत के अधिकतर शहरों में यथा-अहमदाबाद, भुवनेश्वर बैंगलोर, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, शमशाबाद, जयपुर, लखनऊ, पुणे, कुल्लू आदि शहरों में नियमित हवाई सेवायें प्रारम्भ।

कृषि एवं औद्योगिक विकास

केन्द्र सरकार द्वारा राज्य में फार्म फैंसिंग (घेरबाड़) के लिए प्रदान की गई 25 करोड़ की धनराशि।

उत्तराखण्ड के हल्द्वानी (रानीबाग) स्थित एचएमटी (HMT) फैक्ट्री की 45.33 एकड़ जमीन केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखण्ड सरकार को की गई हस्तांतरित।

सड़क और कॉरिडोर

देहरादून शहर मे बढ़ते यातायात दबाव को कम करने हेतु प्रस्तावित रिस्पना एवं बिन्दाल ऐलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना के निर्माण को मंजूरी।

प्रधानमंत्री ने ₹11,963 करोड़ से बने 210 किमी लंबे, दिल्ली - देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का किया लोकार्पण।

केंद्र सरकार से 12.67 किमी ऋषिकेश बाईपास 4-लेन के निर्माण के लिए ₹1105 करोड़ की मिली मंजूरी।

रेलवे का विस्तार

उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफ़र हुआ आसान।

लालकुआं से अमृतसर जंक्शन एवं देहरादून से टनकपुर के लिए ट्रेन संचालन को मिली मंजूरी।

राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 72.5 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।

टनकपुर-बागेश्वर रेल मार्ग के सर्वेक्षण को स्वीकृति प्रदान। परियोजना की डीपीआर पर तेजी से कार्य जारी।

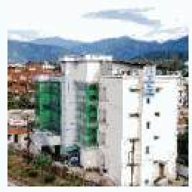

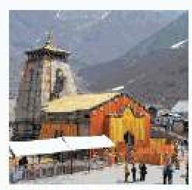

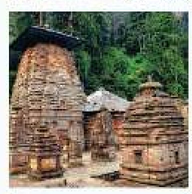

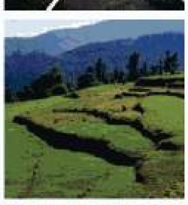

विकास के नए आयाम

राष्ट्र निर्माण को समर्पित विकास योजनाएं

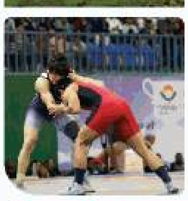

केंद्रीय बजट 2026-27 में उत्तराखण्ड को रेल बजट के अंतर्गत आवंटन हुए ₹4,769 करोड़।

₹12,000 करोड़ से अधिक की लागत से चार धाम को जोड़ा गया ऑल वेदर रोड से, जिससे पहाड़ों का सफर हुआ सुगम।

नीति आयोग द्वारा जारी निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में उत्तराखण्ड ने छोटे राज्यो की श्रेणी में प्रथम स्थान किया प्राप्त।

जमरानी बांध परियोजनाओं को केंद्र से मिली मंजूरी। ₹ 3678.23 करोड़ की लागत से बनने वाली जमरानी बांध परियोजना को जून 2029 तक किया जायेगा पूर्ण।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु प्रदेश में 2 लाख 54 हजार से अधिक महिलाएं बनी लखपति दीदी।

ऋषिकेश में बनेगा राफ्टिंग बेस स्टेशन, जिसके लिए केंद्र सरकार ने स्वीकृत किए ₹100 करोड़

राज्य मे पहली बार राष्ट्रीय खेलों का हुआ आयोजन।

पर्यटन, संस्कृति एवं खेल

केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बदरीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने हेतु ₹ 255 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।

हरिपुर कालसी में यमुना तीर्थ स्थल का भव्य निर्माण कार्य जारी।

उत्तराखण्ड में प्रस्तावित कुंभ मेला 2027 की तैयारियों हेतु 500 करोड़ रुपए की धनराशि जारी।

स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण

अटल आयुष्मान योजना के अंतर्गत राज्य में कुल 61 लाख आयुष्मान कार्ड बनाये गए। अब तक 17 लाख से अधिक मरीजों को 3400 करोड़ रुपये से अधिक के कैशलेस उपचार का मिला लाभ।

किच्छा में एम्स सैटेलाइट का निर्माण कार्य जारी। एम्स सैटेलाइट सैंटर का अब तक 85 प्रतिशत कार्य हुआ पूरा।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम सीमांत के 51 गांवों में ₹270 करोड़ से अधिक की लागत से करीब 200 विकास योजनाओं पर हो रहा है कार्य।

जल संपदा, आपदा प्रबंधन

सौंग नदी बांध पेयजल परियोजना को केंद्र सरकार से मिली मंजूरी। परियोजना का निर्माण कुल 2520.86 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। परियोजना से देहरादून शहर एवं उपनगरीय क्षेत्रों के लिए 150 एम.एल.डी. पेयजल की आपूर्ति पूरी की जायेगी।

भूस्खलन प्रभावित स्थलों के सुधार हेतु ₹461 करोड़ राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के अंतर्गत उत्तराखण्ड को 113.90 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता।

राष्ट्रीय उपलब्धियाँ एवं सुशासन

नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) इंडिया इंडेक्स 2023-24 में उत्तराखण्ड को मिला देश में प्रथम स्थान।

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड सरकार के उद्योग विभाग को स्टार्टअप के क्षेत्र मे बेहतर कार्य करने पर सर्टिफिकेट ऑफ एप्रीशिएशन किया गया प्रदान।

शहरी विकास और आवास विभाग के स्तर से लागू किए गए विभिन्न सुधारों के लिए केंद्र सरकार ने उत्तराखण्ड को 264.5 करोड़ की प्रोत्साहन राशि की स्वीकृत।

खनन सुधारों मे उत्तराखण्ड का उत्कृष्ट प्रदर्शन, देश में हासिल किया दूसरा स्थान, केंद्र सरकार ने जारी की ₹200 करोड़ की प्रोत्साहन राशि।

चारधाम यात्रा मे हम कुछ न कुछ संकल्प लेकर अपने मूल स्थान से देवभूमि के लिए आते हैं। इसी क्रम में, मैं भी आपसे पांच संकल्पों का आग्रह करना चाहता हूं – नरेन्द्र मोदी

पहला संकल्प - स्वच्छता सर्वोपरि

दूसरा संकल्प - प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता

तीसरा संकल्प - सेवा, सहयोग और एकता पर बल

चौथा संकल्प - वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा

पांचवां संकल्प - अनुशासन, सुरक्षा और मर्यादा का पालन

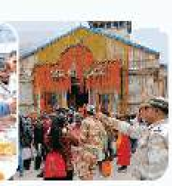

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

दैनिक जागरण

पटना, बुधवार
1 जुलाई, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22

www.jagran.com

बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

आयात निर्भरता की कमजोर कड़ी को दुरुस्त करने के लिए मशक्कत 13

देश ने रक्षा उत्पादन व निर्यात में काफी प्रगति की: राजनाथ 13

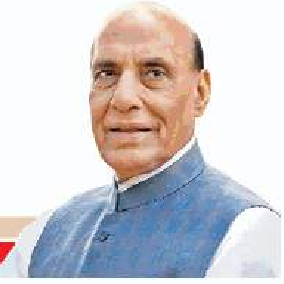

लक्ष्य से कम उपलब्धि के बावजूद जीएसटी के दौर में बढ़ा बिहार का स्व-राजस्व

जीएसटी दिवस पर विशेष

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : जीएसटी दिवस (एक जुलाई) के उपलक्ष्य में नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (कैग) की हालिया रिपोर्ट बिहार के संदर्भ में बेहद प्रासंगिक है। यह रिपोर्ट बता रही कि बिहार का स्व-राजस्व जीएसटी पूर्व के दौर में औसतन 6.63 प्रतिशत की दर से बढ़ा। जीएसटी के प्रभावी होने के बाद इसकी वृद्धि-दर 10.83 प्रतिशत की रही है। यह बात अलग कि अधिसंख्य वर्षों में बजट अनुमान की तुलना में एसजीएसटी की प्राप्ति कम हुई।

कर प्रणाली में एकरूपता के उद्देश्य से वर्ष 2017 में एक जुलाई को वस्तु व सेवा-कर (जीएसटी) प्रभावी हुआ था। तब इसे बिहार जैसे उपभोक्ता प्रदेशों के लिए सर्वाधिक लाभप्रद बताया गया था। प्रतिफल मिला-जुला रहा है। कई संशोधन के बाद अब जीएसटी की मुख्यतः दो दरें (पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत) रह गई हैं। अब 99 प्रतिशत वस्तु व सेवाएं या तो कर-मुक्त हैं या पांच प्रतिशत जीएसटी के दायरे में।

अनुमान से कम उपलब्धि : 2019-20 से एसजीएसटी की प्राप्ति लगातार अनुमान से कम हो रही। वित्तीय वर्ष 2020 और 2023 में क्रमशः 17812 और 24721 करोड़ एसजीएसटी संग्रहण का लक्ष्य था। उपलब्धि क्रमशः 15800.53 और 23243.93 करोड़ की रही।

2020 वित्तीय वर्ष से एसजीएसटी की प्राप्ति बजट अनुमान से कम

668866 है जीएसटी में निबंधित करदाताओं की संख्या बिहार में

कम प्राप्ति के चार प्रमुख कारण

- कमजोर औद्योगिक आधार : बिहार में कल-कारखानों की संख्या कम है। ऐसे में विनिर्माण स्तर पर मिलने वाले केंद्रीय जीएसटी का बड़ा हिस्सा उत्पादक राज्यों के पास चला जाता है। बिहार को केवल उपभोग का हिस्सा मिलता है।
- कर की चोरी : ई-वे बिल और आनलाइन सिस्टम कर चोरी को रोकने में सहायक है। इससे करदाताओं की संख्या बढ़ी है, लेकिन मिलीभगत से कच्चे चिट्ठे पर माल बेचने का उपक्रम बदस्तूर है।
- अनुपालन की समस्या : छोटे व्यापारियों को आज भी तकनीकी जटिलताओं, रिफंड में देरी और कार्यशील पूंजी की कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
- मुआवजा समाप्त : जीएसटी मुआवजा की व्यवस्था समाप्त हो गई है। बिहार जैसे कम स्व-राजस्व वाले राज्यों के लिए इससे राजकोषीय घाटे का जोखिम बढ़ गया है।

	स्व-राजस्व (2013-14)	स्व-राजस्व (2016-17)	वृद्धि	स्व-राजस्व (2018-19)	स्व-राजस्व (2024-25)	वृद्धि	एसजीएसटी (2018-19)	एसजीएसटी (2024-25)	वृद्धि
बिहार	19961	23742	6.63	29408	53578	10.83	15288	29003	11.58
भारत	721906	905117	10.47	1151127	2031049	11.05	476816	881073	12.21

(नोट : राशि करोड़ रुपये, वृद्धि प्रतिशत में)

तेज रिफंड, डेटा एकीकरण और कर प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर फोकस बढ़ा

बिहार में जीएसटी के अंतर्गत निबंधित करदाताओं की कुल संख्या 668866 है और वाणिज्य-कर विभाग के कुल राजस्व संग्रह में जीएसटी का योगदान लगभग 78 प्रतिशत का है। ऐसे में अब एआइ आधारित अनुपालन, तेज रिफंड, डेटा एकीकरण और कर प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर फोकस बढ़ा है। इसका उद्देश्य कारोबार क्षेत्रों, विशेषकर एमएसएमई, के लिए अनुपालन लागत कम करना और कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण लगाना है। बहरहाल केंद्र सरकार जीएसटी आयकर और सीमा शुल्क के डेटाबेस को आपस में जोड़ रही है, ताकि जोखिम का बेहतर आकलन किया जा सके, कर चोरी की पहचान आसान हो और मैनुअल हस्तक्षेप कम किया जा सके।

एक नजर में

विधान परिषद के नव-निर्वाचित सदस्य आज लेंगे शपथ

पटना : विधान परिषद के नव-निर्वाचित सदस्यों को बुधवार अपराह्न चार बजे सभापति अवधेश नारायण सिंह शपथ दिलाएंगे। उल्लेखनीय है कि उच्च सदन में विधानसभा कोटे की आठ सीटों के लिए चुनाव और एक के लिए उप चुनाव हुआ था। भाजपा से पवन कुमार, संजय मयूख, अनिल ठाकुर, शीला पंडित और जदयू से निशांत, भारती मेहता, शिवरानी देवी प्रजापति, ललन सर्राफ लोजपा-रामविलास से अशरफ अंसारी और राजद से सुनिल कुमार सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। (राब्यू)

स्थापना दिवस समारोह के लिए सजा राजद कार्यालय

पटना : यूं तो राजद का स्थापना दिवस पांच जुलाई को है, लेकिन उस उपलक्ष्य में पार्टी की ओर से राज्य-स्तरीय समारोह का आयोजन बुधवार, एक जुलाई, को ही हो रहा है। समारोह का उद्घाटन राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव करेंगे। बहरहाल आयोजन के लिए सज-धज कर तैयार पार्टी कार्यालय बाहर-भीतर हरे रंग की रोशनी से नहा रहा है। (राब्यू)

हल्दिया रिफाइनरी में आग लगने की दुर्घटना दुःखद

पटना : पश्चिम बंगाल में पूर्वी मेदिनीपुर जिला के हल्दिया में स्थित रिफाइनरी की नेफ्था पाइपलाइन में मंगलवार सुबह आग लग गई। उसमें कई कर्मचारी घायल हो गए। भाजपा की बंगाल इकाई के प्रभारी मंगल पांडेय ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। स्थानीय प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन से आग्रह किया है कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं अविलंब उपलब्ध कराई जाएं। (राब्यू)

बाढ़ और सुखाड़ से निपटने को सरकार मुस्तैद : विजय चौधरी

संवेदनशील तटबंधों को पूरी तरह कर लिया गया सुरक्षित

जन सुनवाई कार्यक्रम

उप मुख्यमंत्री ने कहा- गंगा और गंडक नदी के अतिरिक्त पानी को लिफ्ट कर जलाशयों में संचित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार बाढ़ और सूखे, दोनों ही विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। संभावित खतरों को देखते हुए संवेदनशील तटबंधों को पूरी तरह सुरक्षित कर लिया गया है। प्रभावित क्षेत्रों के लिए पर्याप्त मात्रा में आवश्यक राहत सामग्रियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। वहीं, दूसरी ओर सूखे की स्थिति में किसानों के लिए सिंचाई के पानी की व्यवस्था को लेकर भी सरकार गंभीर है। इस दिशा में गंगा और गंडक नदियों के अतिरिक्त पानी को लिफ्ट कर जलाशयों में संचित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने यह बात कही।

विजय कुमार चौधरी • जागरण आर्काइव

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता ने जिस भरोसे के साथ एनडीए को जनादेश दिया था, सरकार उसके अनुरूप काम कर रही है और अपने कार्यों से अपनी विश्वसनीयता को प्रमाणित किया है। विकास कार्यों को गति देने के क्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राज्य के लिए कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को स्वीकृति दिलाई है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीते 20 वर्षों के शासनकाल में बिहार ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। वर्ष 2025-30 के लिए उनके नेतृत्व में एनडीए को ऐतिहासिक जनादेश मिला। सम्राट चौधरी ने कई बार सार्वजनिक मंचों से यह दोहराया है कि एनडीए सरकार नीतीश कुमार के सुशासन और न्याय के साथ विकास के रास्ते पर ही आगे बढ़ रही है और बिहार की जनता भी इस बात को गहराई से महसूस कर रही है।

कला प्रदर्शनी का अवलोकन करते पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह व अन्य। • सौ. संग्रहालय

नीतीश ने हाथी के दांतों से निर्मित कलाकृतियों का किया अवलोकन

बिहार संग्रहालय पहुंचे नीतीश परिसर में बड़ी संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं एवं पर्यटकों से हालचाल जाना

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को बिहार संग्रहालय पहुंचे। संग्रहालय में उन्होंने हाथी के दांतों से निर्मित कलाकृतियों एवं उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनकी कलात्मकता की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने विशेष दीर्घा का भी निरीक्षण किया। वहां मौजूद शोधकर्ताओं से मुलाकात कर उनके कार्यों की जानकारी ली।

संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने अपनी टीम के साथ उनका अभिनंदन किया। संग्रहालय परिसर में बड़ी संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं एवं पर्यटकों से नीतीश कुमार ने उनका हालचाल जाना और सबका अभिवादन स्वीकार किया। छात्र-छात्राओं एवं पर्यटकों में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ तथा मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी भी उपस्थित थे।

बिहार कैडर के आइपीएस अधिकारी अमित कुमार होंगे एसपीजी के नए निदेशक

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: बिहार कैडर के 1994 बैच के आइपीएस अधिकारी अमित कुमार प्रधानमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के नए निदेशक होंगे। अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के दौरान वह सीआरपीएफ में विशेष महानिदेशक (स्पेशल डीजी) के पद पर कार्यरत हैं। फिलहाल अमित कुमार को एसपीजी में विशेष ड्यूटी अधिकारी (ओएसडी) नियुक्त करने की मंजूरी दी गई है।

मुजफ्फरपुर में 14.75 करोड़ से लगेगी फर्नीचर व इंटीरियर उत्पाद विनिर्माण इकाई

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : मुजफ्फरपुर जिला के औद्योगिक क्षेत्र डुमरिया में मेसर्स सिटी एडवरटाइजिंग द्वारा 14.74 करोड़ के निवेश से विनिर्माण इकाई की स्थापना होगी। वहां माड्यूलर फर्नीचर, स्टील आलमारी तथा घरेलू एवं कार्यालय उपयोग के इंटीरियर उत्पादों का निर्माण होगा। इसके लिए 0.46 एकड़ क्षेत्र भूमि आवंटित हुई है। बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (बियाडा) की परियोजना समाशोधन समिति ने इसके लिए स्वीकृति दे दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई से किया इन्कार

भोजपुर मुठभेड़ मामला

- शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को पटना हाई कोर्ट जाने की दी छूट
- भरत भूषण मुठभेड़ मामले में सीबीआइ जांच की मांग की गई थी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भोजपुर में भरत भूषण तिवारी की कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में दाखिल जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। हालांकि कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पटना हाई कोर्ट जाने की छूट दी है। जनहित याचिका में मुठभेड़ की जांच सीबीआइ से कराने और जांच के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति के गठन की मांग की गई थी।

मंगलवार को जनहित याचिका न्यायमूर्ति एमएम सुंद्रेश और जस्टिस शील नागू की पीठ के समक्ष सुनवाई पर लगी थी। जैसे ही याचिकाकर्ता वकील विशाल तिवारी ने मामले को गंभीर बताते हुए बहस करनी चाही, कोर्ट ने याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पहला सवाल किया कि वह हाई कोर्ट क्यों नहीं गया सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों आया है। हाई कोर्ट मामले की सुनवाई के लिए ज्यादा बेहतर है। याचिकाकर्ता ने कहा कि इस मामले पर पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका लंबित है और ये मामला गंभीर है इसलिए शीर्ष अदालत को इस पर सुनवाई करनी चाहिए। कोर्ट ने

दूसरा सवाल किया कि याचिकाकर्ता कौन है? जब याचिकाकर्ता ने कहा कि यह जनहित याचिका है तो कोर्ट ने साफ मना करते हुए कहा कि वह इस पर सुनवाई नहीं करेगा और कहा कि याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने की छूट है। दाखिल याचिका में भरत भूषण को फर्जी मुठभेड़ में मारे जाने का आरोप लगाते हुए मांग की गई थी कि मामले की जांच सीबीआइ से कराई जाए। संबंधित पुलिस दल के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने और सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की भी मांग की गई थी।

आवास के लिए जमीन पाने वालों में पटना सबसे आगे

15 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर आयोजित मुख्य समारोह लाभुकों को सौंपे जाएंगे प्रमाण पत्र

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग 30 हजार भूमिहीनों को वास के लिए जमीन देने जा रहा है। इसके लिए 15 अगस्त को सभी जिलों में समारोह का आयोजन होगा। विभागीय मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल ने मंगलवार को बताया कि उस दिन पटना के सबसे अधिक भूमिहीनों को बंदोबस्ती का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। उनकी संख्या 1709 है। हजार से अधिक लाभार्थियों वाले जिले हैं- पूर्वी चंपारण 1493, मुजफ्फरपुर 1406, मधुबनी 1314, गया 1285, समस्तीपुर 1247, सारण 1157 और दरभंगा 1153। उन्होंने बताया कि अभियान बसेरा-दो के माध्यम से अब तक राज्य के 71,569 पात्र परिवारों को वासभूमि उपलब्ध कराने की दिशा में बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र दिए जा चुके हैं। अब स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक और बड़े अभियान के जरिए हजारों नए लाभुकों को इस योजना से जोड़ा जाएगा। प्रमाण-पत्र वितरण की पूरी प्रक्रिया अभियान बसेरा पोर्टल के माध्यम से आनलाइन संपन्न होगी। 15 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर आयोजित मुख्य समारोह अथवा विशेष शिविरों में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में लाभुकों को प्रमाण-पत्र सौंपे जाएंगे।

पांच खनिज विकास पदाधिकारियों को मंत्री ने सौंपा नियुक्ति पत्र

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : खान एवं भूतत्व मंत्री डा. प्रमोद कुमार ने मंगलवार को पांच नव-नियुक्त खनिज विकास पदाधिकारियों एवं अनुकंपा पर नियुक्त एक निम्नवर्गीय लिपिक को नियुक्ति पत्र सौंपा। मंत्री ने सभी नव-नियुक्त कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में मंत्री प्रमोद ने कहा कि बिहार के खनिज संसाधनों का पारदर्शी, वैज्ञानिक एवं सतत विकास विभाग की प्राथमिकता है। नव-नियुक्त खनिज विकास पदाधिकारी अपनी ऊर्जा, समर्पण और ईमानदारी से विभाग को नई दिशा देंगे तथा राज्य के खनन प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर विभाग के सचिव अवनीश कुमार सिंह, निदेशक (खान) मनेश कुमार मीणा तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी ने नव-नियुक्त कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे विभाग की गरिमा एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

दैनिक जागरण क्लासीफाइड

आवश्यकता

हल्द्वानी जिला नैनीताल, स्टेट-उत्तराखंड में घर के कार्य हेतु महिला मैड, फीमेल आया की आवश्यकता है 2 कमरों के रहने की सुविधा, Salary-8000/-, सम्पर्क- # 7055555522

व्यापार

भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें- 8929449955

शिक्षा

ADMISSION OPEN
B.Ed. (2 Year) Course
RAO [illegible] SINGH COLLEGE OF EDUCATION
BEHRAMPUR, SECTOR-74, GURUGRAM
Affiliated to M.D.U. Rohtak & Approved by NCTE
BEST FEE IN HARYANA
Contact below if interested
Mobile No.: 7982969782/9898405436/ 9816088834
College Campus in Gurugram city.

चिकित्सा

शादी से पहले या शादी के बाद
स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है आज ही इलाज करा लेना
मिलें या फोन पर परामर्श लें
Dr. Hashmi
स्थापित 1929 हाशमी दवाखाना hashmi.com अमरोहा-UP
9027281900
9917129269

पोल्ट्री

संडे हो या मंडे रोज खाओ अंडे

नाम परिवर्तन

I, Sarswati Devi W/O Shiv Parassan Kumhar R/o Gram - Chaprang Po- Chaprang, Chaprang Po : Noan, Dist: Kaimur (Bhabua), Bihar-802132, have changed my name and shall hereafter be known as Chanmuni Devi.

मैं पप्पू कुमार (Pappu Kumar) पिता-अरविन्द महतो, जन्म तिथि 08.03.1992 पूर्व में ग्राम विष्णुपुर चांद, नगर परिषद बीहट, वार्ड-37, पोस्ट- बी.टी.पी.एस., थाना +प्रखंड- बरौनी, जिला-बेगूसराय, बिहार, पिन-851116 में स्थायी रूप से निवास करता था, लेकिन वर्तमान में वार्ड -03, नगर परिषद बरौनी, ग्राम- फुलवरिया, पोस्ट-बरौनी, थाना - फुलवरिया, प्रखंड- तेघड़ा, जिला- बेगूसराय, बिहार, पिन-851112 में स्थायी रूप से निवास करता हूं, और यही मेरा स्थायी पता है। मेरा आधार संख्या 961368697133 तथा शपथ पत्र संख्या 9331/11.06.2026 है।

I, Sunil Kumhar alias Shoshil Prajpati S/o Basropan Prajapati R/o Gram Karamhari, Post, Karamhari, Kaimur (Bhabua), Bihar-802132, have changed my name and shall hereafter be known as Shoshil Prajpati.

Classifieds दैनिक जागरण
YOU CAN BOOK CLASSIFIED ADVT. OVER PHONE in Patna
For More Details Contact
Ghanshyam Singh
9470645100
0612-2277071

दैनिक जागरण हिंदी हैं हम

नरेन्द्र मोहन
पूर्व प्रधान संपादक, दैनिक जागरण
(10 अक्टूबर, 1934 - 20 सितम्बर, 2002)

दैनिक जागरण
साहित्य सृजन सम्मान
नरेन्द्र मोहन, पूर्व प्रधान संपादक की स्मृति में

आवेदन प्रक्रिया शुरू

पठनीयता, गुणवत्ता और विषयवस्तु की कसौटी पर वर्ष की सर्वश्रेष्ठ कृति को मिलेगा यह प्रतिष्ठित सम्मान।

पुरस्कार राशि : ₹11,00,000

प्रकाशन वर्ष : 2025 में प्रकाशित पुस्तकें मान्य

पुस्तक विधा : कविता, कहानी या उपन्यास

भाषा : हिंदी

आवेदक : लेखक, प्रकाशक, संस्था या अन्य

आवेदन की अंतिम तिथि : 1 अगस्त, 2026

प्रविष्टि भेजने के लिए स्कैन करें

पढ़ते रहिए दैनिक जागरण

पटना, बुधवार
1 जुलाई, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22

दैनिक जागरण

www.jagran.com
बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

राजकोषीय घाटा मई अंत तक पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 9.6% पर 13

हार्दिक पांड्या ने सीओई को अपना स्थायी अभ्यास केंद्र बनाया 15

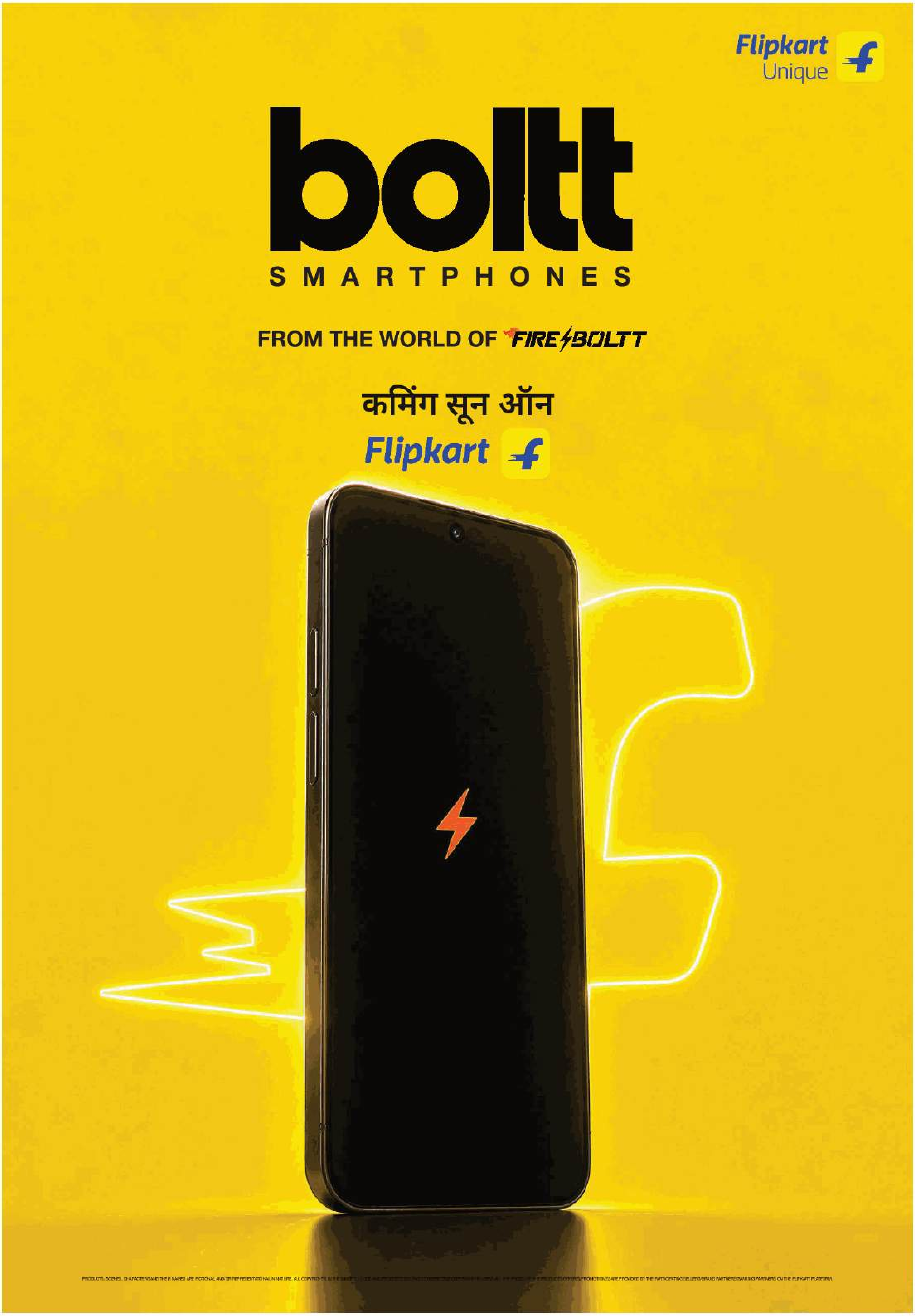

Times Higher Education
Sustainability Impact Ratings 2026
RANKED
TOP 5 in U.P.
TOP 40 in India
401-600 Globally

NAAC GRADE A
ACCREDITED UNIVERSITY

nirf
2025 Engineering College
201-300 Band

Approved under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956

NBA
NATIONAL BOARD of ACCREDITATION
NBA Accredited B.Tech. CSE Programme (Tier-1)

ICAR
ACCREDITED B.SC (H) AGRICULTURE PROGRAMME

A
Grade Recognition By The Quality Council of India (QCI)

academic impact
MEMBER OF THE UNITED NATIONS ACADEMIC IMPACT

TOP 50 B-SCHOOLS
AS PER THE TIMES B-SCHOOL RANKINGS 2024

SECURED THE 4th SPOT IN UTTAR PRADESH TOP PRIVATE UNIVERSITIES BY IIRF RANKING 2026

SECURED THE 19th SPOT AMONG INDIA'S TOP 40 PRIVATE UNIVERSITIES AS PER THE TIMES B-SCHOOL RANKINGS

IOH
Certified 2025-26

University Awarded IOH - Institute of Happiness (2025-26) QS I-GAUGE

GREEN MENTORS
Powered by Law of Nature

UNIVERSITY ACCREDITED AS GREEN UNIVERSITY IN PLATINUM RANKING 2026-29

OBE & GREEN RANKINGS 2025 WITH GRADE TITANIUM BAND
World Institutional RANKING

NEWLY LAUNCHED ONLINE EDUCATION PROGRAMMES
BBA
BCA
MBA
- Finance
- H R Management
- Marketing
- International Business

Website : www.tmuonline.ac.in
CONTACT : 95209-42111
95209-32111

DIPLOMA | UG | PG | PhD PROGRAMMES OFFERED

MEDICAL
- MBBS • MD • MS (All Specializations)
(Admissions through UP NEET Counselling)

M.Sc. (Medical)
- Anatomy • Physiology • Biochemistry
- Pharmacology • Microbiology

DENTAL
- BDS
- MDS (All Specializations)
(Admissions through UP NEET Counselling)

NURSING
- ANM
- PB B.Sc. Nursing
- B.Sc. Nursing
- M.Sc. Nursing (All Specializations)

ALLIED & HEALTHCARE SCIENCES
APPROVED BY U.P. STATE MEDICAL FACULTY, LUCKNOW (EXCEPT FORENSIC SCIENCE)
- BMRIT
- MMRIT (For X-Ray/ CT Scan / MRI)
- BMLS
- MMLS (For Blood Testing Lab)
- B.Optom
- M.Optom (For Eye Testing Lab)
- B.Sc. Forensic Science (Honours*/ Honours with Research**)
- M.Sc. (Forensic Science)

JOB ORIENTED DIPLOMA PROGRAMMES -
- O.T.
- Dialysis
- Anesthesia & Critical Care
- DMLT

FINE ARTS
- BFA (Hons)* • MFA

COMPUTING SCIENCES & IT
- B.Tech. Computer Science and Engineering
- B.Tech. (CSE) Lateral Entry
- B.Tech. (CSE) Specialization in Artificial Intelligence, Machine Learning & Deep Learning
- B.Tech. Lateral Entry (CSE) Specialization in Artificial Intelligence, Machine Learning & Deep Learning
- B.Tech. (CSE) in Data Science
- B.Tech. (CSE) in Cloud Technology & Information Security
- B.Tech. (CSE) in Cyber Security
- B.Tech. Lateral Entry (DS, CTIS, CS)
- M.Tech.(CSE) in All Specializations
- B.Sc. Animation (Hons)*
  - Product Designing - UI/UX Designing
  - Graphic Designing - Game Designing
  - VFX
- B.Sc. Computer Science (Hons)*
  - AI and Data Science
  - Blockchain Technology
  - Full Stack Development
  - Cloud Technology and IoT
  - Information Security

Collaboration with aivancity, France
- M.Sc. • Artificial Intelligence • Data Science

- BCA (Hons)* (With Specialization in)
  - Artificial Intelligence
  - Data Analytics
  - Cyber Security
  - Full Stack
  - Web Applications
  - Software Engineering & Quality Testing
  - Cloud Computing & IOT
  - Digital Marketing
  - Cloud Technology & Information Security
  - Mobile Application & Web Technology
- MCA in All Specializations

Collaboration with IBM
- B.Tech. Artificial Intelligence & Block Chain

PHARMACY
- D.Pharm.
- B.Pharm.
- B.Pharm. (2nd Yr Lateral Entry)
- Pharm.D. (Doctor of Pharmacy)
- Pharm.D. (Post Baccalaureate)
- M.Pharm. (Pharmacology/Pharmaceutics)

Rs. 5000/- per month will be given as stipend

PHYSIOTHERAPY
- BPT
- MPT • Musculoskeletal Sciences • Neurosciences • Cardio-Pulmonary Sciences • Sports Sciences • Paediatrics and Neonatal Sciences • Obstetrics and Gynaecology Sciences

Rs.3000/- per month will be given as stipend

FACULTY OF ENGINEERING
AICTE Approved
- B.Tech. • Computer Science & Engineering • Electronics & Communication Engineering • Electrical Engineering • Mechanical Engineering • Civil Engineering
- B.Tech. 2nd year Lateral Entry (after Diploma/B.Sc.)
- M.Tech.
  - Machine Learning & Data Sciences
  - Electrical Power & Energy System
  - Additive Manufacturing
  - Structural and Construction Engineering

AGRICULTURE SCIENCES
ICAR ACCREDITED
- B.Sc. (Hons.) - Agriculture
- M.Sc. - • Agronomy

PHYSICAL EDUCATION
- B.P.Ed. • M.P.Ed.
- B.P.E.S (Honours*/ Honours with Research**) (Bachelor of Physical Education & Sports)

MANAGEMENT & COMMERCE
- BBA (Honours*/ Honours with Research**) (With Specialization in)
  - Finance
  - Human Resource Management
  - Marketing Management
  - Digital Marketing
  - Fintech & Blockchain Technology
  - Business Analytics
  - Economics, Accounting & Tax Laws
- BBA (Hons)* - Data Analytics
- BBA (Hons)* - International Business and Entrepreneurship
- B.Com. (Honours*/ Honours with Research**) (With Specialization in)
  - Finance
  - Digital Marketing
  - Fintech & Blockchain Technology
  - Business Analytics
  - Economics, Accounting & Tax Laws
- MBA (With Specialization in)
  - Marketing, HR, IB, Finance, Agri. Business
  - Logistics and Supply Chain Management
  - Data Analytics, Digital Marketing
- MBA - Hospital Management

LAW
5 Years Integrated Programmes
- BA-LL.B. (Hons.) • BBA-LL.B. (Hons.)
- LL.M.

EDUCATION
- ITEP-B.Sc.-B.Ed (Secondary)* (4 yrs.Integrated)
- B.A.-B.Ed. (4 yrs.Integrated)*
- B.El.Ed.
- B.Ed.
- M.Ed. • D.El.Ed. (BTC)

Ph.D. in various disciplines
The University offers a research fellowship for all disciplines as per University norms.

OUTSTANDING PLACEMENT
3000+ • Students Placed • Entrepreneur • Higher Studies
400+ COMPANIES VISITED
63 Lakh P.A. HIGHEST PACKAGE OFFERED

SCHOLARSHIPS FOR JAIN STUDENTS :
- Exemption upto 50% in Tuition fee and upto 30% in Hostel fee for entire duration of the programme.*
(The above scholarships shall not be applicable to programmes like MDS, MBBS and MD, MS programmes)

FOR SPORTS ASPIRANTS : Exemption upto 100% in Tuition fee for meritorious sports aspirants.

FOR OTHER STUDENTS : Exemption upto 50% in Tuition fee for meritorious students at entry level only.*

*Under the provisions of NEP 2020, a student who chooses to exit the program after successfully completing three years will be awarded an undergraduate (UG) degree. If the student achieves a minimum of 75% marks or a 7.5 CGPA in the first six semesters, he/she will have the option to pursue an Honours degree with Research. Additionally, students who complete the full four-years program will be awarded an Honours degree with a major and minor specialization, as offered by the University.

SCAN HERE TO APPLY

For the complete list of programmes offered visit : www.tmu.ac.in | Email : admission@tmu.ac.in
Admission Toll Free No. - 1800-270-1490 9258112544 | Campus : NH-09, DELHI ROAD, MORADABAD (U.P.)

पटना, बुधवार
1 जुलाई, 2026

नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22

दैनिक जागरण

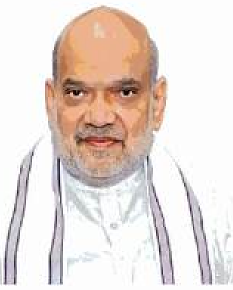

www.jagran.com

बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

उपचार से आगे, मानवता की मिसाल बने चिकित्सक 16

शाह ने लांच किया एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआइ कार्ड 15

संपादकीय

मोदी की समावेशी राजनीतिः मोदी ने 'वसुधैव-कुटुंबकम्' की संकल्पना के कुशल प्रयोग से जनता, राजनीतिक दलों और विश्व समुदाय का भी दिल जीता है। डा. **एके वर्मा** का आलेख।

कसी जाए मंत्रियों के चयन की कसौटीः अप्रत्याशित फैसले लेना मोदी सरकार की विशेषता अवश्य है, लेकिन उसका हर ऐसा फैसला मास्टर स्ट्रोक नहीं होता। **राजीव सचान** का दृष्टिकोण।

• पेज 10

अंदर पढ़ें

सस्ते औद्योगिक जिंस से बढ़ेगी इकोनमी

नई दिल्लीः ईरान-अमेरिका युद्धविराम के एलान और होर्मुज के खुलने से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल समेत विभिन्न औद्योगिक जिंसों की कीमतों में पिछले एक माह में 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। जानकारों का कहना है कि ऐसे में आयात बिल में कमी के साथ निर्माण लागत भी कम होगी, जिससे घरेलू और निर्यात दोनों मांग को मजबूती मिलेगी।

• पेज 13

आज का मैच (पहला टी-20)
भारत बनाम इंग्लैंड
स्थानः रिवर साइड स्टेडियम / स्थानः चेस्टर ली स्ट्रीट — रात 10 बजे
प्रसारणः सोनी स्पोर्ट्स/सोनी लिव

सप्तरंग
सेहत भरे जीवन का

थोड़ी सी सतर्कता बचाएगी स्किन एलर्जी से

प्राचीन और बहुउपयोगी औषधि है घी

• पेज 12

कारोबार में बाधा न बने गवर्नेंस

पीएम ने भारत सरकार के सचिवों के साथ उच्च स्तरीय बैठक में दिए निर्देश

सुगमता पर जोर

- अधिकारियों को समझाया सुशासन का माडल, कहा आपसी तालमेल से करें काम
- आत्मनिर्भर भारत की दिशा में गंभीरता से काम करने का भी दिया निर्देश

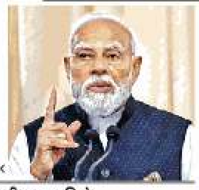

पीएम नरेन्द्र मोदी • फाइल फोटो/पीटीआइ

योजनाओं का असर आमजन के जीवन पर दिखे

इंटीग्रेटेड प्लानिंग यानी समेकित योजना और तालमेल के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने विभागों के बीच तालमेल और सही जानकारी के आधार पर फैसले लेने के लिए प्रभावशाली प्लेटफार्म के तौर पर 'पीएम गतिशक्ति' के व्यापक इस्तेमाल का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को सुशासन के माडल का मूल समझाया कि सरकार द्वारा जनहित में जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनका असर आमजन के जीवन पर दिखाई देना चाहिए।

जागरण ब्यूरो, नई दिल्लीः वैश्विक चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर से आत्मनिर्भरता और जीवन व कारोबार की सुगमता पर जोर दिया है। विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों के साथ लंबी बैठक में उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जटिल नियमों में गुथी गवर्नेंस इसमें बाधा नहीं बननी चाहिए। सेवा तीर्थ में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों के कामकाज की समीक्षा भी की। 'होल आफ गवर्नेंट' (पूरी सरकार को एक इकाई के रूप में देखना) के सोच के साथ आपसी तालमेल बनाकर काम करने का संदेश देने के साथ ही उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में गंभीरता से काम करने का निर्देश दिया।

पश्चिम एशिया संकट के दौरान हालांकि भारत ने आपूर्ति बहुत प्रभावित नहीं होने दी और आम जनता पर अत्यधिक बोझ भी नहीं पड़ने दिया, लेकिन इसने आयात निर्भरता को खत्म करने की चाहत बढ़ा दी है। लिहाजा सभी मंत्रालयों को इस दिशा में काम करने का निर्देश दिया गया। ईज आफ डूइंग बिजनेस (कारोबार की सुगमता) और ईज आफ लिविंग (जीवन की सुगमता) पर प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा से जोर रहा है। यही कारण है कि वह लगातार रिफार्म यानी सुधारों पर जोर देते हैं और परिणामतः कई पुरानी व्यवस्थाओं में बदलाव किया गया है। नियमों में ढील भी दी गई है। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में भी प्रधानमंत्री ने अपने इन दो सिद्धांतों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ईज आफ डूइंग बिजनेस और ईज आफ लिविंग के लिए जहां भी आवश्यक हो, नियमों में ढील दी जाए और अन्य सुधार भी किए जाएं। उन्होंने पूरी सरकार को एक इकाई के रूप में देखने वाले 'होल आफ गवर्नमेंट' के दृष्टिकोण को अपनाने और विभागों के बीच किसी भी प्रकार की बाधा को तोड़ने के लिए कहा।

बैठक में सचिवों ने प्रधानमंत्री के निर्देश के अनुरूप अपने मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा उठाए जा रहे अहम कदमों की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री के विजन को ठोस नतीजों में बदलने के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में बताया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए उनके निदान को लेकर प्रतिबद्धता जताई।

प्रदर्शनकारी बोले गुलाम जम्मू-कश्मीर पाक का हिस्सा नहीं

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्लीः गुलाम जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में इस्लामाबाद के खिलाफ जनता का गुस्सा थमता नजर नहीं आ रहा है। मंगलवार को रावलकोट की सड़कों पर हजारों लोग उतर आए और पाकिस्तानी प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने खाद्य आपूर्ति पर लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध करते हुए साफ कहा कि ''गुलाम जम्मू-कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है।'' इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हमें विवश किया गया तो हम दूसरे रास्ते भी खोल सकते हैं। आंदोलनकारियों के इस रुख को भारत के साथ बढ़ती निकटता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

आइएएनएस के अनुसार, ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन में नेताओं ने पाकिस्तान सरकार पर दमन, शोषण और जनता को दबाने के लिए भोजन जैसी बुनियादी जरूरतों को हथियार बनाने का आरोप लगाया।

जागरण साहित्य सृजन सम्मान के लिए प्रविष्टि आरंभ

दैनिक जागरण साहित्य सृजन सम्मान

- पूर्व प्रधान संपादक नरेन्द्र मोहन जी की स्मृति में साहित्य सम्मान
- प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 1 अगस्त, 2026

जागरण संवाददाता, नई दिल्लीः दैनिक जागरण के पूर्व प्रधान संपादक नरेन्द्र मोहन जी की स्मृति में पिछले वर्ष आरंभ किए गए 'जागरण साहित्य सृजन सम्मान' के लिए आवेदन की प्रक्रिया आज से आरंभ हो रही है। यह सम्मान 1 जनवरी, 2025 से 31 दिसंबर, 2025 के बीच प्रकाशित हिंदी साहित्य की उत्कृष्ट पुस्तक के लेखक को प्रदान किया जाएगा। चयनित लेखक को 11 लाख रुपये की सम्मान राशि, प्रतीक चिह्न और अंग-वस्त्र नरेन्द्र मोहन जी की जयंती पर 10 अक्टूबर को प्रदान किया जाएगा। पुस्तक का चयन तीन सदस्यीय चयन समिति करेगी। लेखक स्वयं, प्रकाशक या कोई संस्था किसी भी पुस्तक को इस पुरस्कार के लिए नामित कर सकते हैं। सम्मान के लिए प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 1 अगस्त, 2026 है। पिछले वर्ष का पुरस्कार हिंदी के वरिष्ठ लेखक महेन्द्र मधुकर को उनकी कृति वक्रतुण्ड पर गृह मंत्री अमित शाह ने प्रदान किया था।

दैनिक जागरण के पूर्व प्रधान संपादक नरेन्द्र मोहन जी ने 37 वर्षों तक संपादक और प्रधान संपादक के रूप में पत्रकारिता की कई संस्कारित पीढ़ियों को तैयार किया, जो आज भी उनके द्वारा स्थापित मानकों का अनुसरण कर रही हैं। आपातकाल का विरोध करने पर 28 जून, 1975 की रात उनको गिरफ्तार कर लिया गया था। दैनिक जागरण में प्रकाशित होने वाले उनके स्तंभ विचार प्रवाह के केंद्र में भारत और भारतीयता रहती थी। उनकी लिखी पुस्तकों में धर्म, संस्कृति और हिंदुत्व केंद्रीय तत्व के रूप में देखे जा सकते हैं। भारतीय संस्कृति, हिंदुत्व, धर्म और सांप्रदायिकता, आज की राजनीति व भ्रष्टाचार उनकी प्रमुख कृतियां हैं। वर्ष 1996 में वे भारतीय जनता पार्टी से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर चुने गए और वर्ष 2002 तक सांसद रहे। ऐसे विचारवान संपादक की स्मृति में दैनिक जागरण के 'हिंदी हैं हम' अभियान के अंतर्गत यह सम्मान आरंभ किया गया था।

जागरण साहित्य सृजन सम्मान के लिए किसी लेखक की एक से अधिक कृतियां भी प्रस्तावित हो सकती हैं। बस, प्रत्येक कृति का आवेदन नए सिरे से होगा। चयनित पुस्तक पर निर्णायक मंडल का निर्णय ही अंतिम और सर्वमान्य होगा।

विस्तृत जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

प्रत्येक पुस्तक की दो प्रतियां इस पते पर भेजना अनिवार्य हैः
दैनिक जागरण, स्ट्रेटजी एंड ब्रैंड डेवलपमेंट, सेकेंड फ्लोर, 53, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट फेस-3, नई दिल्ली-110020

ट्रेलर ने बाइक सवार दंपती को रौंदा, दोनों की मौत

दुखद

- भोजपुर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के बालबांध गांव के पास हुआ हादसा
- आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर ट्रेलर को किया क्षतिग्रस्त, चालक गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, आराः भोजपुर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के बालबांध गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप मंगलवार की सुबह ट्रेलर ने दवा लेने जा रहे बाइक सवार दंपती को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद भाग रहे चालक को स्थानीय ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। इसके बाद लाठी-डंडे व ईंट-पत्थर से ट्रेलर को क्षतिग्रस्त कर दिया।

मृतकों की पहचान चरपोखरी थाना क्षेत्र के बहरी गांव निवासी 30 वर्षीय अर्जुन पाल एवं उनकी 25 वर्षीय पत्नी रानी देवी के रूप में हुई है।

अर्जुन पाल के नाना रामप्रवेश पाल ने बताया कि मंगलवार की सुबह अर्जुन अपनी पत्नी रानी देवी के साथ बाइक से दवा लेने आरा जा रहे थे कि उसी दौरान बालबांध गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें रौंद दिया, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर बालबांध गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप गड़हनी-मनैनी पथ एवं गड़हनी के बागर मोड़ के समीप आरा-सासाराम स्टेट हाईवे को शवों संग जाम कर दिया।

सड़क जाम रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। सड़क जाम की सूचना पर चरपोखरी एवं गड़हनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत और समझाने के बाद पुलिस ने जाम हटवाया। इसके बाद पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया। वहीं, पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर ट्रेलर को जब्त कर लिया गया।

यूजर्स फोन नंबर शेयर किए बिना कर सकेंगे वाट्सएप पर चैट

कैलिफोर्निया, एएनआइः वाट्सएप एक नया यूजरनेम फीचर लाने जा रहा है। प्राइवेसी पर केंद्रित यह फीचर यूजर्स को बिना फोन नंबर शेयर किए एक-दूसरे से जुड़ने की सुविधा देगा। प्लेटफार्म ने कहा कि यूजर्स इसी हफ्ते से ही अपने यूजरनेम को रिजर्व करना शुरू कर सकते हैं। नया फीचर वर्ष के अंत में धीरे-धीरे शुरू किया जाएगा।

वाट्सएप ने इस फीचर के बारे में सोमवार को बताया कि यूजरनेम को यूजर्स को जुड़ने का अधिक प्राइवेट तरीका उपलब्ध कराने के लिए डिजायन किया गया है, खासकर तब जबकि वे किसी नए व्यक्ति से बात कर रहे हों या ऐसे ग्रुप बातचीत में शामिल हो रहे हों, जहां उन्हें अपना फोन नंबर शेयर करना सही नहीं लग रहा हो। नए फीचर के बारे में बताते हुए वाट्सएप ने कहा, 'हम वाट्सएप के लिए यूजरनेम ला रहे हैं। इस हफ्ते से आप यूजरनेम रिजर्व कर सकते हैं ताकि जब हम इस वर्ष के आखिर में यह फीचर शुरू करें, तो आप उसका इस्तेमाल कर सकें।

जनरल धीरज सेठ बने देश के 31वें सेना प्रमुख

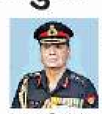

जनरल धीरज सेठ • फाइल

पश्चिमी मोर्चे पर दो आपरेशनल आर्मी कमांड का नेतृत्व कर चुके हैं जनरल सेठ

नई दिल्ली, प्रेट्रः जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को नए सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के नाम पश्चिमी मोर्चे पर दो आपरेशनल आर्मी कमांड का नेतृत्व करने की विशिष्ट उपलब्धि भी दर्ज है। आर्मर्ड कोर के अफसर लेफ्टिनेंट जनरल सेठ 1997 में जनरल शंकर रायचौधरी के बाद कांबैट ब्रांच से सेना की कमान संभालने वाले पहले अफसर हैं। जनरल सेठ ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्थान लिया जोकि 40 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। जनरल सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कार्प्स यानी बख्तरबंद कोर में कमीशन हुए थे। सेना के उप प्रमुख के रूप में सेवा देने के बाद वे 31वें सेना प्रमुख बने हैं।

जेईई की तरह दो चरणों में हो सकता है नीट-यूजी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्लीः पेपर लीक के बाद मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी को फुलप्रूफ बनाने को लेकर सरकार मुस्तैदी से जुटी है। इसी कड़ी में नीट-यूजी को अगले साल से सीबीटी (कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट) मोड में कराने का एलान पहले ही किया जा चुका है। इसके साथ ही परीक्षा को कोचिंग के जाल व नकल माफिया के नेटवर्क से बचाने के लिए जेईई (ज्वाइंट एंट्रेंस एक्जाम) की तर्ज पर दो चरणों में कराने जैसे विकल्पों पर मंथन तेज हुआ है। इनमें पहला चरण प्रारंभिक यानी स्क्रीनिंग का होगा जबकि दूसरा चरण मुख्य होगा। मुख्य चरण की मेरिट के आधार पर ही छात्रों को दाखिला दिया जाएगा। कुल मिलाकर अगले साल से मेडिकल प्रवेश में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

वैसे भी पेपर लीक के बाद नीट-यूजी को एक दिन में कराने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रति वर्ष अकेले जेईई में करीब आठ लाख और नीट-यूजी में 22 से 24 लाख छात्र शामिल होते हैं। 2026 में भी नीट-यूजी के लिए 22.79 लाख छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराए थे। सूत्रों के मुताबिक संसदीय समिति के साथ बुधवार यानी एक जुलाई को प्रस्तावित बैठक में एनटीए की ओर से नीट-यूजी को लेकर किए जा रहे सुधारों और परीक्षा के विकल्पों पर हुए मंथन को साझा किया जाएगा।

जनपद महराजगंज

जनपद हाथरस

उत्तर प्रदेश में विकास की लहर हर गांव हर शहर

केएमसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, महराजगंज

50 बेडेड फील्ड हॉस्पिटल, सिकन्दरा राऊ

बनैलिया माता रोहिन बैराज, महराजगंज

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, हड़ौली

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, फरेंदा, महराजगंज

133 दुकानों वाला व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत लाभार्थी

ट्रांजिट हॉस्टल, पुलिस लाइन

- ₹248 करोड़+ से महराजगंज मेडिकल कॉलेज का निर्माण
- 1.44 लाख+ महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से लाभ
- 41 हजार+ बेटियां कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित
- 12 हजार+ जोड़े मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह से लाभान्वित
- 63 हजार+ परिवारों को प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास से लाभ
- 4 हजार+ परिवार मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना से लाभान्वित
- 5.19 लाख+ लोगों को राशन कार्ड वितरित
- 20.84 लाख+ लाभार्थियों को निःशुल्क राशन वितरित
- ₹148 करोड़ से बनैलिया माता रोहिन बैराज परियोजना से 8811 हेक्टेयर भूमि सिंचित
- ₹10.58 करोड़ की लागत से फरेंदा में राजकीय आईटीआई भवन का निर्माण
- ₹266.48 करोड़ की लागत से इंडो-नेपाल बॉर्डर मार्ग निर्मित
- भारत-नेपाल सीमा पर सोनौली इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (ICP) का विकास
- 60 किमी लंबे सड़क निर्माण से कनेक्टिविटी हुई आसान

- सादाबाद में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का निर्माण
- ₹24 करोड़ से मऊ चिरायल में आश्रम पद्धति का विद्यालय निर्मित
- ₹20 करोड़ से लोधीपुर पट्टी दवेरी में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज का निर्माण
- हड़ौली में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का निर्माण
- हसायन में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का एकेडमिक ब्लॉक एवं हॉस्टल निर्मित
- सिकन्दरा राऊ सीएचसी में 50 बेड वाला फील्ड हॉस्पिटल
- जिला चिकित्सालय हाथरस में 50 बेड वाला क्रिटिकल केयर ब्लॉक
- सीवेज फार्म की भूमि पर 133 दुकानों वाला व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स
- हाथरस जंक्शन पर 250 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम का निर्माण कार्य
- तालाब चौराहा स्थित तालाब का सौन्दर्यीकरण
- पुलिस लाइन में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण
- स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल अवस्थापनाओं का जीर्णोद्धार

काम दमदार-डबल इंजन सरकार

ADVERTORIAL

दैनिक जागरण
पटना, बुधवार
1 जुलाई, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22
www.jagran.com
बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव नहीं 13
तकनीक से बदलेगी खेती, मोबाइल एप बताएगा मिट्टी की जरूरत : शिवराज 15

ब्लूटूथ-वाकीटाकी से परीक्षा में फर्जीवाड़ा

नवादा के निवासी हैं सिवान से गिरफ्तार दोनों युवक साजिशकर्ता सीआरपीएफ जवान फरार

सिपाही भर्ती परीक्षा

- 10 लाख में हुई थी डील, मंगलवार को पुलिस ने आरोपितों को भेजा जेल
- परीक्षा समाप्त होने के बाद आरोपित मोबाइल लोकेशन से सिवान स्टेशन से पकड़े गए

जांच चल रही है। पुलिस रिपोर्ट आयोग को भेजेगी और अनुशंसा करेगी कि आरोपित नीतीश का परिणाम जारी नहीं हो। -पूरन कुमार झा, एसपी सिवान

जागरण टीम, सिवान: जिले के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के सूरापुर स्थित आरएस पब्लिक स्कूल में 28 जून को आयोजित सिपाही भर्ती लिखित परीक्षा में ब्लूटूथ और वाकीटाकी के जरिए नकल कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। परीक्षा देकर निकले एक अभ्यर्थी और उसके सहयोगी को पुलिस ने सिवान जंक्शन से गिरफ्तार कर लिया, जबकि इस पूरे नेटवर्क का कथित मास्टरमाइंड, सीआरपीएफ जवान अनीश कुमार उर्फ रोशन कुमार उर्फ फोट्टी फरार हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों से दो दिनों तक पूछताछ के बाद मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नवादा जिले के हिसुआ थाना क्षेत्र के मनमा निवासी कुंदन कुमार तथा नरहट थाना क्षेत्र के गंगटा निवासी नीतीश कुमार के रूप में हुई है। फरार आरोपित अनीश कुमार उर्फ रोशन कुमार उर्फ फोट्टी नवादा जिले के हिसुआ थाना क्षेत्र के बढ़ौना गांव का रहने वाला है। पुलिस ने गिरफ्तार युवकों के पास से कई इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद किए हैं। मामले में हुसैनगंज थानाध्यक्ष मोहन प्रसाद सिंह के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी के अनुसार, 28 जून को कैमूर जिले के भभुआ थानाध्यक्ष ने हुसैनगंज थानाध्यक्ष को सूचना दी कि पंडित देवनाथ पांडेय इंटर स्तरीय उच्च विद्यालय, बारे (भभुआ) परीक्षा केंद्र पर नवादा जिले के पकरीबरावां थाना क्षेत्र के देहरा निवासी पुरुषोत्तम कुमार को दो मोबाइल और एक वाकीटाकी के साथ पकड़ा गया है।

पुरुषोत्तम ने बताया कि उसका छोटा भाई पिंकू भी इसी केंद्र पर परीक्षा दे रहा है और उसके पास भी ब्लूटूथ डिवाइस है। पिंकू को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने सिवान के परीक्षा केंद्र पर परीक्षा दे रहे अभ्यर्थी का नाम बताया। इसके बाद पुलिस ने कुंदन और नीतीश के मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर सिवान जंक्शन से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में कुंदन और नीतीश ने बताया कि पूरे फर्जीवाड़े का साजिशकर्ता सीआरपीएफ जवान अनीश कुमार उर्फ रोशन कुमार उर्फ फोट्टी है। नीतीश की तलाशी में एक मोबाइल फोन, सफेद कागज में चिपकाए गए टी-27 अंकित दो इलेक्ट्रानिक डिवाइस तथा उसका सिपाही भर्ती परीक्षा का प्रवेश पत्र बरामद हुआ। वहीं कुंदन के पास से एक गहरे हरे और काले रंग का इयरफोन तथा तीन काले रंग की वाकीटाकी बरामद की गई।

गिरफ्तार दोनों युवकों ने पुलिस को बताया कि अनीश कुमार उर्फ रोशन ने सिपाही भर्ती परीक्षा पास कराने के लिए दस लाख रुपये की मांग की थी। अनीश ने खुद को सीआरपीएफ का जवान बताते हुए कहा था कि वह हर भर्ती परीक्षा के दौरान छुट्टी लेकर घर आता है और परीक्षा में सेटिंग कराने का काम करता है।

आरोपितों ने बताया कि 27 जून को अनीश ने कुंदन को ब्लूटूथ, वाकीटाकी और अन्य उपकरण देकर सिवान भेजा। अगले दिन 28 जून को नीतीश इन्हीं उपकरणों को छिपाकर आरएस पब्लिक स्कूल, सूरापुर स्थित परीक्षा केंद्र के अंदर ले गया, जबकि बाहर से कुंदन वाकीटाकी के माध्यम से उसकी मदद कर रहा था। नीतीश ने पुलिस को बताया कि परीक्षा के दौरान करीब 12:30 बजे अनीश कुमार उर्फ रोशन ने अपने मोबाइल से वाट्सएप पर प्रश्नपत्र के उत्तर भेजे थे। उन्हीं उत्तरों के आधार पर परीक्षा दी जा रही थी।

नीदरलैंड्स और जर्मनी को लगा जोर का झटका

नीदरलैंड्स के पाल वान

जर्मनी के जोशुआ किमिख

• पेज 14

पांडव सेना का सरगना संजय गिरफ्तार

- विक्रमशिला एक्सप्रेस से किया गिरफ्तार, एके-47 बरामदगी मामले में भी वांछित था कुख्यात
- पत्नी ने संजय की गिरफ्तारी के तुरंत बाद ट्रेन से वीडियो जारी कर अनहोनी की जताई आशंका

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: बिहार एसटीएफ ने मंगलवार को तड़के बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के टाप कुख्यात अपराधियों में शामिल और पांडव सेना के सरगना संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। उसके विरुद्ध बिहार और झारखंड के विभिन्न थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, नरसंहार, अवैध खनन, भू-माफिया गतिविधियों, एससी-एसटी एक्ट और अन्य संगीन अपराधों में करीब 26 कांड दर्ज हैं। वह बिहटा थाना कांड संख्या 672/2025 में एके-47 बरामदगी मामले में भी वांछित था और लंबे समय से फरार था।

एसटीएफ को सूचना मिली थी कि संजय नई दिल्ली से विक्रमशिला एक्सप्रेस से पत्नी और बच्चों के साथ पटना आ रहा है। पुलिस ने उसे ट्रेन की एसी बोगी में छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ के अनुसार, संजय को पटना जंक्शन से गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसकी पत्नी पुष्पा कुमारी ने गिरफ्तारी के बाद तुरंत वीडियो जारी कर कहा कि गिरफ्तारी बिहटा के पास ट्रेन रुकवाकर जीआरपी और बिहटा पुलिस ने की है। पत्नी ने वीडियो में पति के साथ अनहोनी की आशंका भी जताई है।

संजय पटना के मसौढ़ी थाना क्षेत्र के निमा गांव का रहने वाला है। उसका आपराधिक इतिहास तीन दशक पुराना है। जातीय हिंसा के दौर में 1995-1996 में संजय ने साथियों के साथ मिलकर पांडव सेना बनाई थी। उसके विरुद्ध वर्ष 1996 से अब तक पटना, जहानाबाद, भागलपुर, हजारीबाग, रांची और झारखंड के अन्य जिलों में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। हाल के वर्षों में पत्रकार नगर, मसौढ़ी और जहानाबाद में दर्ज हत्या के मामलों में भी उसका नाम आया था।

डॉक्टर बनें | एक्यूप्रेशर योग, नेचुरोपैथी
डिप्लोमा कोर्स DAT DY DAYS DNYS
डिग्री कोर्स MBBA BAYS YTC MD (AY)
100% डिप्लोमा एवं रोजगार
BAYC Institute बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज
स्थापित : 1972 Recognized by Council, Regd. Under an act of Govt. of India
गांधी सेतु लिंक पथ, चिरैयाटांड कॉलोनी गोलंबर से पूरब, पटना -7
9334278279, 9304942855 www.bayc.in

APR Cinemas
WELCOME TO THE JUNGLE- 9:30AM, 12:30PM, 2:30PM, 6:20PM, 9:20PM
COCKTAIL 2- 9:45AM, 3:35PM
SUPERGIRL (HINDI-3D)- 12:30PM, 7:30PM
OBSESSION (ENGLISH)- 5:30PM
MAIN VAAPAS AAUNGA- 9:30PM
APR CINEMAS NOW IN DOLBY ATMOS !!!

Raja Mahendra Pratap Singh University
(A State University)
Aligarh Palwal Road, Aligarh-202140
Email : recruitment.rmpsu@gmail.com
Advt. No-01/RMPSU/2026 Date: 30/06/2026
Online Applications are invited on prescribed format to fill up posts of Assistant Professor in different Departments of the University. Date of start filling application form-01/07/2026. Last date for submission of application form-31/07/2026. Hard copy of duly filled Online application form printout should reach on or before 05 August 2026 by registered/speed post to the office of Registrar.
Note: For details, please visit the university website https://rmpssu.ac.in
Registrar

नए सरकारी डिग्री कालेजों में पहली जुलाई से नहीं शुरू होगी पढ़ाई

अधूरा शैक्षणिक आधारभूत संरचना व कम नामांकन होना बना कारण

10 से संचालन संभव

संवाद सूत्र, जागरण• बोधगया : गया जिले में बिहार सरकार द्वारा नवस्थापित सरकारी डिग्री महाविद्यालयों में पहली जुलाई से स्नातक सत्र की पढ़ाई शुरू नहीं हो सकेगी। इसकी मुख्य वजह कई कालेजों में शैक्षणिक आधारभूत संरचना का अधूरा होना और प्रथम चयन सूची के बावजूद बेहद कम नामांकन होना है। ऐसे में इन कालेजों में नियमित कक्षाओं की शुरुआत फिलहाल टाल दी गई है। संभावना जताई जा रही है कि सभी आवश्यक तैयारियां पूरी होने के बाद 10 जुलाई से वर्ग संचालन शुरू किया जाएगा।

जिले के सात नवस्थापित सरकारी डिग्री महाविद्यालयों में नामांकन की स्थिति बेहद निराशाजनक है। डिग्री महाविद्यालय अतरी में प्रथम सूची के 20 चयनित छात्रों में से केवल 11 ने नामांकन कराया है, जबकि कालेज की क्षमता 288 छात्रों की है। बथानी में अब तक सिर्फ 02 छात्रों का नामांकन हुआ है। वहीं, राजकीय डिग्री महाविद्यालय मोहरा में केवल 01 छात्रा मुस्कान भारती ने हिंदी विषय में नामांकन कराया है। इस कालेज में 300 छात्रों के नामांकन की क्षमता है। राजकीय डिग्री महाविद्यालय बांकेबाजार में भी केवल 01 छात्र रोहित राज ने हिंदी विषय में नामांकन कराया है, जबकि प्रथम सूची में 22 छात्रों का चयन हुआ था और क्षमता 288 सीटों की है। सबसे चिंताजनक स्थिति राजकीय डिग्री महाविद्यालय मोहनपुर की है, जहां प्रथम चयन सूची में एक भी छात्र का नाम नहीं आया। कालेज के सहायक प्रधानाध्यापक डा. रामदेव प्रसाद ने बताया कि डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद कुमार चौधरी के अनुसार तकनीकी गड़बड़ी से ऐसा हुआ है और दूसरी सूची में अधिक छात्रों का चयन किया जाएगा। राजकीय डिग्री महाविद्यालय कोंच में प्रथम सूची में केवल 05 छात्रों ने आवेदन किया था। हालांकि वहां अब तक कितने छात्रों का नामांकन हुआ है, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं मिल सकी। कालेज के सहायक प्रधानाध्यापक डा. सुनील कुमार से संपर्क नहीं हो सका। कई महाविद्यालयों के सहायक प्रधानाध्यापकों का कहना है कि कहीं नामांकन प्रक्रिया अधूरी है तो कहीं भवन और अन्य आधारभूत सुविधाएं पूरी तरह तैयार नहीं हैं। ऐसे में 1 जुलाई से पढ़ाई शुरू कराना संभव नहीं है। 10 जुलाई से कक्षाएं शुरू होने की संभावना है। शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन ऑनलाइन माध्यम से बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा किए जाने की भी संभावना बताई जा रही है।

वहीं, मगध विश्वविद्यालय के सभी अंगीभूत महाविद्यालयों में 1 जुलाई से स्नातक की नियमित कक्षाएं शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। गया कालेज में अब तक करीब 1500 छात्रों का नामांकन हो चुका है। प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्रा ने बताया कि जिन छात्रों का नामांकन हो चुका है, उनकी कक्षाएं 1 जुलाई से नियमित रूप से संचालित की जाएंगी। जीबीएम कॉलेज में भी लगभग 200 छात्रों का नामांकन हो चुका है। प्राचार्य सीमा पटेल ने कहा कि छात्र उपस्थित होते हैं तो 1 जुलाई से कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय का पोर्टल देर से खुलने के कारण नामांकन प्रभावित हुआ है, इसलिए एमयू प्रशासन से नामांकन की तिथि बढ़ाने की मांग की गई है। ए.एम. कालेज के प्राचार्य प्रो. नजीर अख्तर ने बताया कि जिन छात्रों का नामांकन पूरा हो चुका है, उनकी नियमित कक्षाएं 1 जुलाई से संचालित होंगी। शाक्यमुनि कालेज, बोधगया में लगभग 240 छात्रों का नामांकन हुआ है। जगजीवन कालेज के प्राचार्य कार्यक्रम में व्यस्त रहने के कारण नामांकन के अद्यतन आंकड़े उपलब्ध नहीं करा सके। गया के नवस्थापित सरकारी डिग्री कालेजों में अधूरी तैयारी और बेहद कम नामांकन के कारण नए सत्र की शुरुआत फिलहाल टल गई है, जबकि मगध विश्वविद्यालय के अंगीभूत कालेज तय समय पर शैक्षणिक सत्र शुरू करने के लिए तैयार हैं।

ममता का आँचल: वो रेडियो कार्यक्रम जो बिहार की हर महिला तक पहुँच रहा है

बिहार में 13 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। देश में सबसे अधिक मातृ मृत्यु दर वाले राज्यों में बिहार का नाम आता है। बांझपन और प्रजनन समस्याओं पर यहाँ खुलकर बात नहीं होती — ये विषय शर्म, अंधविश्वास और चुप्पी में लिपटे रहते हैं। लाखों महिलाओं के लिए किसी विशेषज्ञ डॉक्टर तक पहुँचना केवल भौगोलिक दूरी की समस्या नहीं है—यह सांस्कृतिक, भाषाई और आर्थिक दूरी भी है। डॉ. श्रद्धा चखैयार ने इस दूरी को पाटने का फैसला किया—हर हफ्ते एक प्रसारण के साथ।

पिछले दो से अधिक वर्षों से डॉ. श्रद्धा, MRCOG (लंदन)-श्रद्धा IVF एण्ड मैटरनिटी की संस्थापक और निरंजन आरोग्य निकेतन एण्ड रिसर्च सेंटर (NANRC), पटना की IVF प्रमुख-आकाशवाणी पटना पर प्रसारित साप्ताहिक हिंदी कार्यक्रम 'ममता का आँचल' की आवाज़ हैं।

100 से अधिक एपिसोड पार कर चुका यह कार्यक्रम महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य के हर पहलू को सरल, बोलचाल की हिंदी में कवर करता है – ताकि एक अनपढ़ गाँव की महिला भी उतनी ही आसानी से समझ सके जितनी एक पढ़ी-लिखी शहरी महिला।

यह कार्यक्रम आकाशवाणी बिहार के नेटवर्क के ज़रिए पूरे बिहार के श्रोताओं तक पहुँचता है।

'ममता का आँचल' में क्या होता है?

हर साप्ताहिक एपिसोड एक सुलभ, मिथक-तोड़ने वाली और चिकित्सकीय रूप से सटीक बातचीत के रूप में तैयार होता है। 100 से अधिक एपिसोड्स में वे विषय उठाए गए हैं जो बिहार के सामाजिक ताने-बाने में शायद ही खुलकर बोले जाते हैं:

गर्भधारण का विज्ञान और देर क्यों होती है — दोष और अंधविश्वास की जगह जीव-विज्ञान को रखना। IVF की सच्चाई — उस उपचार को सामान्य बनाना जिसे लाखों दंपति चमत्कार मानते हैं मगर डरते हैं, समझते नहीं, या सोचते हैं कि यह सिर्फ अमीरों के लिए है। गर्भावस्था में पोषण और खतरे के संकेत — महिलाओं को सशक्त बनाना कि वे जटिलताओं को जल्दी पहचान सकें। PCOD, थायरॉयड और अन्य छिपी हुई बीमारियाँ जो प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं — जो सालों तक बिना पहचाने रह जाती हैं। बांझपन का भावनात्मक बोझ — दुख, पारिवारिक दबाव, सामाजिक कलंक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर-एक भरोसेमंद बड़े की तरह, डॉक्टरी परामर्श की तरह नहीं।

100 से अधिक एपिसोड में एक बार भी इस कार्यक्रम का उपयोग डॉ. श्रद्धा के क्लिनिक का प्रचार करने, फार्मेसी बेचने या किसी पेड सेवा की ओर श्रोताओं को निर्देशित करने के लिए नहीं हुआ। प्रसारण में श्रद्धा IVF का कोई विज्ञापन नहीं है। कोई 'Call to Action' नहीं है। केवल जानकारी है - स्वतंत्र रूप से, लगातार, और MRCOG - प्रशिक्षित विशेषज्ञ के अधिकार के साथ दी जाती है।

रेडियो क्यों? और अभी क्यों?

आज जब स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी लगभग पूरी तरह YouTube Shorts और Instagram Reels पर चली गई है, रेडियो चुनना एक सोचा-समझा और उद्देश्यपूर्ण निर्णय है। 'डिजिटल प्लेटफॉर्म उन लोगों तक पहुँचते हैं जो पहले से खोज रहे हैं,' डॉ. श्रद्धा कहती हैं। 'रेडियो उन लोगों तक पहुँचता है जिन्हें पता भी नहीं था कि उन्हें सुनना चाहिए। गया, मुजफ्फरपुर या अररिया की वो महिला जिसे तीन साल से बताया जा रहा है कि उसके 'भाग्य में संतान नहीं' — वो IVF Google नहीं करती। लेकिन खाना बनाते वक्त आकाशवाणी जरूर सुनती है। वही मेरी श्रोता है। इसीलिए मेरी बात है।'

डॉ. श्रद्धा चखैयार
ऑब्सटेट्रिक्स और गायनेकोलॉजिस्ट
MRCOG (लंदन) (इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट)

विविध भारती
फ्रम: 102.5 FM शाम 09.00 से 09.15
आकाशवाणी
पटना और दरभंगा: शाम 06.45 से 07.00
पूर्णिया और सासाराम: शाम 07.00 से 07.15

डॉ. श्रद्धा चखैयार, MRCOG (लंदन), प्रसूति, स्त्री रोग और प्रजनन चिकित्सा की विशेषज्ञ हैं। वे श्रद्धा IVF एण्ड मैटरनिटी की संस्थापक और नैदानिक प्रमुख हैं जो निरंजन आरोग्य निकेतन एण्ड रिसर्च सेंटर (NANRC) की समर्पित IVF इकाई है। NANRC NABH Pre-Accreditation Entry Level प्रमाणित बहु-विशिष्टता शल्य चिकित्सा केंद्र है। श्रद्धा IVF में IVF, ICSI, ओवम डोनेशन और डोनर एग प्रोग्राम सहित सहायक प्रजनन उपचार की पूरी श्रृंखला उपलब्ध है। 'ममता का आँचल' प्रत्येक सप्ताह आकाशवाणी बिहार पर प्रसारित होता है।

SHRADHA IVF & MATERNITY
(Unit of Niranjan Arogya Niketan & Research Centre)
Behind Devasun Apartment, Bhikna Pahari, Patna - 800004 | Mob: 9534219789

एडवर्टोरियल

Jagran दैनिक जागरण
TRIPLE धमाका ऑफर SUPER-15 ड्रा-5
• सुपर 15 के सांत्वना पुरस्कार के विजेताओं को बधाई!

क्र. सं.	विजेता का नाम	पता	जिला	मो. न.
1	ऋषिकेश कुमार वर्मा	हिलसा	बिहारशरीफ	xxxxxxx101
2	पुनम कुमारी	अधिवक्ता नगर	गोपालगंज	xxxxxxx805
3	गोपाल प्रसाद	साधु चौक	गोपालगंज	xxxxxxx394
4	राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव	ओलीपुर	गोपालगंज	xxxxxxx370
5	अर्पिता कुमारी	थाना रोड	गोपालगंज	xxxxxxx849
6	विष्णु देव साह	बी.एम.पी रोड	पटना	xxxxxxx641
7	शैलेन्द्र कुमार सिंह	बुद्धा कॉलोनी	पटना	xxxxxxx183
8	मलिक आजाद	सुल्तानगंज	पटना	xxxxxxx574
9	संजय कुमार	बेउर	पटना	xxxxxxx570
10	चाँदनी कुमारी	फुलवारी	पटना	xxxxxxx456
11	अतुल कुमार	दीघा	पटना	xxxxxxx329
12	सौरव पटेल	दानापुर	पटना	xxxxxxx003
13	कंचन कुमारी	पुनाईचक	पटना	xxxxxxx088
14	गुड्डू दास	शेरमपुर	पटना	xxxxxxx961
15	सौरव कुमार	विक्रम	पटना	xxxxxxx762
16	रोहन कुमार चौधरी	मेडिकल कॉलोनी	पटना	xxxxxxx592
17	जया कुमारी	नेओरा	पटना	xxxxxxx345
18	रवीन्द्र सिंह	आदमपुर	पटना	xxxxxxx572
19	रमन कुमार	खगौल	पटना	xxxxxxx267
20	राज कुमार राय	एम्स के पास	पटना	xxxxxxx193
21	रमेश गुप्ता	फुनपुन	पटना	xxxxxxx848
22	अजितेश कुमार	नौबतपुर	पटना	xxxxxxx999
23	अरविन्द कुमार	मसौढ़ी	पटना	xxxxxxx314
24	कुमारी अरुणि	सेन दुल्हिन बाजार	पटना	xxxxxxx594
25	कलामुद्दीन	दुल्हिन बाजार	पटना	xxxxxxx305
26	वैभव कुमार	नौबतपुर	पटना	xxxxxxx175
27	नूरजहाँ खातून	फुलवारी	पटना	xxxxxxx621
28	रोहित कुमार	सम्पतचक	पटना	xxxxxxx812
29	अशमन कर्ण	राजा बाजार	पटना	xxxxxxx296
30	संजय कुमार गुप्ता	जय प्रकाश नगर	पटना	xxxxxxx126
31	अनिल कुमार पाल	नेहरू नगर	पटना	xxxxxxx096
32	राधामणि	रामनगरी	पटना	xxxxxxx660
33	अभिषेक कुमार	मोकामा	पटना	xxxxxxx629
34	महुआ रूद्र	एसबीआई कॉलोनी	पटना	xxxxxxx294
35	सोनू कुमार	हनुमान नगर	पटना	xxxxxxx219
36	मनोज मोहन	बांकीपुर	पटना	xxxxxxx796
37	संजय कुमार	बाबू टोला	पटना	xxxxxxx941
38	विपिन बिहारी गुप्ता	पटना सिटी	पटना	xxxxxxx347
39	सुजीत कुमार	कदमकुआं	पटना	xxxxxxx143
40	डॉ.अनुज कुमार	महेंद्रू	पटना	xxxxxxx092
41	अरुण कुमार	कंकड़बाग	पटना	xxxxxxx890
42	आरती कुमारी	नाला रोड	पटना	xxxxxxx888
43	संजय कुमार	लंगर टोली	पटना	xxxxxxx711
44	एमडी.अब्दुल्ला	आलमगंज	पटना	xxxxxxx150
45	जगदीश चंद्र	पटेल नगर	पटना	xxxxxxx668
46	सचित प्रसाद	महेश नगर	पटना	xxxxxxx213
47	बबलू कुमार	गुलजारबाग	पटना	xxxxxxx083
48	राजेश कुमार	लालजी टोला	पटना	xxxxxxx308
49	उर्मिला देवी	बख्तियारपुर	पटना	xxxxxxx329
50	बीना अग्रवाल	नंदनपुरी	पटना	xxxxxxx624
51	प्रियांशु कुमार	बेउर	पटना	xxxxxxx448
52	अजय कुमार सोनी	नया बाजार	सीवान	xxxxxxx411
53	सत्यम कुमार	नई बस्ती	सीवान	xxxxxxx400
54	उर्मिला देवी	सरसर	सीवान	xxxxxxx646
55	आयुष कुमार	हसनपुरा	सीवान	xxxxxxx593

◆ जागरण ट्रिपल धमाका के सुपर 15 ड्रा - 5 के तहत उपहारों का वितरण 29 जून से 03 जुलाई तक (सुबह 11 बजे से सांय 4 बजे तक) किया जायेगा। ◆ बाइक और एसी के विजेता अपना उपहार दैनिक जागरण कार्यालय, सी-5, सी-6 एवं सी 15, इंडस्ट्रियल एरिया, पाटलिपुत्रा, पटना - 800013 से प्राप्त कर सकते हैं। ◆ बाकी सभी उपहारों के विजेता अपना उपहार अपने जिले के दैनिक जागरण कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। ◆ उपहार प्राप्त करने के लिए विजेताओं को उनके द्वारा भरे गए कूपन प्रपत्र में दिए गए नाम एवं पते का प्रमाण (भारत सरकार द्वारा मान्य आई.डी. की मूल प्रति जैसे आधार कार्ड / वोटर ID / पासपोर्ट इत्यादि) प्रस्तुत करना होगा। ◆ साथ ही उसकी छायाप्रति भी जमा करनी होगी। ◆ टीडीएस, इन्श्योरेन्स / रोड टैक्स आदि के मद में आने वाले उपहार प्राप्त करने के लिए सभी टैक्स की राशि विजेता द्वारा ही देय होगी। ◆ किसी भी कारणवश यदि आपकी ड्रा 5 की पर्ची लकी ड्रा में छूट गयी है तो उसे अगले ड्रा (ड्रा 6) में शामिल कर लिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें मोबाइल नंबर 8895327928

अन्य पुरस्कारों के विजेताओं की सूची के लिए पढ़ते रहिए- दैनिक जागरण

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! punjab national bank ...the name you can BANK upon !

शाखा कार्यालय: सीओ सैम सर्किल आफिस, गया (आर जे पैलेस, राय काशी नाथ मोड़, गया) ईमेल: cogayasamd@pnb.co.in

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रवर्तन के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के आलोक में पठित

एतद्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से ऋणी (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी रखी गई है, जिसका रचनात्मक /भौतिक /प्रतीकात्मक कब्जा पीएनबी द्वारा ले लिया गया है। बैंक के प्राधिकृत अधिकारी /सिक्योर्ड क्रेडिटर को उसकी बकाया राशि की वसूली के लिए नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित तिथि को "जहाँ है जैसा है, जैसा है जो है और जो कुछ भी है" पर बेचा जाएगा। संबंधित उधारकर्ता (ओं) और गारंटर (ों) से बैंक / सुरक्षित लेनदार के कारण। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि जमा नीचे दी गई तालिका में संबंधित संपत्तियों के अनुसार होगी।

सुरक्षित संपत्ति की अनुसूची

लॉट नम्बर	क. शाखा का नाम / ख. खाते का नाम / ग. उधारकर्ता/गारंटर के खाते का नाम एवं पता	बंधक रखी गई अचल संपत्तियों (भूमि और भवन) का विवरण, बंधककर्ता/संपत्ति के मालिक के नाम सहित	क. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के तहत डिमांड नोटिस की तारीख / ख. बकाया राशि / ग. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा-13 (4) के तहत कब्जे की तारीख / घ. कब्जे की प्रकृति प्रतीकात्मक/भौतिक	क.आरक्षित मूल्य (लाख में) / ख.ईएमडी / ग.बोली वृद्धि राशि	ई नीलामी का दिनांक/ समय	सुरक्षित लेनदारों को ज्ञात ऋणभारों का विवरण
1.	क. शाखा: टनकुप्पा, गया ख. श्री उमेन्द्र कुमार पिता श्री देवलाल महतो ग. श्री उमेन्द्र कुमार, पिता श्री देवलाल महतो, श्री देवलाल महतो पिता-स्वर्गीय छट्टू महतो पता- ग्राम- आरोपुर, पोस्ट - टनकुप्पा, फतेहपुर, जिला- गया - 824232	पंजीकृत विक्रय विलेख सं. 2633, दिनांक 05.02.2016, खाता नं. 84, प्लॉट नं. 964, थाना नं. 509, क्षेत्रफल- 1.812 डिसमिल के अंतर्गत आने वाली संपत्ति श्री देवलाल प्रसाद, पिता- स्वर्गीय छट्टू महतो के नाम पर ग्राम- आरोपुर, थाना- बजीरगंज, पोस्ट- टनकुप्पा, जिला- गया में स्थित है। चौहद्दी - उत्तर- सुंदरी देवी, दक्षिण- जाहू चौधरी एवं कमन कुंवर, पूर्व- सुखदेव यादव, पश्चिम- रामस्वरूप यादव।	क. 06.02.2024 ख. बकाया राशि : रु. 9,91,218.86 (रुपये नौ लाख इक्यानवे हजार दो सौ अठारह एवं छियासी पैसे मात्र) दिनांक 31.01.2024 तक साथ ही दिनांक 01.02.2024 से अतिरिक्त ब्याज एवं पूर्ण भुगतान होने तक अन्य व्यय। ग. 10.05.2024 घ. प्रतिकात्मक कब्जा	क.रु. 8,60,000/- ख.रु.86,000/- ग.रु.10,000/-	दिनांक 17.07.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	शून्य
2.	क. शाखा: ए.पी. कॉलोनी, गया ख. श्री सुमित गुप्ता पिता श्री कृष्णा मुरारी प्रसाद ग. श्री सुमित गुप्ता पिता श्री कृष्णा मुरारी प्रसाद, श्री सुधीर कुमार, पिता- श्री कन्हैया प्रसाद गुप्ता। पता- ग्राम- करेम (निकट-होली पब्लिक स्कूल), थाना- मोफसिल, जिला- गया 823001 एवं ग्राम- रामनपुर, एच कॉलोनी, नदवी, कोतवाली, जिला- गया-823001 पता- नई गोदाम, पक्की सैन, निकट- उमा प्रेस, सीनु गली, थाना-कोतवाली जिला- गया- 823001	विक्रय विलेख सं. 7013, दिनांक 26.04.2017, खाता नं. 40 (पुराना), 07 (नया), थाना नं. 268, प्लॉट नं 519 (पुराना), 875 (नया), क्षेत्रफल- 1000 वर्गफिट के अंतर्गत आने वाली संपत्ति श्री सुमित गुप्ता, पिता- श्री कृष्णा मुरारी प्रसाद के नाम पर मौजा- करेम, थाना- मोफसिल, जिला- गया में स्थित है। चौहद्दी - उत्तर- ब्लॉक नं. 9 साधना देवी आज खरीदार, दक्षिण- ब्लॉक नं. 7 नीरू सेखमणी, पूर्व- 10 फीट चौड़ा रास्ता, पश्चिम- ब्लॉक नं. 5 संगीता सिन्हा आज खरीदार।	क. 04.09.2021 ख. बकाया राशि : रु. 15,84,944.16 (रुपये पंद्रह लाख चौरासी हजार नौ सौ चौवालीस एवं सोलह पैसे मात्र) दिनांक 01.04.2021 से अतिरिक्त ब्याज एवं पूर्ण भुगतान होने तक अन्य व्यय। ग. 04.12.2021 घ. प्रतिकात्मक कब्जा	क.रु. 5,13,000/- ख. रु.51,300/- ग.रु.10,000/-	दिनांक 17.07.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	शून्य
3.	क. शाखा: राय काशीनाथ मोड़, गया ख. श्रीमति सुमन कुमारी, पति- श्री राजेश कुमार ग.श्रीमति सुमन कुमारी, पति- श्री राजेश कुमार सह-उधारकर्ता - श्री राजेश कुमार पिता- श्री देवी सरन पता- सहोदा, मौलनगर, अतरी, जिला- गया, पिन-823311	श्रीमति सुमन कुमारी, पति- श्री राजेश कुमार के नाम पर संपत्ति, पता- सहोदा मौलानगर अतरी, जिला- गया और बंधक आईपी अमावां, थाना- वो धगया, जिला- गया, खाता संख्या- 140 (नया), प्लाट संख्या- 402 (नया), ब्लॉक संख्या- 04, थाना संख्या- 355, क्षेत्रफल- 680 वर्ग फिट या 1.56 डिसमिल, बिक्री विलेख संख्या-3917, दिनांक 18.03.2015 के अनुसार स्थित है। चौहद्दी - पूर्व- राजकुमार सिंह, पश्चिम- प्रस्तावित रास्ता 14 फिट, उत्तर- आज खरीदार किरण देवी, दक्षिण- निज विक्रेता।	क. 27.03.2023 ख. बकाया राशि : रु. 9,95,478.26 (रुपये नौ लाख पंचानवे हजार चार सौ अठहत्तर एवं छब्बीस पैसे मात्र) दिनांक 27.03.2023 तक साथ ही दिनांक 28.03.2023 से अतिरिक्त ब्याज एवं पूर्ण भुगतान होने तक अन्य व्यय। ग. 25.07.2023 घ. प्रतिकात्मक कब्जा	क.रु. 7,30,000/- ख.रु. 73,000/- ग.रु.10,000/-	दिनांक 17.07.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	शून्य
4.	क. शाखा: कोंची, गया ख. मेसर्स जनता बीज भण्डार प्रोपराईटर- श्री शंकर यादव, पिता- स्व0 कौलेश्वर यादव ग. मेसर्स जनता बीज भण्डार प्रोपराईटर- श्री शंकर यादव, पिता- स्व0 कौलेश्वर यादव, पता- ग्राम- फतेहपुर, पोस्ट- पिढासिन, थाना- कोंची, जिला-गया-824201, पता- ग्राम- चोनमाथां, अंचल/थाना-कोंची पिन-824201, जिला- गया। श्री शंकर यादव, पिता- स्व0 कौलेश्वर यादव, पता- ग्राम- फतेहपुर, पोस्ट- पिढासिन, थाना- कोंची, जिला-गया-824201, पता- ग्राम-चोनमाथां, अंचल/थाना-कोंची पिन-824201, जिला- गया। पता- ग्राम- चोनमाथां, अंचल/थाना-कोंची पिन-824201, जिला- गया। पता- ग्राम- फतेहपुर, पोस्ट- पिढासिन, थाना-कोंची, पिन-824201, जिला- गया।	पंजीकृत सेल डिड नं. 7501 दिनांक 28.12.2020, प्लॉट नं. 990 (नया), खाता नं. 55, रकबा- 10 डिसमिल, थाना नं. 804, ग्राम- मौजा- मरमपुर, थाना- कोंची, जिला- गया मे श्री शंकर यादव, पिता- स्व0 कौलेश्वर यादव के नाम पर स्थित है। चौहद्दी - उत्तर- रास्ता, दक्षिण- पुनीत यादव, पूर्व- गांव का रोड, पश्चिम- कुलीन यादव।	क. 29.01.2025 ख. बकाया राशि : रू. 20,54,756.31 (रुपये बीस लाख चौवन हजार सात सौ छप्पन एवं एकतीस पैसे मात्र) दिनांक 31.12.2024 तक साथ ही दिनांक 01.01.2025 से अतिरिक्त ब्याज एवं अन्य खर्च पूर्ण भुगतान होने तक। ग. 28.04.2025 घ. प्रतिकात्मक कब्जा	क.रु. 20,45,700/- ख.रु. 2,04,570/- ग.रु.10,000/-	दिनांक 17.07.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	शून्य

निबंधन एवं शर्तें:
बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में वर्णित नियमों एवं निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:
1. संपत्तियों को 'जैसा है जहां है के आधार पर' और 'जैसा है जो है के आधार पर' और 'जो कुछ भी है' के आधार पर बेचा जा रहा है।
2. ऊपर दी गई अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा।
3. बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेबसाइट https://baanknet.com पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से 17.07.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक की जाएगी।
बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए कृपया https://baanknet.com और www.pnbindia.in देखें।

दिनांक- 01.07.2026
स्थान- गया

विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ्य मान्य होगा
सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के तहत वैधानिक बिक्री सूचना

श्री विद्यानन्द मिश्रा
प्राधिकृत अधिकारी
पंजाब नेशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार
मो.- 9051440655

सीयूएसबी के प्रो. सुरेश चन्द्र के साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

संवाद सहयोगी, जागरण• टिकारी: सीयूएसबी के भारतीय भाषा विभाग के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सुरेश चन्द्र के दलित साहित्य में योगदान पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन बोधगया स्थित अंतर्राष्ट्रीय साधना केन्द्र में किया गया। डा. अम्बेडकर की विचारधारा और सुरेश चन्द्र का साहित्य विषयक इस संगोष्ठी का आयोजन मुन्द्रिका सिंह यादव महाविद्यालय, अरवल, डा. बी.आर. अम्बेडकर जन्मशताब्दी महाविद्यालय, अलीगढ़ तथा अधिकरण प्रकाशन, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन पूज्य भन्ते शासन पाल ने बुद्ध-वंदना के साथ किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कि प्रो. सुरेश चन्द्र ने दलित शब्द और दलित विमर्श के इतिहास लेखन में महत्वपूर्ण कार्य किया है।

न्यायालय,
श्रीमान सिविल जज, जूनियर डिविजन 2, गयाजी।
हकियत वाद सं. 519 / 2025
कृष्णदेव प्रसाद वगैरह..........वादीगण
बनाम
प्रसिद्ध यादव वगैरह........प्रतिवादीगण
नोटिस बनाम प्रतिवादीगण
1. प्रसिद्ध यादव उर्फ प्रसिद्ध नारायण यादव, 2 राज नन्दन यादव, 3 नृप नन्दन यादव, तीनों पुत्र स्व. गिरधारी यादव, निवासी / पता ग्राम-सोनासा, अंचल-थाना खिजरसराय, पोस्ट-महुआ, जिला गयाजी, वादी कृष्णदेव प्रसाद वगैरह ने आपलोगों के विरुद्ध सिविल जज जूनियर डिवीजन-2 के न्यायालय में मुकदमा लाया है। जिसमें आपलोगों को नजारत एवं डाक के माध्यम से नोटिस दिया जा चुका है। नोटिस से अवगत होकर भी आपलोग न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे हैं।
अतः इस प्रकाशन के माध्यम से आपलोगों को आगाह किया जाता है कि दिनांक 14.7.26 को 10.30 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा बाध्य होकर एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।
सिविल जज, जूनियर डिविजन-2 गयाजी।

न्यायालय,
श्रीमान सिविल न्यायाधीश प्रथम वरिष्ठ श्रेणी, गया।
हकियत वाद सं.-404 / 2025
अशोक कुमार..............................वादी
बनाम
राहुल कुमार..............................प्रतिवादी
सूचना : इश्तहारी नोटिस आप राहुल कुमार, माता श्रीमती कुन्ती कुमारी देवी पति मीना यादव, निवासी मोहल्ला-गोकुलपुर, पोस्ट-बीद मीना, थाना-विष्णुपद, जिला गया, को सूचित किया जा रहा है कि आपके विरुद्ध मेरे न्यायालय में वादी ने यह हकियत वाद लाया है। पूर्व में भी मेरे न्यायालय से आपके विरुद्ध सम्मन की कार्यवाई की गई है, परन्तु आप को मुकदमा की जानकारी होने के बावजूद न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे हैं, जिस कारण मुकदमा की कार्यवाई बाधित हो रही है।
अतः इस प्रकाशन के माध्यम से पुनः आपको सूचित किया जा रहा है कि आप दिनांक 21.07.2026 को अपराह्न 10.30 बजे मेरे न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें, अन्यथा आपके विरुद्ध मुकदमा में एकपक्षीय सुनवाई कर दी जाएगी। इस बात की ताकीद जानें। मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर से जारी।
सिविल न्यायाधीश प्रथम वरिष्ठ श्रेणी, गया।

Kia Seltos

The all-new Seltos is seamlessly connected with Kia Connect 2.0#, offering 85+ connected car features including navigation and voice recognition to keep you in control, whether you're on the move or off the grid. From real-time updates and remote access to essential vehicle information, every drive stays smarter. And with Over-the-Air Software Updates, the all-new Seltos continues to evolve, getting smarter, and sharper over time.

Commanding Presence Advanced, with attitude

Head-up Display - Windshield Projection

Digital Key

31.24 cm (12.3") HD Touchscreen Navigation Cockpit

Smart Dashcam with Front & Rear Camera (With Mobile App)

Smart Air Purifier with AQI Display

All Door Windows One Touch Auto Up/ Down with Safety

Robust 24 Hi-Safety Package
STANDARD ACROSS ALL VARIANTS

Front Dual Airbags | Front Seat Side Airbags | Side Curtain Airbags | Highline Tyre Pressure Monitor | ABS (Anti-lock Brake System) | BAS (Brake Assist System) | ESC (Electronic Stability Control) | VSM (Vehicle Stability Management) | HAC (Hill-start Assist Control) | ESS (Emergency Stop Signal) | Child Lock | All Wheel Disc Brakes | Rear Parking Sensors (x4) | Speed Sensing Auto Door Lock | Impact Sensing Auto Door Unlock | Front & Rear All-Seat 3-Point Seat Belts with Reminder | ISOFIX (Rear Anchors) | Front Passenger Airbag On/ Off Switch | Front Passenger Airbag On/ Off Indicator | Rear Occupant Alert | DBC (Downhill Brake Control) | Rollover Sensor | Auto Light Control & Headlamp Escort Function | Rear View Camera with Dynamic Guidelines

Kia Service
Connected • Adaptive • Responsive • Engage

3 Years Unlimited km Warranty | Extended Warranty* Up to 7 Years | My Convenience Plus* Best-in-class Cost of Ownership | IoT Based Smart Services* | 24x7 | 3 Years Nationwide RSA*

Upgrade to the all-new Seltos with exclusive loyalty privileges for Kia owners.

Book now Call 1800 108 5000 | 093195 91407 | Visit www.kia.com | Kia Seltos | Look for "Kia India"

Scan the QR code to locate your nearest dealership.

*Terms & Conditions Apply. Ex-showroom price all India. The product & feature images shown in this ad is for representation purpose only. Features and specifications as shown may not be part of standard fitment and may vary. The colors shown are subject to availability and may not be available across all variants and may differ slightly from those shown in this ad. The specifications and features may vary depending on models/ variants. Segment is defined as Mid SUV whose length lies between 4 220 - 4 460 mm and width between 1 760 - 1 830 mm. #Kia Connect 2.0 comes with 3 years free subscription. Kia Connect 2.0 functionality is dependent on mobile network strength. The driver shall remain responsible for safe, vigilant, and attentive driving. Kia India Pvt. Ltd. (Formerly known as Kia Motors India Private Limited) reserves the right to make any changes with respect to the trims, colors, specifications, Kia Connect 2.0 features and other details of any model as mentioned in this ad to discontinue any model without prior notice. For more details visit your local Kia dealership. Kia India Pvt. Ltd. urges you to follow traffic rules, these are meant to keep you safe on roads. We do not endorse vandalism or illegal activities related to road safety. Safety is a top priority, and we urge responsible behavior regarding traffic regulations and road safety.

INNOCEAN-020/26

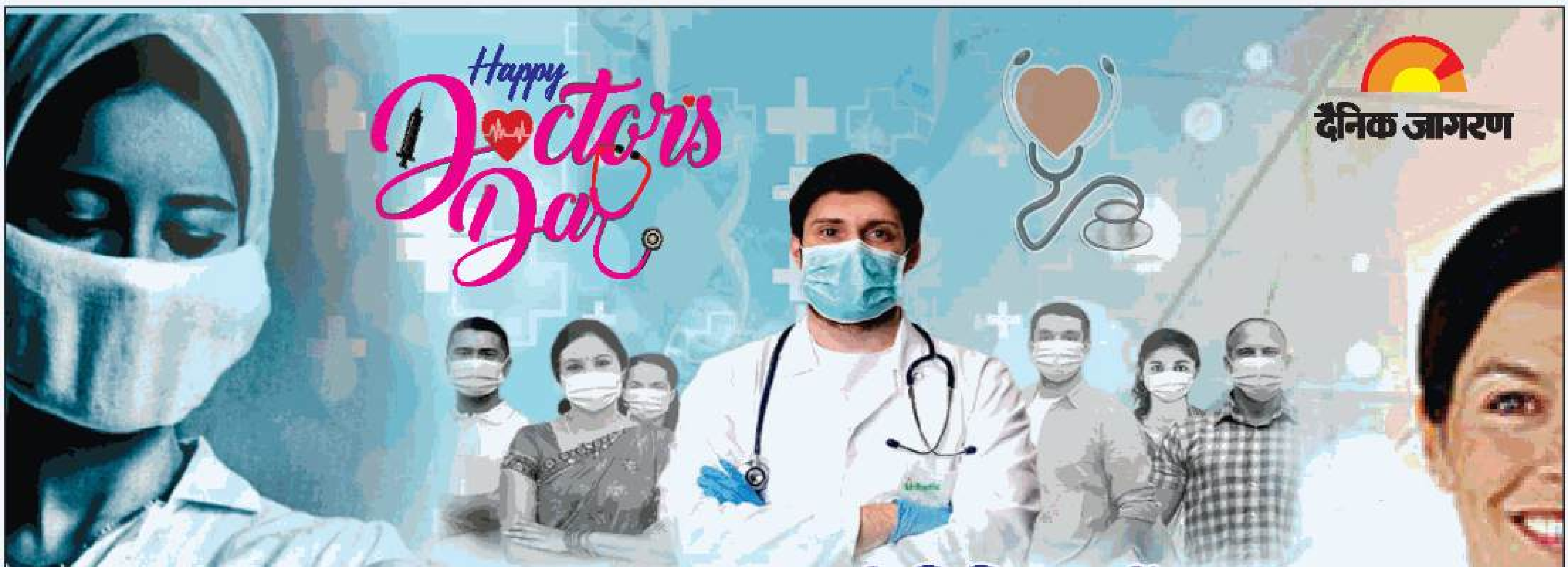

आभार! आप सभी चिकित्सकों का

हमारे समाज में डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया गया है, क्योंकि वही एक ऐसा शख्स हैं, जो किसी को मौत के मुंह में जाने से बचा सकते हैं। तिल–तिल मरते किसी इंसान को जिंदगी दे सकते हैं और खोई हुई उम्मीदों को जीता–जागता उत्साह दे सकते हैं। जाहिर सी बात है कि धरती पर एक डॉक्टर ही साक्षात ईश्वर का काम करते हैं और इसके लिए उनके प्रति जितना भी कृतज्ञ हुआ जाए कम ही होगा।

शुक्रिया डॉक्टर्स आप हैं तो भरोसा है...

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की सभी डॉक्टरों को हार्दिक शुभकामनाएं
करुणा के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध
डॉ. जगदीश प्रसाद मेमोरियल हॉस्पिटल
जगदीश भवन, जगदीश बाबू मार्ग (अस्पताल रोड), रानीगंज (इमामगंज), गया, बिहार
हम चिकित्सक, किफायती उपचार और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराते हैं। आधुनिक सुविधाओं एवं अनुभवी चिकित्सकों की टीम के साथ हम प्रत्येक मरीज को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशील चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए सदैव समर्पित हैं।
हमारी प्रमुख सेवाएँ
* जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी * जनरल मेडिसिन
* स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ सेवाएँ * सामान्य प्रसव एवं सिजेरियन (सी-सेक्शन)
* 24×7 आपातकालीन एवं ट्रॉमा सेवाएँ * आधुनिक पैथोलॉजी प्रयोगशाला एवं फार्मेसी
हमारे विशेषज्ञ चिकित्सक
डॉ. वैभव वर्मा
एम.बी.बी.एस., एम.एस./डी.एन.बी. (जनरल सर्जरी) एफ.एम.ए.एस. | डी.एम.ए.एस. (नई दिल्ली) | एफ.जी.आई.ई. (गुरुग्राम)
डॉ. ए. के. वर्मा
वरिष्ठ फिजीशियन
एम.बी.बी.एस. (रिम्स) | एफ.सी.जी.पी.

PARMAR NEURO SPINE & DENTAL CLINIC
Dr Kanishk Parmar and Dr Sunita Singh
Hospital for Brain & Spine Surgery
यहाँ पर मस्तिष्क (ब्रेन), रीढ़ तथा नस से संबंधित सभी रोगों का इलाज अत्याधुनिक तरीके से होता है।
• 24 घंटे न्यूरोसर्जन की उपलब्धता
• इमरजेंसी एवं रूटीन ऑपरेशन की सुविधा
• साधन संपन्न आई०सी०यू० साथ में वेन्टीलेटर की सुविधा
• आधुनिक ऑपरेशन कक्ष- माइक्रोस्कोप एवं सी-आर्म की सुविधा
• मस्तिष्क एवं स्पाईन के सभी रोगों के ऑपरेशन की सुविधा
• दूरबीन विधि द्वारा मस्तिष्क एवं रीढ़ के ऑपरेशन की सुविधा।
• हेड इंजरी • ब्रेन ट्यूमर • मेनिनजाइटिस
• जन्मजात मस्तिष्क एवं रीढ़ की बीमारी।
• EEG और NCV की सुविधा उपलब्ध है।

रामाकांति नर्सिंग ट्रेनिंग स्कूल
टेकारी, गया
प्रवेश योग्यता
10+2 (इंटरमीडिएट) उत्तीर्ण – Science / Arts / Commerce किसी भी स्ट्रीम से।
केवल महिला अभ्यर्थियों के लिए।
न्यूनतम 40% अंक अनिवार्य।
अगर आपका सपना है नर्स बनने का और देश की सेवा करना, तो आपका स्वागत है रामाकांति नर्सिंग ट्रेनिंग स्कूल, टेकारी, गया में।
हमारा संस्थान भारतीय नर्सिंग परिषद (INC) के मानकों के अनुसार मान्यता प्राप्त ANM संस्थान है और गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।
हमारी प्रमुख विशेषताएँ–
नियमित एवं अनुशासित कक्षाएँ
आधुनिक लैब एवं उत्कृष्ट प्रैक्टिकल प्रशिक्षण
अनुभवी, योग्य एवं समर्पित शिक्षकों द्वारा अध्यापन
छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध
आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्राओं के लिए संस्थान द्वारा विशेष शुल्क रियायत
व्यक्तित्व विकास, नैतिक शिक्षा एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान
सुरक्षित एवं सकारात्मक शिक्षण वातावरण
छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध
सीमित सीटें प्रवेश प्रारंभ!
सैलरी (अनुमान)
• सरकारी जॉब: ₹40,000 – ₹50,000
• प्राइवेट जॉब: ₹18,000 – ₹25,000
Director Ramakanti Nursing Training School
रामाकांति नर्सिंग ट्रेनिंग स्कूल टेकारी, गया (बिहार)
ऑफिस नम्बर: 7970508351
समय: 10:00 से 5:00 बजे तक
9473306491, 7992246529
आइए, नर्स बनकर समाज और देश सेवा का संकल्प लें!

ABHINEET NURSING HOMES & LAPAROSCOPIC CENTRE PVT. LTD
A Centre for Laparoscopic, Laser & General Surgery, Gynae & Obs., Infertility and Endourology
SERVICES AVAILABLE
GENERAL SURGERY
LAP. GYNAE, SURGERY : TLH, LAVH, OVARIOTOMY, BTL
LAP SURGERY : LAP CHOLE, APPNEDECTOMY
ENDOUROLOGY : TURP, URS, PCNL
HYSTROSCOPIC SURGERY
COSMETIC & PLASTIC SURGERY
GYNAE & MATERNITY SERVICES
INFERTILITY & FAMILY PLANNINGS
SURGICAL ICU
OBESITY SURGERY
UPPER & LOWER GI ENDOSCOPY
MENS SEXUAL HEALTH
LASER TREATMENT (FOR PILES, FISSURES, FISTULA & PILONIDAL SINUS)
We pray for Better Health & Early Recovery
CONSULTANT GYNAECOLOGIST
Dr. (Mrs.) Amita Sinha
MBBS (Hons), MS (Gyn.) Allahabad, FCGP
CONSULTANT SURGEON
Dr. Ratan Kumar
MBBS (Hons), MS FAIS, FCGP, FMAS
Happy Doctor's Day
FACILITIES AVAILABLE
WELL EQUIPPED MODERN MODULAR OT
MODERN LABOUR ROOM
CLEAN & AIRY WARDS
A/C & DELUXE ROOM
PATHOLOGY & MEDICAL SHOP
OPD Timing 10:00 A.M. to 02:00 P.M. & 04:00 PM to 06:00 PM EXCEPT SUNDAY
(रविवार को केवल आकस्मिक रोगियों को ही देखा जाएगा।
21A/42, West Church Road, Professor's Colony, Gaya - 823001,
Bihar (India) Mob.: 9693518422 | Email : abhineetnursinghomes@gmail.com

के. बी. मेमोरियल चिल्ड्रेन हॉस्पिटल
निकट पाराडाइज सिनेमा हॉल, गया
डा. नन्द किशोर गुप्ता
शिशु रोग विशेषज्ञ
Happy Doctor's Day
Well equipped nicu with Radiant Heat warmer, Photo Therapy, CPAP, Ventilator, Infusion Pump, Pulse Oxymeter, Oxygen Pipeline, Exchange Tranfusion उपलब्ध है। जेनरल बेड और A.C रूम उपलब्ध है।
Vaccination की सुविधा साथ में Outdoor की सुविधा।
मरीज देखने का समय सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक एवं रात 8 बजे से रात 9.30 बजे तक
Mob. : 8252393633, 9934650361, 0631-2224449

'डाक्टर्स' डे एक ऐसा अवसर है जिसमें रोगी को अपने चिकित्सकों के प्रति कृतज्ञता जताने का अवसर प्राप्त होता है। इस संसार में डाक्टर को दूसरा भगवान कहा जाता है। यह उपाधि उन्हें इसलिए दी गयी है, क्योंकि अगर भगवान के अलावा अगर कोई सही समय पर इलाज कर किसी की जान बचा सकता है तो वो है एक चिकित्सक, जो उस इंसान के लिए भगवान के समान है। इस भाग-दौड़ की जिन्दगी में बहुत कम लोगों को जानकारी है कि ये डाक्टर डे है क्या ? आईए, इस महत्वपूर्ण दिवस पर इसके महत्व को जाना जाए :-

1 जुलाई को पूरे भारतवर्ष में डाक्टर डे के नाम से मनाया जाता है। इस दिन प्रख्यात फिजिशियन डॉ0 बी.सी. राय का जन्म बिहार के पटना शहर में 1 जुलाई 1882 को हुआ था। डा बी.सी. राय ने अपनी पढ़ाई खत्म कर 1911 में फिजिशियन के रूप में अपने कैरियर की शुरूआत की। यूके के वार्थ लोम्यू अस्पताल से एक आर.सी.पी. की डिग्री प्राप्तकर वे भारत लौटे और अपना पूरा जीवन भारतीय समाज, विशेष कर दलितों के उत्थान में, लगा दिया। वे न केवल एक फिजिशियन बल्कि एक शिक्षाविद्, समाज सुधारक और एक स्वतंत्रता सेनानी भी थे, जो बाद में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने। डॉ बी.सी.राय की मृत्यु 1 जुलाई 1962 में हुई। इसलिए 1 जुलाई को डा. बी.सी. राय तथा समस्त चिकित्सा जगत के सम्मान में डाक्टर्स डे मनाया जाता है।

हम कैंसर जागरूकता, सी पी आर क्लास, ब्लड डोनेशन कैम्प, आर्गन डोनेशन जागरूकता, एंटी स्मोकिंग अभियान वरीय नागरिकों को चिकित्सा सहायता प्रदान कर डाक्टरों का सम्मान कर सकते हैं। इन कार्यक्रमों को करने से पहले यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि इस तरह का प्रोजेक्ट मेडिकल असोसिएट्स संगठन द्वारा आयोजित किया जाए ताकि लोग इससे पूरी तरह जानकारी प्राप्त कर इसका फायदा उठा सकें। बहुत कम लोगा जानते हैं कि दुनिया में पहली बार डाक्टर डे 30 मार्च 1933 को मनाया गया। 30 मार्च 1842 को डॉ क्राफोर्ड लौंग ने रोगी की गर्दन से ट्यूमर को हटाने के लिए इथर का प्रयोग किया था, इसी अवसर को याद करने के लिए ही डाक्टर्स डे मनाया गया।

आज का मौसम

राजधानी सहित प्रदेश के ज्यादातर भागों में बादल छाए रहने के साथ कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा की संभावना है। पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, कटिहार, पश्चिमी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी में भारी वर्षा को लेकर चेतावनी जारी की गई है। इन स्थानों पर हवा की गति 40-50 किमी प्रतिघंटा रहने की संभावना है। दो से तीन दिनों के दौरान तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट का पूर्वानुमान है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
गयाजी		
01 जुलाई	34	27
02 जुलाई	33	26
जहानाबाद		
01 जुलाई	31	27
02 जुलाई	30	28
पटना		
01 जुलाई	32	28
02 जुलाई	32	27

डिग्री सेल्सियस में

मरीजों को नया जीवन देने वाले चिकित्सक बने चहेते

सुभाष कुमार, जागरण • गयाजी : हर वर्ष 1 जुलाई को भारत में राष्ट्रीय डाक्टर्स डे मनाया जाता है। यह दिन मरीजों की सेवा में समर्पित चिकित्सकों के योगदान और त्याग को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह अवसर महान चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डा. विधान चंद्र राय की जयंती एवं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। वर्ष 1961 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया था, जबकि 1991 से भारत में राष्ट्रीय डाक्टर्स डे मनाने की शुरुआत हुई। आधुनिक तकनीक के दौर में भी चिकित्सकों की संवेदनशीलता, धैर्य और सेवा भावना मरीजों के लिए सबसे बड़ी उम्मीद बनी हुई है। प्रस्तुत है, अपने कार्य और समर्पण से समाज में मिसाल बने चिकित्सकों की राय।

मां व शिशु दोनों का स्वस्थ रखना बड़ी सफलता : डा. प्रियंका

शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल में स्पेशलिस्ट मेडिकल आफिसर के रूप में कार्यरत डा. प्रियंका भूषण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानती है। उन्होंने दरभंगा मेडिकल कालेज से एमबीबीएस तथा पटना मेडिकल कालेज से स्त्री एवं

प्रसूति रोग में विशेषज्ञता प्राप्त की। वर्ष 2020 से बिहार स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत डा. प्रियंका गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव, संतुलित पोषण और नवजात शिशु की देखभाल के प्रति लगातार जागरूक कर रही हैं। उनका मानना है कि समय पर जांच, सही परामर्श और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। उनकी नियमित काउंसलिंग से ग्रामीण क्षेत्र की अनेक महिलाओं को लाभ मिल रहा है।

निस्वार्थ सेवा ही चिकित्सा का वास्तविक धर्म : डा. एमई. हक

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी सह गैरसंचारी रोग पदाधिकारी डा. मोहम्मद एहतेशामुल हक 36 वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने पटना मेडिकल कालेज अस्पताल से एमबीबीएस तथा दरभंगा मेडिकल कालेज अस्पताल

से मेडिसिन में डिप्लोमा प्राप्त किया। सेवा काल में बाराचट्टी, डोभी और अविभाजित बिहार के गढ़वा सहित कई क्षेत्रों में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में कार्य किया। कोविड-19 महामारी के दौरान भी उन्होंने पूरी निष्ठा से मरीजों की सेवा की। उनका मानना है कि चिकित्सा केवल पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का माध्यम है। उनका कहना है कि चिकित्सक का पहला दायित्व मरीज का विश्वास जीतना और उसे बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है।

धरती के भगवान

सुरक्षित मातृत्व को बनाया मिशन : डा. सुषमा वर्मा

जिले की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. सुषमा वर्मा वर्तमान में प्रभावती अस्पताल की अधीक्षक है। वर्ष 1990 से स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी डा. वर्मा बिहार और झारखंड के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में अपनी सेवाएं दे चुकी है। वर्ष 2018 से प्रभावती अस्पताल में कार्यरत रहते हुए वे हर वर्ष 350 से अधिक सफल सिजेरियन आपरेशन कर रही है। उनका कहना है कि सुरक्षित मातृत्व केवल चिकित्सकीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व भी है। मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और गुणवत्तापूर्ण उपचार ही एक डाक्टर की सबसे बड़ी पहचान है।

डाक्टर ही नहीं, समाज सेवा के भी सशक्त प्रहरी : डा. रतन

एक चिकित्सक का दायित्व केवल आपरेशन थिएटर या अस्पताल तक सीमित नहीं होता, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना भी उसका कर्तव्य है। इसी सोच के साथ शहर के प्रोफेसर कालोनी निवासी वरिष्ठ सर्जन डा. रतन कुमार वर्षों से

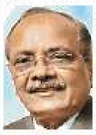

चिकित्सा सेवा के साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय है। उन्होंने अब तक एक हजार से अधिक जटिल सर्जरी कर मरीजों को नया जीवन दिया है। रोटरी क्लब आफ गया सिटी के माध्यम से डा. रतन कुमार नियमित रूप से ग्रामीण इलाकों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर गरीब एवं असहाय लोगों की जांच, परामर्श और उपचार करते है। गंभीर मरीजों को बेहतर अस्पतालों तक पहुंचाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करते हैं।

मन के जख्मों पर मरहम लगा रहीं : डा. दीपशिखा काव्या

मनोरोग विशेषज्ञ डा. दीपशिखा काव्या उन चिकित्सकों में शामिल है, जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को समाज के बीच चर्चा का विषय बनने के साथ हजारों मरीजों को नई उम्मीद दी है। शहर के कालीबाड़ी में वे अवसाद, चिंता, नशामुक्ति, ओसीडी, बच्चों और बुजुर्गों की

मानसिक समस्याओं सहित विभिन्न मनोरोगों का आधुनिक पद्धति से उपचार कर रही हैं। वे नियमित रूप से गया और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य एवं नशामुक्ति शिविर आयोजित कर लोगों को जागरूक करती हैं। उनके प्रयासों से अनेक मरीज नशे की लत और मानसिक तनाव से बाहर निकलकर सामान्य जीवन की ओर लौटे हैं। वे मरीजों की काउंसिलिंग के साथ उनके परिवार को भी मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती हैं।

शेरघाटी में खाते से उड़ाए 1.15 लाख रुपये

संसू, जागरण, शेरघाटी : गोला बाजार स्थित एक्सिस बैंक एटीएम से रुपये निकालते समय एक युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। एटीएम पर चिपकाए गए कथित कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क करने के बाद उसके खाते से 1.15 लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित नीतीश कुमार ने थाने में शिकायत की है। उसने बताया कि 28 जून की शाम 6:30 बजे गोला बाजार स्थित एटीएम में पैसे निकालने गए थे। इस दौरान उनका एटीएम कार्ड मशीन में फंस गया। एटीएम पर "कान्टैक्ट एटीएम ईंजीनियर" लिखकर एक नंबर 9572394449 चिपकाया गया था। उसी पर फोन कर मदद मांगी। इसी बीच उनके खाते से राशि की निकासी कर ली गई।

प्रणाम

बुधवार, आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा, वि.स. 2083

- शनिदेव मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा सह कलश यात्रा स्थान : टीकाबीघा बोधगया समय : सुबह 06 बजे
- मां काली मंदिर में रुद्र महायज्ञ स्थान : सूर्य पोखरा परिसर मानपुर समय : सुबह 07 बजे
- संडेश्वर मंदिर प्रबंधन कमेटी की बैठक स्थान : महादेव मठ परिसर संडेश्वर, फतेहपुर समय : 11 बजे
- यात्रियों के बीच जागरूकता अभियान स्थान : गया जंक्शन परिसर समय : 12 बजे
- जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन स्थान : उर्दू मध्य विद्यालय, वार्ड संख्या-19 समय : 02 बजे।

एक नजर में

ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार की रात विष्णुपद मंदिर में भगवान श्रीहरि विष्णु के विशेष श्रृंगार किया गया है। भगवान का श्रृंगार कई तरह के फूलों और आम और जामुन का फल से किया गया • सौ. समिति

प्रखंड में जमे कार्यपालक सहायक का होगा तबादला

गयाजी: प्रखंडों में सहकारिता विभाग में कार्यपालक सहायक पद पर पदाधिकारी लंबे समय से पदस्थापित है। जिला सहकारिता पदाधिकारी गंधारी पासवान ने बताया कि कुछ प्रखंडों के कार्यपालक सहायक की शिकायत मिली है, विभाग से मार्गदर्शन लेने के बाद ऐसे कार्यपालक सहायक जो लंबे समय से एक ही प्रखंड में कार्यरत है, उनका स्थानांतरण किया जा सकता है।

30 जुलाई तक जमा कर सकते हैं एसएफसी में चावल

गयाजी: धान खरीदने के बाद बिहार राज्य खाद्य आपूर्ति निगम के गोदाम में चावल जमा करने के लिए 30 जून निर्धारित था, इसे बढ़ा दिया गया है। जिला सहकारिता पदाधिकारी गंधारी पासवान ने बताया कि सहकारिता विभाग द्वारा 30 जून तक ही जिले के पैक्स और व्यापार मंडल को बिहार राज्य खाद्य आपूर्ति निगम के गोदाम में चावल जमा करना था।

आज से बागेश्वरी गुमटी पर बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित

आरओबी को लेकर आज से पीलर बनाने का कार्य होगा शुरू

लगा बैरियर

जागरण संवाददाता, गयाजी: गया-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर आरओबी निर्माण कार्य के लिए बिहार राज्य पुलिस निगम द्वारा कार्य आरंभ कर दिया गया है। बड़े वाहनों को रोकने के लिए स्टेशन-पात्तरगंज रोड पर कलाली मोड़ के पास लोहे का बैरियर लगाया गया है। यह बैरियर मंगलवार को स्थापित किया गया। निर्माण कार्य के मद्देनजर बड़े वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए हाईट गेज (मार्ग अवरोधक) भी स्थापित किया गया है, जिसकी ऊंचाई पौने तीन मीटर (करीब 9 फीट) रखी गई है। इसके लगते ही इस मार्ग से निर्धारित ऊंचाई से अधिक वाले भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित हो गया है। इससे आरओबी निर्माण कार्य के दौरान यातायात को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने में मदद मिलेगी।

बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के अनुसार मार्ग अवरोधक लगाने का आदेश प्राप्त होने के बाद यह कार्रवाई की गई है। अनुमंडल पदाधिकारी सदर अनिल कुमार रमण ने बताया कि बागेश्वरी-गोंधी मोड़ रोड के पास भी बैरियर लगाने के लिए स्थान का चयन कर लिया गया है। अगले एक-दो दिनों में वहां भी हाईट गेज स्थापित किया जाएगा, जिसके बाद उस दिशा से भी बड़े वाहनों की आवाजाही पर रोक लागू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि लोहे का बैरियर लगने के बाद बुधवार से बड़े वाहनों के परिचालन पर रोक लगाई गई है। पूर्व में बड़े वाहनों का मार्ग परिवर्तन करने के लिए डीएम के आदेश पर डायवर्सन की अनुमति दी गई थी, जिसे बुधवार से लागू किया जा रहा है। एसडीओ ने कार्य एजेंसी को कहा कि बरसात से पूर्व सभी पीलर का कार्य पूरा करने को कहा गया है। गौरतलब है कि बागेश्वरी रेलवे गुमटी पर आरओबी निर्माण योजना को पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की फरवरी 2025 में प्रगति यात्रा के दौरान नगर विधायक सह बिहार विधायक डा. प्रेम कुमार के पहल पर स्वीकृति दी गई थी। इसके बाद निरंतर प्रक्रिया चल रही है। आरओबी को 24 माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्धारित अवधि का सात माह गुजर गया है, लेकिन कार्य दिख नहीं रहा है।

ओवरब्रिज कार्य को लेकर वैकल्पिक यातायात व्यवस्था

गया-मानपुर रेलखंड पर रेलवे किमी 468/16-18 स्थित लेवल क्रासिंग संख्या 71 (बागेश्वरी गुमटी) के स्थान पर सड़क उपरी पुल (आरओबी) निर्माण कार्य को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विस्तृत वैकल्पिक यातायात व्यवस्था लागू की गई है। यह निर्णय अनुमंडल पदाधिकारी, सदर गया की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के साथ आयोजित बैठक में लिया गया। व्यवस्था के अनुसार पटना-बेलागंज की ओर से आने वाले वाहनों को डंडी नवाब, बुनियादगंज मोड़, मानपुर बाईपास, मेहता पेट्रोल पंप, मुरगियाचक मोड़, पुपरीटांड़ मोड़ एवं पंच नंबर गेट होते हुए अपने गंतव्य तक जाने की व्यवस्था की गई है। वहीं, पटना की ओर जाने वाले वाहन सिकड़िया मोड़, पंच नंबर गेट, पुपरीटांड़ मोड़, मुरगियाचक मोड़, मेहता पेट्रोल पंप एवं मानपुर बाईपास होकर बेलागंज-पटना की ओर आवागमन करेंगे। यातायात व्यवस्था की निरंतर निगरानी की जाएगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा यातायात पुलिस एवं प्रशासन के निर्देशों का पालन कर सहयोग प्रदान करें।

नल-जल, मंडी और श्मशान घाट निर्माण पर बनी सहमति

संसू, जागरण, खिजरसराय: नगर पंचायत कार्यालय में मंगलवार को सामान्य बोर्ड की बैठक मुख्य पार्षद रिंकू कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें कार्यपालक पदाधिकारी अंशुल पांडे सहित सभी वार्ड पार्षद उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत पिछली बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि के साथ हुई। निर्णय लिया गया कि जिन वार्डों में नल जल योजना बंद है, वहां शीघ्र मरम्मत कर जलापूर्ति की जाएगी। साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित मामलों के निष्पादन पर चर्चा हुई।

सब्जी मंडी निर्माण का मुद्दा भी बैठक में प्रमुखता से उठा। कार्यपालक पदाधिकारी अंशुल पांडे ने बताया कि सब्जी मंडी निर्माण के लिए आवश्यक एनओसी प्राप्त हो चुकी है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने से नगरवासियों की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा। बैठक में नगर पंचायत क्षेत्र में वाटर एटीएम स्थापित करने तथा फल्गु नदी तट पर श्मशान घाट निर्माण की योजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। साथ ही निर्णय लिया गया कि जिन विकास योजनाओं पर कार्य चल रहा है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराया जाए। नई योजनाओं पर उपलब्ध राशि के अनुसार कार्य प्रारंभ किया जाएगा। बैठक में उपमुख्य पार्षद स्वाती सिन्हा, वार्ड पार्षद गिरीश तिवारी, शीला देवी, सत्यजीत कुमार सैन्कि, अनीता रानी सहित नगर पंचायत के सभी पार्षद थे।

गैस गोदाम से 112 सिलिंडर चोरी

अतरी: नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के माधी बिगहा स्थित मां इंडियन गैस गोदाम से सोमवार की रात चोरों ने 112 गैस सिलिंडर, तीन सबमर्सिबल मोटर, 50 हजार रुपये नकद और एक ऑटो चोरी कर फरार हो गए। गैस एजेंसी के मैनेजर विपिन कुमार ने नीमचक बथानी थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। थाना अध्यक्ष देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि पुलिस ने चोरी गई आटो को एकंगरसराय से बरामद कर लिया है, लेकिन उसमें एक भी गैस सिलिंडर नहीं मिला।

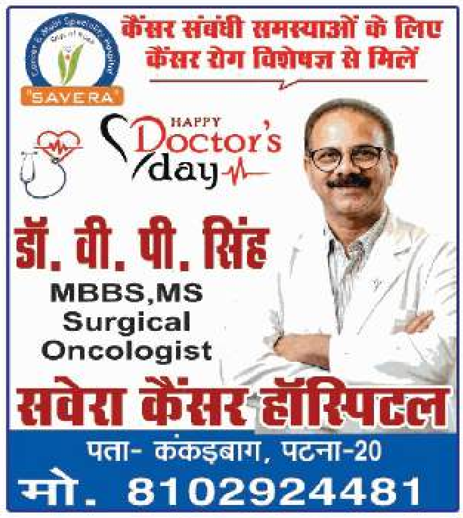

ग्राम रक्षा दल ने निकाली 60 किमी लंबी तिरंगा यात्रा

जागरण संवाददाता, गयाजी : बिहार ग्राम रक्षा दल के बैनर तले मंगलवार को मानदेय, स्थायीकरण एवं प्रशिक्षण सहित तीन सूत्री मांगों के समर्थन में विशाल मोटरसाइकिल तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद रावत ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिव शंकर प्रसाद ने की। सैकड़ों की संख्या में ग्राम रक्षा दल के सदस्य हाथों में तिरंगा लेकर मोहनपुर, बाराचट्टी, डोभी और बोधगया होते हुए लगभग 60 किलोमीटर की यात्रा तय कर जिला समाहरणालय पहुंचे, जहां सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद रावत ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसे सम्मान दिलाने के लिए अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य शहीदों के बलिदान को नमन करना, युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाना, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है। साथ ही ग्राम रक्षा दल के सदस्यों के मानदेय एवं स्थायीकरण की मांग की ओर राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी को तीन सूत्री मांगपत्र सौंपा। तिरंगा यात्रा में दिलीप कुमार, किशोर कुमार, दीपक कुमार, उपेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार, रिंकू देवी, रंजु कुमारी, पिंकी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्राम रक्षा दल के सदस्य शामिल रहे।

तिरंगा यात्रा में शामिल ग्राम रक्षा दल के सदस्य • जागरण

श्रमिकों को 60 दिनों की मिलेगी छुट्टी

वीबी-जीरामजी

जासं, गयाजी: एक जुलाई से मनेगा कार्य नहीं करेगा, अब मनरेगा के स्थान पर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन लागू हो जाएगी। नये नियम एक जुलाई से लागू की गई है, लेकिन उसे गया जिले में 19 जुलाई से क्रियान्वयन किया जाएगा। इस अवधि में वीबी-जीरामजी के कोई कार्य नहीं होंगे। जानकारी बताते है कि वीबी- जीरामजी में अब निबंधित मजदूरों को 125 दिनों का कार्य मिलेगा, जबकि इससे पहले मनरेगा में 100 दिनों का कार्य श्रमिकों के लिए कार्य उपलब्ध कराने का प्रावधान था। जानकार यह भी बताते है कि पहली बार निबंधित श्रमिकों को कृषि कार्य के लिए 60 दिनों की अवकाश देने की व्यवस्था की गई है, जो निश्चित तौर पर मजदूरों के लिए बड़ी बात है।

318 तरह मजदूरों को मिलेगा कार्य : श्रमिकों को वीबी-जीरामजी में 318 तरह का कार्य मिलेगा। इसमें प्रमुख रूप से प्राकृतिक आपदा, जल संसाधन, विभागीय कार्य को समाहित किया गया है। सबसे बड़ी बात है कि केंद्र व राज्य सरकार के विभागों को भी वीबी-जीरामजी के तहत श्रमिकों से कार्य लेना अनिवार्य किया गया है। मनरेगा के कार्य कराने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की सहभागिता 90:10 औसत होता था। इसे बदलकर अब केंद्र व राज्य के बीच 60:40 औसत राशि बंटवारा किया गया है।

> एक जुलाई से वीबी-जीरामजी लागू होगी। उस योजना को अक्षरशः लागू करने के लिए विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया गया है।
>
> **शशांक शुभंकर डीएम**, गया।

जाब कार्ड में नहीं होगा कोई बदलाव : जानकार बताते है कि जिन मजदूरों के पास मनरेगा जाब कार्ड है, उसे ही मान्यता दी गई है। उस जाब कार्ड के आधार पर पहले 100 दिनों का कार्य मिलता था, अब 125 दिनों का काम मिलेगा। जाब में मामूली बदलाव किया गया है। पहले फोटोयुक्त जाब होता था, इसे फोटो के साथ-साथ पहली बार मजदूरों के कार्य की हाजरी बनाने के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, स्थानिक प्रौद्योगिकी आधारित स्पेटियल टेक्नालाजी आयोजना, मोबाइल एवं डैशबोर्ड आधारित निगरानी तथा साप्ताहिक सार्वजनिक प्रणालियों के माध्यम से प्रावधान किए जाएंगे।

एक नजर में

शिक्षकों ने बीआरसी में तालाबंदी कर किया प्रदर्शन

परैया: प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी में मंगलवार को नियोजित शिक्षकों ने तालाबंदी की। उन्होंने चार माह के बकाया वेतन को ले आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने परेशानियों का हवाला देते हुए अपनी समस्याएं रखीं, जिससे उन्हें मानसिक और पारिवारिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। तालाबंदी में मनीष कुमार, पंकज कुमार, जैनेंद्र कुमार, अजीत कुमार, ऋतुराज कुमार, रविंद्र कुमार, अरविंद कुमार, सुनैना कुमारी और सरिता कुमारी उपस्थित रहे।

अनेकांतवाद के दर्शन पर हुआ मंथन

बोधगया: मगध विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में मंगलवार को "हिस्ट्री ऑफ जैन लॉजिक" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान (एक्स्ट्रा म्यूरल लेक्चर) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. जावेद अंजुम ने की। अपने व्याख्यान में डॉ सिंह ने जैन तर्कशास्त्र, अनेकांतवाद और नयवाद की अवधारणाओं पर प्रकाश डाला।

प्रशासन की मौजूदगी में हटाया गया अतिक्रमण

मोहनपुर: चारडिहा मौजा में 15 वर्ष से लंबित भूमि विवाद का मंगलवार को प्रशासनिक निगरानी में निपटारा कर दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी, शेरघाटी के आदेश के आलोक में राजस्व एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाकर संबंधित पक्ष को भूमि का कब्जा दिलाया। कार्रवाई के दौरान एसआरओ प्रियांशु कुमार, अंचलाधिकारी रंजीत कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी रंजीत कुमार दंडाधिकारी के रूप में तथा थानाध्यक्ष निलेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।

35 दिनों बाद स्कूलों में लौटी रौनक, पुनर्मिलन दिवस पर बच्चों का गर्मजोशी से स्वागत

ग्रीष्मावकाश के बाद विद्यालयों में शुरू हुई पढ़ाई, संवाद से बच्चों में दिखा नया उत्साह

हुई समूह गतिविधियां

जागरण संवाददाता, गयाजी : करीब 35 दिनों के ग्रीष्मावकाश के बाद मंगलवार से गया जिले के प्रारंभिक विद्यालयों में फिर से बच्चों की चहल-पहल लौट आई। विद्यालय खुलने के पहले दिन शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 'स्वागत एवं पुनर्मिलन दिवस' मनाया गया। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने तिलक लगाकर, तालियां बजाकर और आत्मीय स्वागत के साथ बच्चों का अभिनंदन किया, जिससे विद्यालयों का माहौल उत्साह और उमंग से भर उठा। पहले दिन नियमित पढ़ाई के बजाय बच्चों को सहज और आनंददायक वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। शिक्षकों ने समूह आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को दोबारा विद्यालयी माहौल से जोड़ने का प्रयास किया। बच्चों से उनकी पसंद, छुट्टियों के अनुभव, खेल, भोजन, गीत और पुस्तकों पर बातचीत की गई, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नगर प्रखंड के मध्य विद्यालय केवाली में सुबह से ही बच्चों की अच्छी उपस्थिति रही। शिक्षकों ने स्वागत के बाद परिचय सत्र आयोजित किया और बच्चों से पूछा कि उन्होंने ग्रीष्मावकाश कैसे बिताया। बच्चों ने परिवार के साथ समय बिताने, ऐतिहासिक स्थलों की सैर करने, पढ़ाई और खेलकूद जारी रखने जैसे अनुभव साझा किए। प्रधानाध्यापक शिव शंकर कुमार ने बताया कि पहले दिन बच्चों की उपस्थिति संतोषजनक रही और उनके चेहरों पर विद्यालय लौटने की खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि पुनर्मिलन दिवस का उद्देश्य बच्चों को मानसिक रूप से विद्यालय के वातावरण से दोबारा जोड़ना था। नगर निगम क्षेत्र के कन्या मध्य विद्यालय चंदौती में भी बच्चों का विशेष स्वागत किया गया। यहां शिक्षकों ने बच्चों के अनुभव सुनने के साथ उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन और नई ऊर्जा के साथ नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के लिए प्रेरित किया। विद्यालय खुलने के साथ ही जिलेभर में शैक्षणिक गतिविधियां फिर से पटरी पर लौट आई हैं। शिक्षकों का मानना है कि पहले दिन बच्चों को भावनात्मक रूप से विद्यालय से जोड़ने की पहल सफल रही और इससे वे बिना किसी दबाव के पढ़ाई की लय में लौट सकेंगे।

मध्य विद्यालय केवाली में बच्चों को तिलक लगाकर स्वागत करते शिक्षिका • जागरण

गर्मी की छुट्टी होने के पूर्व शिक्षकों के द्वारा प्रतिदिन के गृह कार्य दिए गए थे। कुछ लिखने के लिए तो कुछ याद करने के लिए दिया गया था। जिसे नियमित याद करते और लिखते। उसके बाद परिवार वालों के साथ समय बिताए।

उर्वा कुमारी, कक्षा छठी।

शिक्षकों द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किए जाने से मैं काफी प्रसन्न हूं। गर्मी की छुट्टी कैसे बीताएं इस तरह के प्रश्न पूछे जाने हमलोगों को नई सीख मिली। छुट्टी में पढ़ाई के साथ कई तरह के खेल खेलने में भी समय बिताएं।

आकृति कुमारी सिन्हा, कक्षा 8।

ग्रीष्मावकाश में भीषण गर्मी और लू के वजह अधिकांश समय घर पर ही बीताएं। घर पर पढ़ाई भी किया और कई परिवार के यहां भी घूमने गए। स्कूल खुलने के इंतजार था। स्कूल से सहपाठी और शिक्षकों से मिलकर काफी प्रसन्न हूं।

अमृता कुमारी, कक्षा–8।

गर्मी की छुट्टी में घर पर पढ़ाई किया। उसके बाद दोस्तों के साथ विभिन्न तरह के खेल खेलने में समय बीताया। परिवार वालों के अच्छी तरह बताए। स्कूल से मिले गृहकार्य को पूरा किया और शिक्षक को दिखाया।

अंशु दास, चतुर्थ वर्ग।

करंट लगने से आधा घंटा तक अचेत रहा हाथी, होश आते ही जंगल में भागा

संवाद सूत्र, जागरण• फतेहपुर : झारखंड के जंगल से भटककर फतेहपुर थाना क्षेत्र के गन्नी पीपरा पहुंचे दो जंगली हाथियों ने सोमवार को पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना दिया। वन विभाग, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने शाम में मशाल जलाकर दोनों हाथियों को सुरक्षित तरीके से गांव से बाहर निकाला।

सोमवार को दिनभर दोनों हाथी गन्नी पीपरा और आसपास के इलाके में विचरण करते रहे। दोपहर के समय पैमार नदी पार कर सड़क पर चढ़े। एक हाथी चढ़ गया जबकि दूसरा हाथी नीचे लटक रहे 11 हजार वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आ गया। करंट लगते ही हाथी अचेत होकर गिर पड़ा। करीब आधे घंटे बाद हाथी उठा।

स्थल पर मौजूद बीडीओ शशिभूषण साहू, सीओ अमिता सिन्हा, थानाध्यक्ष मनोज कुमार और वन क्षेत्र पदाधिकारी रजनीश कुमार ने बिजली विभाग के जेई से बात कर तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कराई तथा जर्जर 11 हजार वोल्ट लाइन को बदलने का निर्देश दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि पांच वर्ष पहले गुरपा वन क्षेत्र के गम्हरी जंगल में करंट लगने से एक हाथी की मौत हो गई थी। रजनीश कुमार ने बताया कि हाथियों को सुरक्षित तरीके से आबादी से दूर कर दिया गया है।

समाचार सार

गुरुकुल, शेरघाटी में समर कैम्प का शुभारंभ

समर कैम्प में मस्ती करते बच्चे • सौ. संस्थान

जास, गयाजी: गुरुकुल, शेरघाटी में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए तीन दिवसीय समर कैम्प का आयोजन किया गया। कैंप के पहले दिन विभिन्न ज्ञानवर्धक, रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियों की व्यवस्था की गई, जिसमें चाक से मिट्टी के बर्तन बनाना, वैदिक गणित, स्विमिंग पूल, मेहंदी डिजाइन और ट्रेजर हंट जैसे कार्यक्रम शामिल थे। समर कैंप के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव, कला-कौशल, नेतृत्व क्षमता और आपसी सहयोग की भावना विकसित करने का अवसर मिला। इस दौरान शिक्षकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर पूनम कुमारी, डा. प्रिया प्रभात, नैमलीन हेरी, संजीव कुमार, अजय बैद, रौशन कुमार, साजिद आलम सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

इनरव्हील क्लब आफ गया बना सर्वश्रेष्ठ क्लब

इनरव्हील क्लब आफ गया ने सत्र 2025–26 का प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ क्लब के लिए रांची के एक होटल में आयोजित सम्मेलन में सदस्यहुए सम्मानित। •फोटो- सौ. संस्थान

जास, गया: डिस्ट्रिक्ट 325 के वार्षिक सम्मेलन में इनरव्हील क्लब आफ गया ने सत्र 2025–26 का प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ क्लब सम्मान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन रश्मि गुप्ता के नेतृत्व में रांची के एक निजी होटल में आयोजित सम्मेलन में क्लब को वर्षभर किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों, प्रभावी परियोजनाओं और अनुकरणीय प्रशासनिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। क्लब की पूर्व अध्यक्षा दूर्वा सहाय को बेस्ट प्रेसिडेंट, डा. मंजु सिन्हा को बेस्ट सेक्रेटरी, पीपी सीमा भदानी को बेस्ट ट्रेजरर, पीपी प्रतिभा गुप्ता को बेस्ट आईएसओ तथा शीतल गुप्ता को बेस्ट एडिटर का पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, क्लब को बेस्ट प्रोजेक्ट्स, सोशल प्रोजेक्ट्स और बेस्ट फाइल कीपिंग श्रेणियों में भी सम्मान मिला।

इनर व्हील ने 60 चिकित्सकों को किया सम्मानित

दीप जलाकर सम्मान समारोह का उद्घाटन करते अतिथि- •फोटो- सौ. संस्थान

जास, गया: ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल, गया तथा जीटी पब्लिक स्कूल, गया के सहयोग से इनरव्हील क्लब आफ सनराइज, गया ने अग्रिम डाक्टर्स डे के अवसर पर ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल के प्रांगण में चिकित्सकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गया जिले के 60 चिकित्सकों को उनके उत्कृष्ट चिकित्सा एवं सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि औरंगाबाद के विधायक त्रिविक्रम नारायण, अतरी के विधायक रोमित कुमार तथा हृदय रोग विशेषज्ञ डा. एस राय (अध्यक्ष, एम्स, गया) उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या मधु प्रिया ने कहा कि चिकित्सक केवल उपचार नहीं करते, बल्कि अपने ज्ञान और समर्पण से अनगिनत लोगों को नया जीवन प्रदान करते हैं।

एनसीसी भर्ती के लिए जांच परीक्षा आयोजित

जास,गयाजी : 27 बिहार बटालियन एनसीसी के तहत मंगलवार को प्लस टू जिला स्कूल, गयाजी में एनसीसी एनरोलमेंट के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। अभ्यर्थियों की पहले लंबाई मापी गई, इसके बाद दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद और पुश-अप के माध्यम से शारीरिक दक्षता की जांच की गई। फर्स्ट आफिसर मुकेश प्रसाद वर्मा ने बताया कि शारीरिक परीक्षा के बाद लिखित परीक्षा भी ली गई। इसका परिणाम एक सप्ताह के भीतर जारी होने की संभावना है। चयनित अभ्यर्थियों का ही एनसीसी में नामांकन होगा। इस वर्ष 50 कैडेट्स की भर्ती की जानी है। मौके पर 27 बिहार बटालियन के जेसीओ सूरज सौरेन, हवलदार सुरेंद्र प्रसाद, हवलदार प्रभात कुमार तिवारी तथा वरिष्ठ कैडेट लक्की, राजेश और विवेक सहित अन्य मौजूद रहे।

पुलिस ने आरोपित को किया गिरफ्तार

संवाद सूत्र, जागरण• मानपुर : हत्या के प्रयास से जुड़े मामले में बुनियादगंज थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में बुनियादगंज थाना कांड संख्या–200/26 प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया था। जांच के दौरान पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपित विनय कुमार, (पिता नरेश शर्मा) निवासी सोन्धी, थाना बुनियादगंज, जिला गया को गिरफ्तार कर लिया। एसआई दीपक कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

बाराचट्टी में कृषि प्रशिक्षण केंद्र बदहाल, किसान परेशान

संवाद सूत्र, जागरण• बाराचट्टी : बाराचट्टी प्रखंड के दरबार स्थित 26 एकड़ भूमि पर करोड़ों रुपये की लागत से राज्यस्तरीय कृषि प्रशिक्षण केंद्र निर्मित है। यह केन्द्र विभागीय लापरवाही के कारण बदहाली का शिकार हो गया है। आधुनिक खेती, जल संरक्षण, ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी तकनीकी प्रशिक्षण देने के लिए इसे विकसित किया गया था। इस केन्द्र पर आज न नियमित देखरेख है और न ही सुरक्षा की व्यवस्था। परिसर में गंदगी का अंबार लगा दिखा। एक बड़ा जेनरेटर फाउंडेशन पर लावारिस पड़ा है। शौचालय का पाइपलाइन क्षतिग्रस्त दिखा। इससे करोड़ों रुपये की सरकारी परियोजना की गुणवत्ता और रख-रखाव पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

कृषि प्रशिक्षण केन्द्र • जागरण

स्थानीय ग्रामीण संजय कुमार सिंह बताते हैं कि प्रशिक्षण केंद्र बनने से पहले यहां कृषि विभाग नियमित खेती करता था। ट्रैक्टर, बोरिंग और मोटर की मदद से विभिन्न फसलों की खेती होती थी। केंद्र निर्माण होने के बाद पिछले दो वर्षों से खेती पूरी तरह बंद है। उपजाऊ भूमि परती पड़ी है। भूमि पर आधुनिक खेती का माडल तैयार होना था, वहां अब केवल सन्नाटा है। प्रशिक्षण केंद्र चारदीवारी से सुरक्षित नहीं है। कई स्थानों पर लोगों ने सीमेंट की पट्टियां हटाकर रास्ते बना लिए हैं। पूरा परिसर चारागाह में बदल गया है। पालतू पशु खुलेआम परिसर में घूमते हैं। तिलैया खुर्द के राजकुमार यादव का कहना है कि ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली जैसी संरचनाएं उद्घाटन से पहले जर्जर हो गई हैं। कई जगह सीमेंट की मेढ़ इतनी कमजोर है कि हल्का धक्का से टूट सकती है। विभागीय स्तर पर स्थिति संतोषजनक नहीं है। सहायक निदेशक गया से दायित्व निभा रहे हैं। फार्म बाबू रंजीत कुमार का कहना है कि संवेदक ने अभी तक निर्माण कार्य विभाग को औपचारिक रूप से नहीं सौंपा है, इसलिए यहां कोई गतिविधि शुरू नहीं हो रही है। एक सवाल जेहन में सबको आएगा कि जब करोड़ों रुपये खर्च हो चुके हैं, तब इस महत्वपूर्ण परियोजना की सुरक्षा और रख-रखाव की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है। यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो किसानों के लिए तैयार किया गया यह महत्वाकांक्षी प्रशिक्षण केंद्र शुरू होने से पहले ही अपनी उपयोगिता खो देगा।

सेवानिवृत्ति पर दो शिक्षाविदों को पीपीओ देकर किया सम्मानित

संवाद सूत्र, जागरण• बोधगया: मगध विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी ने मंगलवार को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार वर्मा और जगजीवन कॉलेज, गया के प्राचार्य डा. सत्येंद्र कुमार प्रजापति को पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) सौंपकर सम्मानित किया। कुलपति ने दोनों शिक्षाविदों के शिक्षा, प्रशासन और विद्यार्थियों के विकास में योगदान की सराहना की और उनके स्वस्थ जीवन की कामना की। कुलसचिव डा. विनोद कुमार मंगलम ने कहा कि विश्वविद्यालय सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान और सेवांत लाभ के समयबद्ध भुगतान के लिए प्रतिबद्ध है। वित्त पदाधिकारी इंद्र कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि सेवानिवृत्ति के दिन ही कर्मियों को सेवांत लाभ उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार चौधरी सहित कई शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

खेल से राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर चमकेगा बिहार

- बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने जारी किया वर्ष 2026–2027 के खेल आयोजनों का कैलेंडर
- राजगीर में भारत–न्यूजीलैंड रग्बी और एफआइएच हाकी प्रो लीग

जागरण संवाददाता, पटना : प्रदेश में खेल आयोजनों के लिए मैदान सजेगा। जुलाई 2026 से लेकर मार्च 2027 तक अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से खेलों का रोमांच चरम पर होगा। राजगीर में भारत-न्यूजीलैंड रग्बी (मैत्री शताब्दी) और दिसंबर में एफआइएच हाकी प्रो लीग जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन होंगे। इसके अलावा पटना में राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स (निडजैम) और भव्य सीएम ट्रॉफी (राष्ट्रीय खेल) का आयोजन राज्य को नई खेल पहचान दिलाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार सत्र 2026–27 खेल गतिविधियों से भरा रहेगा। जुलाई में एंटी–डोपिंग शिविर, पाटलिपुत्र खेल परिसर में बिहार वालीबाल लीग (1–8 जुलाई) और पटना, बेगूसराय और मुंगेर में महिला फुटबाल लीग (23–26 जुलाई) होगी। 30 जुलाई से एक अगस्त से नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्पोर्ट्स फिटनेस एक्सपो होगा। इसमें प्रदेश के खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

अक्टूबर में भारत–न्यूजीलैंड मैत्री मुकाबला : अक्टूबर में इंटर एकलव्य टूर्नामेंट और आठ से 14 नवंबर तक आनलाइन इस्पोर्ट्स चैंपियनशिप एवं दंगल का रोमांच देखने को मिलेगा। 24 से 31 अक्टूबर तक राजगीर में भारत–न्यूजीलैंड रग्बी (मैत्री शताब्दी) मुकाबला होगा। दिसंबर में राजगीर में एफआइएच हाकी प्रो लीग खेली जाएगी। राजधानी में राष्ट्रीय अंतर जिला जूनियर एथलेटिक मीट निडजैम) का आयोजन होगा।

राजधानी में पहली बिहार पुरुष कबड्डी लीग : सर्दियों में 27 दिसंबर को मैराथन की धूम रहेगी। 23 एवं 24 दिसंबर को बिहार रोड साइकिलिंग (महिला/पुरुष) होगी। जनवरी 2027 में बेतिया में वाल्मीकि मैराथन, जनजातीय खेल और गंगा घाटों पर अनूठा बीच गेम्स कार्निवल (16–18 जनवरी) होगा। पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में पहली बिहार पुरुष कबड्डी लीग (28 जनवरी–5 फरवरी) और मार्च में तीसरी महिला कबड्डी लीग खेली जाएगी। फरवरी में पूर्वी चंपारण/जहानाबाद में स्टेट तलवारबाजी, अस्मिता स्टेट लीग और साइक्लोथान (पटना/राजगीर/कैमूर) होंगे। अंततः मार्च में सीनियर सिटीजन वाकथान (8 मार्च) और महिला दिवस पर आत्मरक्षा सप्ताह के साथ खेल कैलेंडर में शामिल आयोजनों का समापन होगा।

पांच जिलों में अंतर जिला पारा गेम्स

इसी तरह बिहार में (जुलाई-अगस्त) खेलो इंडिया अस्मिता भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन होगा। स्टेट स्कूल गेम्स और एसजीएफआइ टूर्नामेंट और सात अगस्त को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन होगा। 29 अगस्त को पटना में खेल सम्मान समारोह आयोजित होगा। 17 से 24 सितंबर तक राज्य के पांच जिलों में अंतर जिला पारा गेम्स, सितंबर में पाटलिपुत्र खेल परिसर में चाणक्य ओपन शतरंज, सैंडिस कंपाउंड (भागलपुर) में पूर्वी जोन राजा कर्ण तीरंदाजी और अंडर–7 युथ फुटबाल लीग का आयोजन होगा।

Bihar Museum, Patna
(An Autonomous Society under the Department of Art, Culture & Youth, Government of Bihar)
Nehru Path, Patna-800001
Notice Inviting Tender.

Tenders (Price Bids) in a two-bid system are invited for the execution of following work at Bihar Museum, Patna from registered contractor. The last date for submission of the bid is 22.07.2026 upto 3:00 pm. The bid will be opened the same day at 3:30 p.m. The information can be obtained from the office of the Director General, Bihar Museum, Patna on any working day. Bid documents can be downloaded from the website http://biharmuseum.org /www.state.bihar.gov.in/prdbihar / https://state.bihar.gov.in/yac

Sl no	Description of Item	Unit	Qty.	Estimated Cost in Rupees	EMD in Rupees	Cost of Bid in Rupees	Time of Completion
1	Supply, installation, testing and commissioning of Audio-Visual items and wall on GT interactive in Children Gallery at Bihar Museum, Patna.	As mentioned in the BOQ		As quoted by the bidders	1,20,000.00	10000/-	Two months

(Additional Director-Admin)
Bihar Museum
PR. No. 006686 (Art & Culture) 2026-27
नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

Bihar Museum, Patna
(An Autonomous Society under the Department of Art, Culture & Youth, Government of Bihar)
Nehru Path, Patna-800001
Notice Inviting Tender.

Tenders (Price Bids) in a two-bid system are invited for the execution of following work at Patna Museum, Patna from registered contractor. The last date for submission of the bid is 22.07.2026 up to 3:00 pm. The bid will be opened on the same day at 3:30 p.m. The information can be obtained from the office of the Director General, Bihar Museum, Patna on any working day. Bid documents can be downloaded from the website http://biharmuseum.org / www.state.bihar.gov.in/prdbihar / https://state.bihar.gov.in/yac

Sl no	Description of Item	Unit	Qty.	Estimated Cost in Rupees	EMD in Rupees	Cost of Bid in Rupees	Time of Completion
1	Supply, installation, Testing and Commissioning of Audio-Visual system for proposed Conference Room at Patna Museum, Buddha Marg, Patna.	As mentioned in the BOQ		As quoted by the bidders	1,20,000.00	10000/-	Two months

(Additional Director-Admin)
Bihar Museum
PR. No. 006685 (Art & Culture) 2026-27
नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर
गंगा ब्रिज कैम्पस जीरोमाईल, भागलपुर
E-mail id : eenhbhagalpur1@gmail.com, Tel.No.- 0641-2611843
अल्पकालीन कोटेशन सं०–राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर–18 / 2026–27

राष्ट्रीय उच्च पथ सं०–131B के कि०मी०–6.200 (जानकी चौक TOP) में के पास 30m High Mast Lighting System with its Accessories के अधिष्ठापन हेतु संवेदकों/फर्मों से कोटेशन आमंत्रित किया जाता है। कोटेशन/दर वहरण कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, भागलपुर के कार्यालय में दिनांक 10.07.2026 के अपराह्न 3:00 बजे तक मुहरबंद लिफाफे में प्राप्त किया जायेगा एवं उसी दिन अपराह्न 3:30 बजे कोटेशन दाता या उनके प्रतिनिधि की उपस्थिति में कोटेशन खोला जायेगा।
विशेष शर्तें–
(1) सशर्त कोटेशन मान्य नहीं होगा। बिना कारण बताए कोटेशन को अंशतः/पूर्णतः अस्वीकृत/रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।
(2) कोटेशन दाताओं को अपना दर सभी कर सहित अंक एवं अक्षरों में दर्ज कराना होगा।
(3) GST की पंजीयन संख्या, PAN एवं Aadhar Card कोटेशन के साथ संलग्न करना आवश्यक होगा।
(4) सभी सामग्री IS के निर्धारित मानक का होना आवश्यक है।
(5) 30m High Mast Lighting System with its Accessories का अधिष्ठापन कार्यादेश के 10 (दस) कार्य दिवस के अंदर राष्ट्रीय उच्च पथ सं०–131B के कि०मी०–6.200 (जानकी चौक TOP) के पास करना होगा जिसके लिये अलग से भाड़ा इत्यादि के लिये कोई शुल्क देय नहीं होगा।
(6) अधिष्ठापित किये गये 30m High Mast Lighting System with its Accessories का रख–रखाव गारंटी अवधि तक अधिष्ठापनकर्ता को ही करना होगा तथा सामग्री के साथ गारंटी/वारंटी से संबंधित कागजात कार्यालय में उपलब्ध कराना आवश्यक होगा।
(7) आवंटन की उपलब्धता सुनिश्चित होने पर ही भुगतान किया जायेगा।
कार्यपालक अभियंता,
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर
सभी सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।
PR. No. 006627 (RCD) 2026-27
नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
खुली निविदा, बैच संख्या : 08/2026, दिनांक : 29/06/2026
आईआरईपीएस – www.ireps.gov.in के वेब पोर्टल पार्टिसिपेशन इन यू सामग्री की आपूर्ति के लिए ई – निविदा सूचना। निम्नलिखित सामग्रियों की आपूर्ति हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा बंद करने का समय 14:00 बजे है। क्रम. सं० : 01, निविदा सं० : 37265261, सामग्री का संक्षिप्त विवरण : सप्लाई, इंस्टालेशन एंड कमीशनिंग ऑफ आई.ओ.टी. बेस्ड वाटर लेवल इंडिकेटर सिस्टम फॉर कोचेस विथ अंडरस्लंग वाटर टैंक्स एज पर आर.डी.एस.ओ. स्पेसिफिकेशन नंबर आई एस/आर.डी.एस.ओ.–सी जी/0002:2026 और लेटेस्ट, मात्रा : 170 सेट, निविदा जारी करने की तिथि एवं समय : 26/06/2026, 16:08:21, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 31/07/2026, 14:00, प्रतिभागियों को अपना प्रस्ताव समापन तिथि और समय से पहले आईआरईपीएस– www.ireps.gov.in के वेब पोर्टल के माध्यम से केवल ऑन–लाइन जमा करना होगा। उपरोक्त पोर्टल पर निविदा सूचना में प्रविष्टि के संबंध में अन्य विवरण और संवाद का विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है।
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक
सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत
पैरा/163/ईआरएसआरडब्ल्यू/सामग्री/पी/26-27/56

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से 'खुली' निविदा आमंत्रित करते हैं– क्रम सं.-1. कार्य का नाम: छपरा/सीवान कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत छपरा–थावे अनुभाग में थ्रू रेल रिन्यूवल (पी) कार्य (कुल 63.00 ट्रैक कि०मी०)। ई-निविदा सूचना सं.: एनईआर-बीएसबी-2026-94, अनुमानित लागत (₹): ₹ 4,98,20,490/-,बिड सिक्यूरिटी (₹): ₹ 9,96,400/-,निविदा बन्द होने की तिथि: 21-07-2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह।
• निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2026-94 दिनांक 21-07-2026 को 11:30 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
मण्डल रेल प्रबंधक/(इन्फ्रा), वाराणसी
मुजाबि/वाकु-205

उत्तराखण्ड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड
ब्लॉक नं० 3 भवन नं० 28, शासकीय ब्रिडहार रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड 248006
Website : www.ukmssb.org, Email: ukmssbdun@gmail.com, Ph. 0135-2983368
विज्ञप्ति सं०–25/2026 दिनांक– 30 जून, 2026
प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर परीक्षा– 2026 (राजकीय मेडिकल कॉलेजों हेतु)
उत्तराखण्ड राज्य के राजकीय मेडिकल कॉलेजों के अन्तर्गत प्रोफेसर के रिक्त 08 तथा एसोसिएट प्रोफेसर के रिक्त 46 पदों पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञप्ति
एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि शासन के विज्ञप्ति संख्या ..../2026–27/524, दिनांक 30 जून 2026 के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के रिक्त 46 पदों पर सीधी भर्ती का विज्ञापन प्रकाशित किया जा रहा है। रिक्तियों की संख्या घट–बढ़ सकती है। पदवार रिक्तियों का विवरण निम्नानुसार है:–

पद का नाम	वेतनमान	रिक्त पदों की संख्या	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	सामान्य/अनारक्षित
1	2	3	4	5	6	7	8
प्रोफेसर	वेतनमान ₹144200–218200 लेवल–14	08	04	00	00	00	04
एसोसिएट प्रोफेसर	वेतनमान ₹131100–216600 लेवल–13(क)	46	19	00	02	02	23

नोट:–
• उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या 78293/XXVIII(3)/2022(E-22311) दिनांक 28 नवम्बर 2022 के अनुसार पर्वतीय क्षेत्र अर्थात श्रीनगर/अल्मोड़ा के लिए Medical Teachers Deficiency Compensatory Scheme के अधीन 50 प्रतिशत मूल अनुमन्य होगा।
• विषयवार/संवर्गवार पदों का विवरण तथा शैक्षिक योग्यता एवं विवरण हेतु विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें।

विज्ञापन प्रकाशन की तिथि	—	दिनांक 30 जून 2026 (मंगलवार)
ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ करने की तिथि	—	दिनांक 09 जुलाई 2026 (बृहस्पतिवार)
ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि	—	दिनांक 29 जुलाई 2026 (बुधवार) सांय 06.00 बजे तक
आवेदन शुल्क Net Banking/Debit/Credit Card/UPI के माध्यम से जमा करने की अन्तिम तिथि	—	दिनांक 29 जुलाई 2026 (बुधवार) सांय 05.00 बजे तक
ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रविष्टियों में संशोधन/परिवर्तन किये जाने हेतु समय अवधि	—	दिनांक 31 जुलाई 2026 से दिनांक 03 अगस्त 2026 तक (सांय 06.00 बजे तक)

विज्ञापन की शर्तानुसार अभ्यर्थी बोर्ड की वेबसाइट www.ukmssb.org के माध्यम से दिनांक 09 जुलाई 2026 (बृहस्पतिवार) से ऑनलाइन आवेदन पत्र भर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने तथा आवेदन शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि 29 जुलाई 2026 (बुधवार) (सांय 06.00 बजे तक) है। विस्तृत विज्ञापन से सम्बन्धित विवरण बोर्ड की वेबसाइट www.ukmssb.org पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने से पूर्व विज्ञापन में वर्णित समस्त निर्देशों का भली–भाँति अध्ययन कर लें।
सचिव

पंचायत कोना

करमौनी बाजार का पुल अतिक्रमण के कारण ध्वस्त

टूटा हुआ नाला● पंचायत सूत्र

पंचायत सूत्र, जागरण● नावाडीह (डोभी): करमौनी बाजार में अतिक्रमण की जद में आए जल निकासी पुल को एनएचएआइ ने पिछले सप्ताह जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। पुल हटने के बाद स्थानीय लोगों में बरसात के मौसम को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि डोभी–पटना फोरलेन सड़क चौड़ीकरण का कार्य पूरा होने के बावजूद बाजार में जल निकासी के लिए नाले का निर्माण नहीं कराया गया है। बाजारवासियों ने पिछले वर्ष एनएचएआइ और डोभी अंचल कार्यालय को नाला निर्माण की मांग की थी, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई। पुल हटने के बाद वर्षा का पानी निकासी नहीं होने पर सड़क पर जमा हो सकता है, जिससे डोभी–पटना फोरलेन पर आवागमन प्रभावित होने की आशंका है।

छठ घाट निर्माण कार्य को समाजसेवियों ने किया निरीक्षण

पंचायत सूत्र, जागरण● उतलीबारा (टनकुप्पा): टनकुप्पा प्रखंड के उतलीबारा पंचायत के वार्ड संख्या 01 में सरकारी योजना से मुखिया द्वारा छठ घाट का निर्माण कराया जा रहा है। मुखिया कंचन देवी की पहल पर कराए जा रहे इस निर्माण कार्य में ढलाई का काम लगभग पूरा होने वाला है। छठ घाट बनने के बाद उतलीबारा के अलावा असुरैन, रमनपुर, पथरा, मिसरिचक समेत आसपास के कई गांवों के श्रद्धालुओं को छठ पूजा और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान सुविधा मिलेगी।

20 दिन बाद घर लौटे लापता शशिभूषण

पंचायत सूत्र, जागरण● निमि (फतेहपुर): फतेहपुर प्रखंड के निमि गांव के निवासी शशिभूषण उपाध्याय लगभग 20 दिन बाद सकुशल घर लौट आए हैं। शशिभूषण उपाध्याय नौ जून को बिना किसी को बताए साइकिल से घर से निकल गए थे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई पता नहीं चलने पर स्वजन ने फतेहपुर थाना में उनकी गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सोमवार को वह स्वयं घर लौट आए। उनकी गैरमौजूदगी में 23 जून को उनकी बेटी का विवाह संपन्न हुआ था।

तीन दिनों से लापता जितेंद्र का नहीं मिला सुराग

पंचायत सूत्र, जागरण● सलैया (फतेहपुर): थाना क्षेत्र के सरदारपुर गांव निवासी 40 वर्षीय जितेंद्र कुमार उर्फ जितु यादव पिछले तीन दिनों से लापता हैं। उनके अचानक गायब होने से परिवार में चिंता बढ़ गई है। स्वजनों ने बताया कि 27 जून को सुबह करीब 11 बजे जितेंद्र अपने घर जाने के लिए स्टेशन पहुंचे थे, जहां एक दोस्त ने उन्हें वाहन से छोड़ा। इसके बाद वह न तो अपने आवास पहुंचे और न ही वापस सरदारपुर लौटे। जब काफी देर तक संपर्क नहीं हो सका, तो परिवार ... स्वजनों ने रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जितेंद्र के भाई पिंटू यादव ने फतेहपुर थाना में आवेदन देकर पुलिस से भाई की तलाश कराने की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने मामले की गंभीरता से लेते हुए खोजबीन शुरू कर दी है।

खाद की कालाबाजारी से किसान परेशान

बाराचट्टी के बिंदेर गांव में खाद लेते किसान सिकंदर प्रसाद● (फाईल फोटो)

पंचायत सूत्र, जागरण● बिंदेर (बाराचट्टी): खरीफ सीजन में प्रखंड क्षेत्र के किसान यूरिया और डीएपी की कथित कालाबाजारी से परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि सरकार द्वारा निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध नहीं कराई जा रही है और निजी दुकानदार मनमाने दाम वसूल रहे हैं। बिंदेर के किसान सिकंदर प्रसाद ने बताया कि सरकार द्वारा यूरिया का अधिकतम खुदरा मूल्य लगभग 266 रुपये प्रति बोरी निर्धारित है, लेकिन कई दुकानों पर 380 से 400 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। वहीं, डीएपी भी निर्धारित मूल्य से अधिक 1800 से 2200 रुपये प्रति बोरी तक बेची जा रही है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि खाद की कालाबाजारी को लेकर अब तक किसी किसान ने लिखित शिकायत नहीं दी है। किसानों का कहना है कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि प्रखंड उर्वरक पदाधिकारी कौन हैं।

महंगे बीज से कृषि कार्यालय से दूरी बना रहे किसान

अतरी प्रखंड के टेटुआ बाजार में धान के बीज की खरीदारी करते किसान● सौ. पंचायत

पंचायत सूत्र, जागरण● टेटुआ (अतरी): अतरी प्रखंड कृषि कार्यालय में खरीफ मौसम के लिए धान, अरहर और मडुआ के बीज उपलब्ध हैं, लेकिन किसान इन्हें खरीदने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। कृषि विभाग ने धान के बीज का पर्याप्त भंडारण किया है, फिर भी किसान ऊंचे दामों के कारण बाजार से बीज खरीदना पसंद कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि बाजार में उन्हें कम कीमत पर विभिन्न किस्मों के बीज आसानी से मिल जाते हैं। इस वजह से कृषि कार्यालय में धान के बीज लेने वाले किसानों की संख्या काफी कम है। अरहर और मडुआ के बीज में महंगे होने के कारण किसान इन्हें खरीदने से बच रहे हैं।

चकला और मुंगेश्वर पुर में नाली का अभाव

पंचायत सूत्र, जागरण● चपरा (डोभी): कुर्मा बीजा पंचायत के चकला और मुंगेश्वरपुर गांव में नाली के अभाव के कारण ग्रामीणों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क और गलियों में जमा हो रहा है, जिससे जलजमाव की स्थिति बनी रहती है। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से नाली निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई है। बरसात के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासी गुड़िया देवी ने बताया कि जलनिकासी की व्यवस्था न होने से गंदा पानी लंबे समय तक जमा रहता है, जिससे दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है।

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA
(पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
SAGARMALA

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा संख्या: आईडब्ल्यूएआई / पीटीएन / 17(बी) / सी / एमएफए / 2026 27

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भाअजप्रा), गायघाट, गुलजारबाग, "सीनी, पटना में मशीनरी के सामान के लिए शेड बनाने" कार्य के लिए प्रतिष्ठित और अनुभवी ठेकेदारों से ऑनलाइन बोलियां / निविदाएं आमंत्रित करता है।

1. निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने की तिथि : 29.06.2026 को 15:00 बजे
2. निविदा दस्तावेजों को जमा करने की तिथि : 29.06.2026 को 15:30 बजे
3. ऑनलाइन बोलियां / निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय : 14.07.2026 को 15:00 बजे
4. निविदाओं को ऑनलाइन खोलने की तिथि और समय : 15.07.2026 को 15:30 बजे

विवरण के लिए हमारी वेबसाइट http://iwai.nic.in और http://eprocure.gov.in/eprocure/app देखें लेकिन ऑनलाइन दस्तावेज http://eprocure.gov.in/eprocure/app के माध्यम से जमा होगा।

हस्ता/–
निदेशक

पुलिस अभिरक्षा से फरार किशोर की मौत

मध्य बिहार ग्रामीण बैंक में ग्राहक से चोरी के आरोप में पकड़ा गया था जहानाबाद का किशोर

ट्रेन की चपेट में आने से मौत

- जहानाबाद के बराबर पहाड़ी के नीचे तंबू में रहने वाला था किशोर
- एसडीपीओ मामले की कर रहे मानिटरिंग, कई बिंदुओं पर जांच जारी

संवाद सूत्र, परैया (गया): पुलिस अभिरक्षा से मंगलवार की सुबह फरार 13 वर्षीय बाल बंदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। थाना से भागने के कुछ समय बाद उसका क्षत-विक्षत शव प्रभुआ गांव के पास गया–डीडीयू रेलखंड पर पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान जहानाबाद जिला के बराबर पहाड़ी के नीचे तंबू में रहने वाले किशोर के रूप में हुई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोमवार को बैंक में एक ग्राहक से चोरी के आरोप में पकड़े गए 13 वर्षीय किशोर को परैया थाने में रखा गया था। उसकी देखरेख के लिए दो चौकीदार तैनात किए गए थे, लेकिन मंगलवार की सुबह वह वहां से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी कि तभी प्रभुआ गांव के पास एक बच्चे का क्षत-विक्षत शव मिलने की सूचना मिली। शव की शिनाख्त उसी फरार बाल बंदी के रूप में की गई है।

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह हादसा है या इसके पीछे कोई और वजह है। थाना की अभिरक्षा में रहे बंदी के फरार होने और फिर उसकी मौत होने के बाद टिकारी एसडीपीओ सुशांत कुमार चंचल खुद मामले की मानिटरिंग कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी परैया थाना पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से पूछताछ की जा रही है। परैया थानाध्यक्ष सुनीता कुमारी ने बताया कि मध्य बिहार ग्रामीण बैंक में ग्राहक से चोरी के मामले में बाल बंदी को पकड़ा गया था। लेकिन चौकीदार की लापरवाही के कारण वह फरार हो गया, जिसके बाद रेलखंड पर उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी वरीय अधिकारी को दी गई है।

गौरतलब है कि सोमवार को दखनेर निवासी निवास सिंह परैया स्थित मध्य बिहार ग्रामीण बैंक में पैसे जमा करने गए थे। इसी दौरान इस किशोर ने निवास सिंह के झोले को काटकर उसमें रखे सौ–सौ रुपये के चार बंडल निकाल लिए थे और भागने लगा था। भनक लगते ही निवास सिंह ने तत्परता दिखाते हुए उसे बैंक के बाहर सेंधाय दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस इस लड़के से पूछताछ कर उसके पूरे गैंग और अन्य सदस्यों का पता लगाने की कोशिश कर रही थी, तभी उसकी मौत की सूचना मिली।

इमामगंज में सड़क दुर्घटना में एक की मौत से कोहराम

दुखद

संवाद सूत्र, जागरण● इमामगंज: थाना क्षेत्र के कोचवा–दरगंध मुख्य सड़क पर सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में 16 वर्षीय युवक विक्की कुमार की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। सभी लोग दरगंध गांव से टेंट का सामान गिराकर घर लौट रहे थे, तभी कोचवा नहर के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घायलों में बांकेबाजार थाना क्षेत्र के बेनु बिगहा गांव के नरेंद्र पासवान (40), कोठी थाना क्षेत्र के सोवही गांव के सुनील कुमार (35) और बांकेबाजार के प्रमेन्द्र कुमार (20) शामिल हैं। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को इमामगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। डा. राजकुमार ने बताया कि नरेंद्र पासवान की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कालेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया गया। अन्य दो घायलों का इलाज इमामगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में विक्की कुमार की मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कालेज भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है, लेकिन पीड़ित द्वारा अभी तक आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन के बाद मामले की जांच की जाएगी। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के स्वजनों में कोहराम मच गया है।

महिला की मौत पर अस्पताल में तोड़फोड़, एम्बुलेंस क्षतिग्रस्त

- गलत इंजेक्शन दिए जाने के कारण महिला की मौत होने का आरोप
- प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने आरोपों को निराधार बताया

संवाद सूत्र जागरण● कोंच: सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को असमुचित इलाज से एक महिला की मृत्यु होने पर स्वजनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की। इस दौरान एक एम्बुलेंस को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, खजूरी पंचायत के दरवेशी बाजार निवासी जितेंद्र सिंह की पत्नी सोमवार देर रात सांसों की इलाज के लिए आई थीं। महिला हृदय रोग से पीड़ित बताई जा रही थीं। स्वजनों का आरोप है कि गलत इंजेक्शन दिए जाने के कारण महिला की मौत हुई। उनका कहना है कि मरीज को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया था, लेकिन एम्बुलेंस चालक दस मरते की हालत में थे, जिससे समय पर इलाज नहीं मिल सका। आक्रोशित स्वजनों ने एम्बुलेंस में तोड़फोड़ की। एम्बुलेंस चालक मिथलेश कुमार ने बताया कि मरीज को रेफर किए जाने के बाद एम्बुलेंस अस्पताल के सामने खड़ी थी, और महिला की मौत एम्बुलेंस के रवाना होने से पूर्व हुई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने आरोपों को निराधार बताया।

समाचार सार

ओझा के झांसे में फंसाने के आरोप में गिरफ्तार

संवाद सूत्र, जागरण● बांकेबाजार: प्रखंड मुख्यालय स्थित एक किराना दुकान पर मंगलवार को अफरा-तफरी मच गई, जब झारखंड से आए कुछ महिला-पुरुषों ने दुकानदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया। इस दौरान दुकानदार की पिटाई भी की गई। सूचना मिलने पर बांकेबाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सोतापनी निवासी अभय कुमार राय के रूप में हुई है, जो बांकेबाजार में किराना दुकान चलाता है। आरोप है कि वह जंगल क्षेत्र में स्वयं को ओझा-भगत बताकर लोगों का इलाज करने का दावा करता था। आरोप लगाया गया है कि उसने अपने नाबालिग बेटी की तबीयत खराब होने पर रविवार की रात परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आरोपी के पास पहुंचे थी। आरोप है कि वहां किसी खाद्य पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर परिवार के लोगों को अचेत कर दिया गया। आरोपित ने नाबालिग को अलग ले जाकर उसके साथ अनुचित हरकत करने का प्रयास किया। किसी तरह नाबालिग अपनी मां के पास पहुंची।

झारखंड में शराब के साथ नालंदा का युवक गिरफ्तार

संवाद सूत्र, जागरण● फतेहपुर: रेलवे सुरक्षा बल के आरक्षण सतर्क के तहत मंगलवार को कोडरमा रेलवे स्टेशन पर एक युवक को अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। प्लेटफार्म के फुट ओवरब्रिज के पास संदिग्ध अवस्था में खड़े गौतम कुमार (24 वर्ष), ग्राम भगवानपुर नहर बिन्हा, थाना नालंदा, जिला नालंदा (बिहार) के बैग की तलाशी में विभिन्न ब्रांड की 20 बोतल शराब और केन बीयर बरामद हुई। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि आवश्यक कागजात नहीं दिखाने पर शराब जब्त कर युवक को गिरफ्तार किया गया।

मारपीट के मामले में चार बदमाश हुए गिरफ्तार

संवाद सूत्र, जागरण● बाराचट्टी: बाराचट्टी थाना पुलिस ने मारपीट के एक मामले में चार बदमाशों को मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में शेरघाटी न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान अर्जुन यादव, व्यास यादव, उज्जवल कुमार और नीतीश कुमार के रूप में हुई है। सभी बाराचट्टी थाना क्षेत्र के कुंडली गांव के निवासी हैं। बाराचट्टी थानाध्यक्ष अमरेंद्र किशोर ने बताया कि मारपीट के मामले में चारों की तलाश की जा रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर सभी बदमाशों को गिरफ्तार किया।

टिकारी में 105 वर्षीय बुजुर्ग का निधन

सुशीला देवी (फाइल फोटो)●सौजन्य - स्वजन

संवाद सहयोगी, जागरण● टिकारी: पत्रकार अभिलाषा द्विवेदी की दादी, सुशीला देवी, का 105 वर्ष की आयु में सोमवार की रात निधन हो गया। उनका निधन तिलाईगंज स्थित पैतृक आवास पर हुआ। मंगलवार को मोरहर नदी के डुमरसन घाट पर पूरे वैदिक रीति-रिवाजों के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें उनके पुत्र अधिवक्ता राजेश द्विवेदी ने मुखाग्नि दी।

झालावाड़ केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड

क्रमांक - जेसीबीएल/स्था/ आईटी/2026-267 दिनांक - 24/06/2026

निविदा सूचना

बैंक शाखाओं में CCTV सेटअप इंस्टालेशन करवाने जाने हेतु NIT NO - 001/2026-27 द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र निर्धारित दिनांक 24.07.2026 को सायं 05:00 बजे तक निर्धारित निविदा अनुसार बैंक प्रधान कार्यालय, सहकार भवन, NH-52, झालावाड़–326001 में भिजवाये जा सकते हैं। विस्तृत जानकारी बैंक की वेबसाइट http://www.ccbjhalawarbank.in एवं SPPP Portal - http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB Code - JKS2627A0004, UBN No. - JKS2627GLOB00004

प्रबंध निदेशक

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA
(पत्तन, पोत एवं जलमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
ए-13, सेक्टर-1, नोएडा-201301 (यू.पी.)

सूचना दिनांक: 24.06.2026

संदर्भ: रोजगार सूचना संख्या IWAI-13013/2024-ADMN RECTT-Part(1) दिनांक 18.02.2026

उपरोक्त संदर्भित रोजगार सूचना के क्रम में, प्रतिनियुक्ति के आधार पर 03 वर्ष की अवधि के लिए निदेशक के 01 रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 17 जुलाई, 2026 कर दी गई है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया IWAI की वेबसाइट www.iwai.nic.in पर जाएं।

ह०/–
सचिव

ipsgroup.in
40 YEARS OF LEGACY
TRUSTED BY GEN-Z
IPS ACADEMY
KNOWLEDGE • SKILL • VALUES
SCHOLARLY EPIC BY AN IITian
GROUP OF EDUCATIONAL INSTITUTES
INDORE | SANWER | JHABUA
COURSES
ARCHITECTURE | ENGINEERING | PHARMACY
MANAGEMENT | COMPUTERS | LAW
COMMERCE | SCIENCE | FINE ARTS
PERFORMING ARTS
JOURNALISM & MASS COMM
56+ COURSES
563+ COMPANIES IN CLOSED CAMPUS
13+ DEPARTMENTS
360° INDUSTRY EXPOSURE
58+ ACRE CAMPUS
500+ FACULTY MEMBERS
50+ MODERN LABS & STUDIOS
4 CBSE SCHOOLS
52 LACS HIGHEST PACKAGE
4 COLLEGE CAMPUSES
4 CRORE HISTORIC PACKAGE
100000+ ALUMNI ACROSS THE GLOBE
NBA Accredited UG Engineering Courses
NAAC Accredited
UGC Autonomous College-Committed to Timely Exam & Result Declaration
AICTE Approved & RGPV Affiliated
KNOWLEDGE VILLAGE, Rajendra Nagar, AB Rd, INDORE. Ph: 99775-11161

गेल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

आइए, भारत का गैस नेटवर्क बनाइए
अपने व्यवसाय को नई ऊँचाइयाँ दीजिए

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रण सूचना

गेल (इंडिया) लिमिटेड अपने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) प्रोजेक्ट्स के अंतर्गत लास्ट माइल कनेक्टिविटी (LMC) एवं पीई पाइपलाइन निम्नलिखित शहरों में बिछाने से संबंधित विभिन्न कार्यों हेतु योग्य ठेकेदारों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित करता है:

वाराणसी • पटना • रांची • जमशेदपुर • कटक • भुवनेश्वर

कार्य का स्वरूप: PNG से संबंधित LMC एवं PE पाइपलाइन बिछाने के कार्य।

पात्रता एवं चयन: GAIL टेंडर पोर्टल (www.gailtenders.in) और वेबसाइट www.gailonline.com पर EOI सेक्शन में विस्तृत EOI देखें।

व्यवस्था: पात्रता मानदंडों की पूर्ति के अधीन पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर।

स्कैन करें विस्तृत EOI देखने तथा बोली जमा करने एवं संबंधित जानकारी के लिए

बोली जमा करने की तिथि: शुक्रवार, 03.07.2026 से शुरू

समय: प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक (कार्य दिवसों में)

कट–ऑफ तारीख: 05.07.2026, या आवश्यक संख्या पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो।

www.gailonline.com #EnergizingPossibilities हमें फॉलो करें:

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA
(Set up by an Act of Parliament)
'ICAI Bhawan', Indraprastha Marg, New Delhi-110 002

The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) is a statutory body set up in 1949 by an Act to regulate and develop the Profession of Chartered Accountancy in India. ICAI invites applications for "BRANCH INCHARGE" positions under its Branch Human Resources Scheme, 2022 at various Branches of Regional Councils of ICAI.

For detailed advertisement please visit https://www.icai.org/post/career-in-icai

Submission of Applications through online portal from 3rd July'2026 to 19th July'2026

Positions are open in Uttar Pradesh: Aligarh, Bareilly, Bulandshahr, Gautam Budh Nagar, Ghaziabad, Gorakhpur, Jhansi, Lucknow, Mathura, Meerut, Moradabad, Muzaffarnagar, Saharanpur, Varanasi. Bihar: Bhagalpur, Darbhanga. Jharkhand: Jamshedpur. Uttarakhand: Dehradun, Haldwani. Madhya Pradesh: Gwalior, Neemuch, Satna. Rajasthan: Beawar, Bharatpur, Bhiwadi, Chittorgarh, Churu, Hanumangarh, Jaipur, Jhunjhunu, Jodhpur, Kishangarh, Nagaur, Sikar, Sriganganagar, Tonk, Udaipur. Chattisgarh: Bilaspur, Bhilai, Korba, Raigarh, Raipur. Haryana: Ambala, Bahadurgarh, Bhiwani, Faridabad, Gurugram, Kaithal, Karnal, Rewari, Rohtak, Sirsa, Yamunanagar. Punjab: Bathinda, Jalandhar, Ludhiana, Mandi Gobindgarh, Patiala, Sangrur. Jammu & Kashmir: Jammu. Himachal Pradesh: Shimla & Chandigarh. Besides these, positions at other locations are given in the detailed advertisement.

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान
(ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद–500030

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (NIRDPR), ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संस्था, "दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन" (DAY-NRLM) के तहत 'मिशन मैनेजर (आजीविका)' और 'जूनियर मिशन एग्जीक्यूटिव' के पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त करना चाहती है। नीचे बताए गए पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

क्र. सं.	पद का नाम	पदों की सं.	पारिश्रमिक
1	मिशन मैनेजर (आजीविका)	1	₹1,00,000/– प्रतिमाह
2	जूनियर मिशन एग्जीक्यूटिव	1	₹55,000/– प्रतिमाह

नौकरी के विवरण, पात्रता मानदंड, ऑनलाइन आवेदन जमा करने और अन्य जानकारी के लिए कृपया http://career.nirdpr.in/ पर जाएं। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15/07/2026 है।

विज्ञा. सं.: 12/2026
फ़ाइल सं.: NIRD&PR-NRLMRC/REC/2018-19-Part(1)
Comp.no.: 16012

हस्ता./–
सहायक निदेशक
प्रशासन (अनुभाग-I)

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)
क.रा.बी.नि. ESIC
पंचदीप भवन, सी.आई.जी. मार्ग, नई दिल्ली-110002
PANCHDEEP BHAWAN, C.I.G. MARG, NEW DELHI-02
E-mail: jd-rectt@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in

व्यक्तिगत कार्यनीतिक परामर्शदाताओं की नियुक्ति

श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा वरिष्ठ कार्यनीतिक परामर्शदाता के एक पद को संविदा आधार पर भरने का प्रस्ताव है।

वेतन संरचना, आयु, पात्रता मानदंड – शैक्षिक अर्हता, अनुभव आदि और अन्य निबंधन एवं शर्तों के विवरण वाला विस्तृत विज्ञापन क.रा.बी.निगम की वेबसाइट www.esic.gov.in पर उपलब्ध है। उपर्युक्त पदों के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को विस्तृत विज्ञापन देखने की सलाह दी जाती है।

आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर है।

हस्ता/–
संयुक्त निदेशक (भर्ती)

पूर्व मध्य रेल

आवश्यक सूचना

परमानंदपुर – नयागांव स्टेशन के मध्य स्थित रेलवे समपार संख्या – 9/C पर LHS निर्माण के क्रम में Approach road के Alignment को सीधा करने हेतु पुराना Approach road पर सड़क यातायात बंद रखने के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि परमानंदपुर – नयागांव स्टेशन के मध्य स्थित रेलवे समपार संख्या–9/C पर LHS निर्माण कार्य प्रगति पर है। LHS निर्माण के क्रम में Approach road के Alignment को सीधा करने हेतु पुराना Approach road को काटकर नये Approach road से जोड़ा जाना है, जिसके लिए पुराने Approach road रोड पर सड़क यातायात को बंद करना अतिआवश्यक है, इसलिए उक्त कार्य को सम्पन्न करने हेतु दिनांक 01.07.2026 सुबह 08:00 बजे से दिनांक 31.07.2026 संध्या 20:00 बजे तक सड़क यातायात के लिए पूर्णरूपेण बंद रखा जाएगा।

उपरोक्त बंद अवधि में सड़क वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था निम्न प्रकार से होगी–

परमानंदपुर–नयागांव स्टेशन के मध्य स्थित रेलवे समपार संख्या–9/C के बदले निर्माण किये गये एल०एच०एस० (LHS) से होते हुए मुख्य सड़क से जुड़ा जा सकता है।

परमानंदपुर–नयागांव स्टेशन के मध्य स्थित रेलवे समपार संख्या–9/C पर कार्य के क्रम में परिवर्तित मार्ग का रफ स्केच। (यह स्केच स्केल पर आधारित नहीं है।)

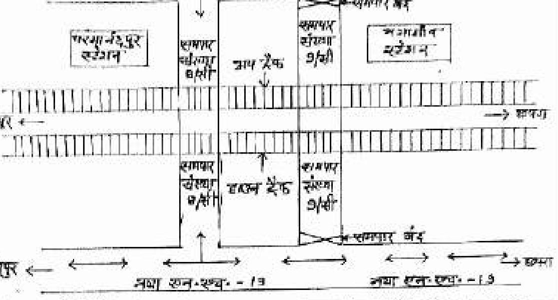

पीआर/0476/एसईई/इंजी./एन/26–27/180 सहायक मंडल इंजी. (लाईन), पूर्व मध्य रेल/सोनपुर

सुधार की संभावना सदैव विद्यमान रहती है

व्यर्थ का विरोध पत्र

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के खिलाफ 23 विपक्षी दलों के नेताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखने का औचित्य समझना कठिन है। इस पत्र का एकमात्र उद्देश्य यही जान पड़ता है कि विपक्षी दल येन-केन-प्रकारेण एसआइआर के मुद्दे को हवा देते रहना चाहते हैं, ताकि यह माहौल बनाने में आसानी हो कि चुनाव आयोग एसआइआर की प्रक्रिया के जरिये भाजपा को कथित तौर पर लाभ पहुंचा रहा है। विपक्षी दलों की ओर से यह आरोप तबसे लगाया जा रहा है, जबसे बिहार में एसआइआर कराने का फैसला किया गया। बिहार में एसआइआर के खिलाफ विपक्षी दलों ने यह कहते हुए आसमान सिर पर उठा लिया कि वोटर लिस्ट से उनके समर्थक मतदाताओं के नाम जानबूझकर काटे जा रहे हैं, लेकिन वे इसके पक्ष में कोई प्रमाण नहीं दे सके। इतना ही नहीं, वे ऐसे मतदाताओं को भी सामने नहीं ला सके, जिनका नाम कथित तौर पर अनुचित तरीके से वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था। एसआइआर के खिलाफ विपक्षी दलों के तमाम धरना-प्रदर्शन के बाद भी बिहार के लोगों को वह मुद्दा आकर्षित नहीं कर सका तो इसीलिए कि उन्हें विपक्ष के आरोपों में कोई दम नहीं दिखा। बिहार विधानसभा के चुनाव नतीजे एसआइआर पर वहां की जनता की राय भी थे, लेकिन विपक्षी दलों ने उसकी अनदेखी कर इस मुद्दे को तूल देना जारी रखा और वोट चोरी को अपना नारा बना लिया। बिहार के बाद चुनाव वाले अन्य राज्यों में भी एसआइआर हुआ, लेकिन विपक्षी दलों को इस प्रक्रिया में खोट केवल बंगाल और असम में दिखी, क्योंकि वहां भाजपा ने जीत हासिल की। केरल और तमिलनाडु में हुए एसआइआर को लेकर वे मौन रहे, क्योंकि वहां के चुनाव नतीजे उनके अनुकूल रहे। विपक्षी दलों ने एसआइआर को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी, लेकिन वे वहां भी यह सिद्ध नहीं कर सके कि इस प्रक्रिया को सही तरीके से संपन्न नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में मुंह की खाने के बाद भी विपक्षी दलों को चैन नहीं है। समझना कठिन है कि जिस मामले में सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के पक्ष में फैसला दे चुका और एसआइआर को उसका संवैधानिक अधिकार बता चुका, उसे लेकर प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखने से क्या हासिल होने वाला है? क्या ऐसा कुछ है कि इस पत्र के आधार पर सुप्रीम कोर्ट एसआइआर पर अपना फैसला बदल देगा? एसआइआर का उद्देश्य मतदाता सूचियों को सही करना है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए ऐसा करना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। आखिर विपक्षी दलों की ओर से इस आवश्यक कार्य का विरोध क्यों किया जा रहा है? ऐसा तो है नहीं कि देश में पहली बार एसआइआर के जरिये मतदाता सूचियों को दुरुस्त किया जा रहा हो। यह काम तो पहले भी होता रहा है।

भरोसा बना रहे

प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों से छात्र निराश हैं। वे परीक्षा से तो विमुख हो ही रहे, उनके मन में सवाल भी उठ रहे कि क्या बिना गड़बड़ी के परीक्षाएं संपन्न हो ही नहीं सकतीं। यह सवालिया निशान सिस्टम पर गंभीर सवाल है। शासन को हर हाल में यह सुनिश्चित करना होगा कि आने वाली परीक्षाओं में कोई गड़बड़ी सामने न आए। हाल में संपन्न हुई सिपाही भर्ती परीक्षा में जिस तरह से कई जिलों के नाम जुड़ रहे, कई अभ्यर्थी और परीक्षा कराने वाले गिरफ्तार हो रहे, इससे पता चल रहा कि साजिश रचने वालों की जड़ें कितनी गहरी हैं। शासन को विषबेल की तरह पसर रहीं संगठित-सुनियोजित सिंडिकेट की जड़ों को समूल नष्ट करना होगा। यह तभी संभव है जब मामले की गहराई से जांच हो। दोषी एक-एक व्यक्ति पकड़ाए और वह ऐसी कड़ी सजा पाए कि भविष्य में ऐसा करने से पहले परीक्षा माफिया की रूह कांप जाए। परीक्षा माफिया के पूरे रैकेट को ध्वस्त करना जरूरी है, ताकि युवाओं में भरोसा जगे कि उनका चयन योग्यता के आधार पर ही होगा, किसी 'सेटिंग' से नहीं। परीक्षा प्रणाली जितनी पारदर्शी होगी, भविष्य की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी।

प्रतियोगी परीक्षाओं में कोई गड़बड़ी न हो इसे सुनिश्चित कराना बहुत जरूरी है

कह के रहेंगे | माधव जोशी

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या श्रेयस अय्यर टी-20 कप्तान के रूप में नाकाम होते दिख रहे हैं?

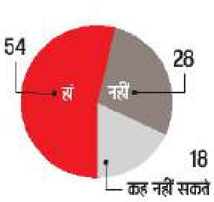

आज का सवाल

क्या जेईई की तरह नीट-यूजी परीक्षा भी दो चरणों में होनी चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है। [सभी आंकड़े प्रतिशत में]

मोदी की समावेशी राजनीति

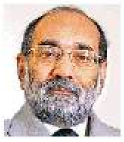

डा. एके वर्मा

मोदी ने 'वसुधैव-कुटुंबकम्' की संकल्पना के कुशल प्रयोग से जनता, राजनीतिक दलों और विश्व समुदाय का भी दिल जीता है

हाल के दौर में राजनीतिक परिदृश्य बहुत तेजी से बदल रहा है। क्षेत्रीय दल अप्रासंगिक हो रहे हैं। देश-विरोधी शक्तियों पर लगाम लगती दिख रही है। भारत का बढ़ता प्रभाव, प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता तथा वैश्विक कूटनीतिक मंचों पर भारत की प्रभावी भूमिका इसका संकेत है। काफी समय बाद वैश्विक कूटनीतिक चौसर पर भारत एक चतुर 'प्रो-एक्टिव' खिलाड़ी के रूप में उभरा है। इस सबके बीच नरेन्द्र मोदी ने लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री होने का रिकार्ड बनाया और भाजपा ने उसका जश्न भी मनाया। देखा जाए तो 2014 में जब मोदी ने प्रधानमंत्री पद संभाला तब विरासत में उन्हें कमजोर राजनीतिक व्यवस्था, रिमोट कंट्रोल वाली सरकार, आर्थिक बदहाली, निराशा, भ्रष्टाचार और घोटालों का अंबार मिला। विकास और सुशासन उपेक्षित हो गए थे। सुरक्षा और प्रतिरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा था, लेकिन ये सब राष्ट्रीय विमर्श के मुद्दे बन ही नहीं पा रहे थे। विरासत में मिली ऐसी सरकार चलाना ही चुनौती थी, इन मुद्दों से निपटना तो बहुत दूर की बात थी। गुजरात दंगों का दंश झेल रहे मोदी के लिए देश-विदेश में अपनी छवि को लेकर भी चुनौतियां थीं। 26 मई, 2014 को मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और जिस लगन, विजन, परिश्रम और सेवाभाव से उन्होंने देश और जनता के लिए काम किया, उससे समर्थक तो क्या, विरोधी भी उनके कायल हो गए। कांग्रेस द्वारा लंबे समय तक शासन करने से 'शासकीय इकोसिस्टम' पर कांग्रेस की पकड़ थी। ऐसी स्थिति में नई लीक पर चलना, नई ऊंचाई पाना, देश की दशा और दिशा बदलना, वैश्विक मंचों पर भारत की बातों का वजन दर्ज कराना प्रधानमंत्री के लिए गंभीर चुनौती थी, लेकिन विगत 12 वर्षों के दौरान उनके नेतृत्व में बहुत कुछ ऐसा हुआ, जो पहले अकल्पनीय था। जिन्हें लगता है कि आज लोकतंत्र, संविधान और गणतंत्र खतरे में है, उनका तो कुछ किया नहीं जा सकता, लेकिन जनता को सब दिखाई-सुनाई देता है, जिसने उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया। वैश्विक समुदाय की भी समझ कुछ ऐसी ही है, लेकिन मोदी ने ऐसा किया कैसे? उनकी उम्र 75 वर्ष है। पिछले 12 वर्षों में वे कभी थके दिखे हों, छुट्टी पर गए हों, किसी को ज्ञात नहीं। मोदी अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धियों पर भी असंतुष्ट रहते हैं तथा वे स्वयं अनुस्पर्धा, आशा और आत्मविश्वास का अद्भुत संगम हैं। उनकी सफलता का रहस्य समावेशी राजनीति में उनका अटूट विश्वास है, जो उन्हें राष्ट्र प्रथम और विकसित भारत के विराट लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की सामर्थ्य प्रदान करता है।

अवधेश राजपूत

मोदी ने अपनी समावेशी राजनीति को स्थानीय से वैश्विक स्तर तक विस्तार दिया है। उनकी समावेशी राजनीति त्रिस्तरीय है। प्रथम, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने हमेशा 140 करोड़ देशवासियों की बात की है। स्वयं को सदैव 140 करोड़ भारतीयों के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत किया है। सबका-साथ, सबका-विकास, सबका-विश्वास और सबका-प्रयास के संकल्प को हकीकत बनाया है। उन्होंने समाज को परिवार मान उसके मुखिया के रूप में लगातार प्रतिमाह जनता से अपने मन की बात की है। परिणामस्वरूप चुनाव-दर-चुनाव उन्हें जनता का आशीर्वाद मिलता रहा है। इसी से उन्होंने जातिवादी राजनीति को दरकिनार कर वर्ग-राजनीति की आधारशिला रखी है। महिला, किसान, युवा और गरीब-शोषित-वंचित वर्ग को लक्ष्य कर विकसित भारत की ओर कदम बढ़ाया है। परिणामस्वरूप कभी अछूत मानी जाने वाली भाजपा आज जनता की पहली पसंद बन गई है-न केवल केंद्र में, वरन 20 से अधिक राज्यों में आज मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा-राजग की सरकारें हैं। जाहिर है समाज के वे घटक जो कभी भाजपा से दूर थे, आज भाजपा में हैं। यह मोदी की लोकतांत्रिक समावेशी राजनीति का मास्टर स्ट्रोक है। द्वितीय, मोदी ने अपनी समावेशी राजनीति को अन्य दलों पर भी लागू किया है। वैसे तो राजग का गठन 1998 में हुआ, पर 2014 के बाद मोदी ने उसे मजबूती दी। 2014 और 2019 में पूर्ण बहुमत के बावजूद मोदी ने राजग की सरकारें बनाईं। घटक दलों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया। आज तेलुगु देसम पार्टी, जदयू, लोजपा, जनता दल (सेक्युलर), जनसेना, रालोद, राकांपा (अजीत), असम गण परिषद, अपना दल, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी आदि अनेक दल राजग में हैं। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव) के सांसद-विधायक जिस तरह राजग में आने और समर्थन देने को आतुर दिखे, उससे लगता है कि अनेक क्षेत्रीय दलों के सांसदों-विधायकों और कार्यकर्ताओं को विश्वास है कि मोदी के नेतृत्व में ही देश का भविष्य सुरक्षित है। ऐसे में, सपा और द्रमुक जैसे कुछ क्षेत्रीय दलों का चिंतित होना स्वाभाविक है, लेकिन जब समाज का एक बड़ा घटक किसी अन्य पार्टी की ओर खिसकता है, तो उससे निकले तमाम नेताओं को भी अपनी दलीय निष्ठाओं में परिवर्तन करना पड़ता है। तृतीय, वैश्विक स्तर पर भी मोदी ने समावेशी राजनीति की है। सबको मिलाया है, सबकी ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है, सबकी मदद की है और वैश्विक परिवार मानकर सबके यहां गए हैं। 2023 में जी-20 सम्मेलन में उन्होंने न केवल 'अफ्रीकी संघ' को स्थायी प्रतिनिधित्व देकर अफ्रीकी महाद्वीप का समावेशन किया, वरन 'वसुधैव-कुटुंबकम्' को सम्मेलन की 'थीम' रख भारतीय संस्कृति के समावेशी सनातन मूल्य 'विश्व-एक-परिवार' की पुनर्स्थापना भी की।

मोदी आज डोनाल्ड ट्रंप, व्लादिमीर पुतिन और शी चिनफिंग से एक-साथ बात कर सकते हैं। वे इजरायल और अरब देशों, दोनों से बात कर सकते हैं। वे रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में हैं। मोदी ने भारत को एक 'विश्वसनीय शक्ति' के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने विश्व-समुदाय का दिल जीता है, जिससे अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस समेत कई देशों ने मोदी को अपने देश के प्रतिष्ठित एवं सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है, जो भारत के सनातन मूल्य की स्वीकारोक्ति है। इस प्रकार मोदी ने 'वसुधैव-कुटुंबकम्' के कुशल प्रयोग से जनता, राजनीतिक दलों और विश्व समुदाय का भी दिल जीता है।

(लेखक सेंटर फार द स्टडी आफ सोसायटी एंड पालिटिक्स के निदेशक एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)
response@jagran.com

कसी जाए मंत्रियों के चयन की कसौटी

राजीव सचान

अप्रत्याशित फैसले लेना मोदी सरकार की विशेषता अवश्य है, लेकिन उसका हर ऐसा फैसला मास्टर स्ट्रोक नहीं होता

इन दिनों केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल-विस्तार की चर्चा जोरों पर है। माना जाता है कि अगले कुछ दिनों में मोदी सरकार अपने इस तीसरे कार्यकाल में पहली बार मंत्रिमंडल में विस्तार के साथ फेरबदल भी कर सकती है। इसका एक कारण तो यह है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के दो सदस्य पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा क्रमशः उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष बन गए हैं। दूसरा कारण दो मंत्रियों रवनीत सिंह बिट्टू और जार्ज कुरियन का राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होना है। इनमें कुरियन ने तो त्यागपत्र दे दिया है और वह मंजूर भी हो गया है। रवनीत सिंह बिट्टू ने अभी त्यागपत्र नहीं दिया, लेकिन यह कहा है कि अब वे अपना ध्यान पंजाब के आगामी विधानसभा चुनावों पर केंद्रित करेंगे। मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार-फेरबदल का एक संभावित आधार आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों का भाजपा में शामिल होना, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के छह लोकसभा सदस्यों का एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना में शामिल होकर सत्तापक्ष का संख्याबल बढ़ाना भी है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का संख्याबल इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सदस्य ममता बनर्जी से बगावत करके एक गुमनाम से दल नेशनल सिटिजंस पार्टी आफ इंडिया में शामिल होकर इस गठबंधन का हिस्सा बन गए हैं। इसी के साथ यह पार्टी राजग का सबसे बड़ा घटक बन गई है। उसने संख्याबल के मामले में तेलुगु देसम पार्टी, शिवसेना (शिंदे) और जनता दल-यू को भी पीछे छोड़ दिया है।

मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार-फेरबदल का एक अन्य कारण यह गिनाया जा रहा है कि अगले वर्ष सात राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं और केंद्रीय मंत्रिमंडल में इन राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जा सकता है। इस सबके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल-विस्तार की चर्चा इसलिए भी हो रही है कि मंत्रियों के लगभग दो वर्ष के कामकाज की समीक्षा संभावित थी। इस समीक्षा के तहत मंत्री पदोन्नत या पदावनत हो सकते हैं। पता नहीं ऐसा होगा या नहीं, लेकिन आसार इसलिए अधिक हैं, क्योंकि भाजपा के नए अध्यक्ष नितिन नबीन को भी अपनी टीम गठित करनी है और इसके तहत कुछ नेता संगठन से सरकार में और कुछ सरकार से संगठन में जा सकते हैं। चूंकि मोदी सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल में भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार होता रहा है, इसलिए इस बार भी ऐसा होना संभावित माना जा रहा है। अतीत में जब भी ऐसा हुआ है, तब कुछ केंद्रीय मंत्रियों की अप्रत्याशित रूप से छुट्टी हुई है और कुछ ऐसे चकित करने वाले चेहरे मोदी सरकार का हिस्सा बने, जिनके बारे में शायद ही किसी ने अनुमान लगाया हो।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल के आसार • फाइल

यह मोदी सरकार की विशेषता है कि वह अपने फैसलों से चौंकाती है और ऐसे फैसले केवल मंत्रियों के चयन के मामले में ही नहीं होते रहे। मुख्यमंत्रियों के चयन के मामले में भी यह देखने को मिलता रहा है। आखिर किसने सोचा था कि राजस्थान में पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बना दिए जाएंगे? ऐसा ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मामले में भी हुआ। मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों के अतिरिक्त राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष समेत अन्य अनेक पदों पर ऐसे लोग आए, जिनके बारे में किसी को भान नहीं था। आम लोगों और यहां तक कि राजनीतिक पंडितों के अनुमान से परे जाकर अप्रत्याशित फैसले लेना मोदी सरकार की एक खासियत अवश्य है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसका हर चौंकाने वाला फैसला सटीक यानी मास्टर स्ट्रोक ही होता हो।

यह सही है कि कोई भी सरकार हो, उसके प्रमुख को अपने मंत्रियों का चयन करते समय सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों का ध्यान रखना ही पड़ता है, लेकिन ऐसा करते समय भी योग्यता को प्रथम वरीयता दी जानी चाहिए, क्योंकि कोई सरकार अपने मंत्रियों के कामकाज के आधार पर ही जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में समर्थ हो सकती है। लगभग प्रत्येक सरकार के मंत्रिमंडल में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो केवल सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों में संतुलन बैठाने का काम करते हैं, लेकिन जब ऐसा करते समय योग्यता और दक्षता को सर्वोच्च वरीयता नहीं दी जाती, तो इसके दुष्परिणाम संबंधित सरकार के साथ जनता को भी भोगने पड़ते हैं। किसी के लिए भी यह कहना कठिन होगा कि मोदी सरकार के सभी मंत्री कसौटी पर खरे साबित उतरे हैं। एक सक्षम सरकार को अपने मंत्रियों और उनके मंत्रालयों के कामकाज की समीक्षा सतत करनी चाहिए, न कि साल-दो साल के अंतराल पर। इसी तरह इसका कोई औचित्य नहीं कि मंत्रियों को विधानसभा चुनावों का प्रभारी बना दिया जाए। यदि वे संगठन के लिए उपयुक्त हैं तो फिर उन्हें संगठन में स्थान दिया जाना चाहिए, न कि मंत्रिमंडल में। पिछले कुछ समय से यह एक चलन सा बन गया है कि जब भी कहीं विधानसभा चुनाव होते हैं तो महत्वपूर्ण केंद्रीय मंत्रियों को भी चुनाव प्रभारी या सह-प्रभारी बना दिया जाता है। हाल के विधानसभा चुनावों में भी यह देखने को मिला। क्या केंद्रीय मंत्रियों के पास इतना कम काम होता है कि वे अपने मंत्रालय का प्रभार छोड़कर पार्टी को विधानसभा चुनाव जिताने में लग जाएं?

(लेखक दैनिक जागरण में एसोसिएट एडिटर हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

वास्तविक विरासत

जीवन की अवधि सीमित है, लेकिन उसके प्रभाव को अवश्य असीमित किया जा सकता है। मानव के रूप में जीवन का मिलना भाग्य की बात है और मृत्यु होना केवल आयु-कर्म के पूरा होने की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, परंतु मृत्यु के बाद भी लोगों के हृदय में जीवित रहना पूरी तरह से हमारे कर्मों पर निर्भर करता है। हमारे विचार, हमारे कर्म और दूसरों के प्रति हमारा निःस्वार्थ प्रेम ही वह वास्तविक विरासत हैं, जो हमारे न रहने पर भी संसार में हमारी उपस्थिति की अनुभूति कराती है।

अपने व्यक्तित्व से एक अमिट छाप छोड़ना ही दूसरों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करना है। इतिहास साक्षी है कि कई क्षेत्रों में लोगों ने काल की सीमाओं को लांघा है। कलाकार और लेखक अपनी रचनाओं के माध्यम से अमर हो जाते हैं। उनकी कालजयी कृतियां आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती हैं। सूरदास, गोस्वामी तुलसीदास और महर्षि वाल्मीकि जैसे महान संत-कवि अपने योगदान के कारण आज भी जन-जन के मन में जीवंत हैं। विज्ञानियों की उपलब्धियों का हम आज भी आभार प्रकट करते हैं। राष्ट्र-समाज के लिए बलिदान होने वाले सेनानियों का शौर्य उनकी कथा स्वयं कहता है।

यह भौतिक शरीर केवल बाहरी सुंदरता से नहीं, बल्कि आंतरिक सद्गुणों से ही सुशोभित होता है। समय बीतने के साथ लोग शायद हमारे द्वारा कही गई बातों को भूल जाएं, लेकिन वे यह कभी नहीं भूलेंगे कि वक्त की जरूरत पर हम उनके कितने काम आए थे। हमने बिना किसी स्वार्थ के लोगों में कितना प्यार बांटा? दूसरों की असफलताओं और दुखों में उन्हें कितनी सांत्वना दी? विकल्प हमारा ही है कि क्या हम केवल अपनी अंतिम सांस तक एक साधारण जीवन जीकर चले जाना चाहते हैं या फिर इस धरा पर एक ऐसी अमिट छाप छोड़ना चाहते हैं कि हमारे जाने के बाद भी हमारी स्मृतियां लोगों के दिलों में धड़कती रहें? यही वास्तविक विरासत होती है कि लोग आपको याद रखें।

डा. निर्मल जैन

पाठकनामा

pathaknama@pat.jagran.com

प्रगति का आधार है परिवार

डा. ऋतु सारस्वत ने अपने आलेख 'और बढ़ी संतान से संवाद की महत्ता' में परिवार के सदस्यों में संवाद के महत्व को बखूबी दर्शाया है। उन्होंने मनोवैज्ञानिक अवधारणाओं एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से किशोरों को दी जाने वाली आवश्यक देखरेख के विषय में बताया है। जो संस्कार बालक अपने परिवार से प्राप्त करता है, उन्हीं संस्कारों को वह आगे प्रसारित करता है। जैसा पेड़ होगा, फल भी वैसे ही होंगे। जिन परिवारों में किशोर-किशोरियों को अभिव्यक्ति का उचित परिवेश नहीं मिल पाता, वे अपने 'पीयर ग्रुप' में अधिक रहना पसंद करते हैं। उन्हें अपने इसी तथाकथित पीयर ग्रुप में अभिव्यक्ति, आजादी, नवाचार, क्रांति, नए प्रयोग, सैर-सपाटे आदि के विचार आते हैं, लेकिन साथ ही यह अवस्था भटकाने वाली भी होती है। आज की इस एकाकी पारिवारिक जीवनशैली में इन नव-किशोरों का परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से दूर हो जाना अलगाव और भटकाव की इस समस्या को और बढ़ा देता है। ऐसे में आवश्यक है कि इन किशोरों को अपने मूल संस्कारों एवं संस्कृति से जोड़े रखा जाना चाहिए। विद्यालय में सात-आठ घंटे बिताने के बाद बालक का शेष समय घर पर या आसपास ही बीतता है। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका को भी नहीं नकारा जा सकता, एक उचित एवं आदर्श परिवेश परिवार से ही प्राप्त होता है। इसीलिए कहा भी जाता है कि बच्चों को धन आधा एवं समय दोगुना दिया जाना चाहिए। हमारे परिवारों में 'एक सबके लिए' और 'सब एक के लिए' का संस्कार-भाव व्याप्त है। एक ओर, जहां पूरे विश्व के लोग भारत की 'पारिवारिक व्यवस्था' की प्रशंसा करते नहीं थकते, तो वहीं अब हम भारतीय अपने इन मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। अब यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि किस प्रकार इस पारिवारिक सुव्यवस्था, सहयोग और संवाद को कायम रख सकते हैं। आगे चलकर हमें इन्हीं संस्कारों और मूल्यों के आधार पर राष्ट्र के निर्माण में सहयोगी बनना है।

अजय कुमार कुमावत, दिल्ली विश्वविद्यालय

न्याय की उम्मीद बढ़ी

देर के साथ अंधेर भी लेख पढ़कर यह महसूस हुआ कि आखिरकार सरला भट्ट को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। अप्रैल 1990 में उनके साथ जिस क्रूरता का व्यवहार किया गया, उसने पूरे कश्मीरी पंडित समुदाय में भय का माहौल पैदा कर दिया। हालात ऐसे बने कि बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को अपनी जन्मभूमि छोड़कर पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। जबकि देश में ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जिनमें दशकों बाद भी गंभीर मामलों की जांच कर न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ी है। किसी भी समुदाय के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार न केवल संविधान की भावना के विरुद्ध है, बल्कि न्याय व्यवस्था में लोगों के विश्वास को भी कमजोर करता है। देर से ही सही, यदि न्याय की प्रक्रिया आगे बढ़ी है तो उसे निष्पक्ष और तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना भी उतना ही आवश्यक है।

- मुकेश कुमार मनन, पटना

नशे पर हो प्रहार

आज नशीले द्रव्यों की गंभीर चुनौती का देश सामना कर रहा है। पश्चिम में स्थित गोल्डन क्रिसेंट और पूर्व में गोल्डन ट्राइंगल के बीच स्थित होने के कारण भारत तस्करी के प्रमुख मार्गों में शामिल है। ड्रोन, डार्कनेट और क्रिप्टोकरेंसी जैसे आधुनिक माध्यमों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। ऐसे समय में केवल दंडात्मक दृष्टिकोण अपनाना पर्याप्त नहीं है। वर्तमान व्यवस्था में नशीले पदार्थों की जब्ती और छोटे स्तर के उपभोक्ताओं की गिरफ्तारी पर अधिक जोर दिया जाता है, जबकि बड़े तस्करों और संगठित गिरोहों पर अपेक्षित कठोर कार्रवाई कम दिखाई देती है। इसका परिणाम यह होता है कि नशे की गिरफ्त में आए अनेक युवा आपराधिक रिकार्ड के कारण शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर खो देते हैं, जबकि नशे का अवैध कारोबार जारी रहता है। नशा मुक्ति की मौजूदा व्यवस्था में भी कई कमियां हैं। अधिकांश पुनर्वास केंद्र बड़े शहरों तक सीमित हैं, जबकि ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में इनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। यदि वास्तव में नशा मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करना है, तो सरकार, स्वास्थ्य तंत्र, परिवार, विद्यालय और समाज सभी को मिलकर काम करना होगा। सामाजिक कलंक को समाप्त करते हुए, गुणवत्तापूर्ण उपचार और पुनर्वास सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना आवश्यक है।

- प्रसिद्ध यादव, बाबूचक, फुलवारी, पटना

X पोस्ट

कांग्रेस का एक आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल अयोध्या में राम मंदिर का दौरा करने जा रहा है। काश कि उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के बाद ही ऐसा किया होता।

पल्लवी घोष@_pallavighosh

कालनेमियों से सावधान। चंदा चोरों को सख्त सजा मिलनी चाहिए, लेकिन अचानक से जिन्हें भगवान राम से इतना प्यार हो गया है, ऐसे घड़ियाली आंसू बहाने वालों से सतर्क रहें। रामद्रोही न बदले हैं और न बदलेंगे।

मीनाक्षी जोशी@IMinakshiJoshi

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के बारे में लोगों ने जाने कौन-कौन से छोटे-छोटे देशों का नाम खोजकर बताया था कि अब उन्होंने वहीं की नागरिकता ले ली है। अब राजीव कुमार एचडीएफसी बैंक की कमान संभालते हुए नजर आ सकते हैं।

हर्ष वर्धन त्रिपाठी@MediaHarshVT

हमारे सामने एक बड़ा संकट खड़ा है। इसे अल नीनो का दुष्प्रभाव बताया जा रहा है। किसान खेतों को सूखते देखकर परेशान है। ईरान युद्ध के दुष्परिणामों से अभी हम उबरे भी नहीं कि एक नई मुश्किल मंडराने लगी है।

संजय निरुपम@sanjaynirupam

जनपथ

काफी पीता था कभी मनमोहन के साथ,
आज उसी यासीन के बंधे हुए हैं हाथ।
बंधे हुए हैं हाथ पाप सब आगे आए,
सजा दिलाकर शीघ्र उसे फांसी लटकाएं।
आरोपित जल्लाद न पाएं बिल्कुल माफी,
सब तिहाड़ में बैठ पिएं अब कड़वी काफी!

-ओम प्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान सम्पादक- स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान सम्पादक -संजय गुप्त
जागरण प्रकाशन लिमिटेड के लिये आनन्द त्रिपाठी द्वारा दैनिक जागरण प्रेस C-5, C-6 & 15 इंडस्ट्रियल एरिया, पाटलिपुत्रा, पटना - 800013 से प्रकाशित एवं मुद्रित, सम्पादक (बिहार/प. बंगाल)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, स्थानीय सम्पादक - आलोक मिश्रा * दूरभाष : 0612-2277071, 2277072, 2277073
E.mail : patna@pat.jagran.com, R.N.I. NO. BIHHIN/2000/03097* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी. आर. बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी पटना जीपीओ रजि. नं. R-10/NP-18/14-16 समस्त विवाद पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे। वर्ष 27 अंक 80

सीए के लिए बढ़ रहे मौके

अगर अवसर की बात करें तो हमारी अर्थव्यवस्था लगातार विकास कर रही है। अगर अर्थव्यवस्था अच्छा कर रही है तो इसका मतलब हमारा बिजनेस ग्रो कर रहा है। अगर बिजनेस ग्रो कर रहे हैं तो जाहिर है चार्टर्ड एकाउंटेंट की डिमांड और बढ़ेगी। आने वाले समय में सीए अगर एआइ और डाटा एनालिटिक्स आदि भी इस्तेमाल करने लगेंगे तो भविष्य में ऐसे पेशेवरों का ग्रोथ कभी नहीं रुकेगा। जीएसटी और इनकम टैक्स रिफार्म आने के बाद भी सीए की डिमांड अब ज्यादा बढ़ गई है, क्योंकि ऐसे पेशेवरों के पास टेक्निकल नालेज अच्छी होती है।

चार्टर्ड एकाउंटेंट डे (1 जुलाई) पर विशेष...

पटियाला के नूर सिंगला ने इस बार सीए फाइनल परीक्षा टाप की है। वह इस परीक्षा को पहले ही प्रयास में क्लियर करने में सफल रहे। बेहद कठिन माने जाने वाले सीए कोर्स की पढ़ाई/तैयारी उन्होंने कैसे की और कैसे वह परीक्षा पहले ही प्रयास में इतने अच्छे अंकों से क्लियर कर सके, इस बारे में उनसे बात की धीरेंद्र पाठक ने...

फोटो : मैग्नीफिक

सही स्टडी प्लान सीए करना आसान

नूर सिंगला
टापर, सीए फाइनल एग्जाम 2026

आप भी मेरी तरह सीए फाइनल एग्जाम को पहले ही प्रयास में क्लियर कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि अपनी पढ़ाई सही दिशा में करें। ऐसा नहीं है कि इसकी पढ़ाई करने वाले छात्र कठिन मेहनत नहीं करते हैं। वे मेहनत तो करते हैं, लेकिन सही दिशा में नहीं करते। इसलिए बहुत से छात्रों को यह फाइनल परीक्षा क्लियर करने में कई अटेम्प्ट लग जाते हैं। अगर सही दिशा में इसकी पढ़ाई करनी है तो आप सबसे पहले अपना एक स्टडी प्लान बनाएं। इस बात का ध्यान रखें कि हम जो पढ़ रहे हैं, वह हमें याद भी रहना चाहिए। ऐसा न हो कि हमें बार-बार रिवीजन करना पड़े, फिर भी कुछ याद नहीं रहे। आप सीए के जिस भी स्टेज की पढ़ाई कर रहे हैं, उसके लिए निम्न स्टडी एप्रोच जरूर फालो करें, ताकि अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे सकें।

फाउंडेशन की पढ़ाई: सीए की पढ़ाई तीनों चरणों (फाउंडेशन, इंटरमीडिएट व फाइनल) तीन चरणों से होकर पूरी होती है। मैंने तीनों चरणों के लिए अलग-अलग तरीके से पढ़ाई की। फाउंडेशन के दौरान मेरी पढ़ाई करने का तरीका थोड़ा अलग था, क्योंकि 12वीं के साथ इसके सिलेबस थोड़ा मैच करते थे। खासकर एकाउंटेंसी, इकोनामिक्स व मैथमैटिक्स इस कोर्स से बहुत मैच करता था। इससे हमारी अधिकांश तैयारी वहीं से हो गई थी। बाकी एक्स्ट्रा टापिक की तैयारी खुद से की। फाउंडेशन के लिए रोजाना मेरा सात से आठ घंटे पढ़ाई का लक्ष्य रहता था। मैंने 12वीं के साथ-साथ फाउंडेशन के भी एग्जाम दिए थे।

इंटरमीडिएट की पढ़ाई: इंटरमीडिएट के लिए रेगुलर कालेज जाता था। मैंने सात से आठ महीने तक सिर्फ इंटरमीडिएट की तैयारी की थी। इसके लिए रोजाना 10 से 12 घंटे तक इसकी पढ़ाई को समय देता था। यह पढ़ाई रात से लेकर सुबह छह- सात बजे तक करता था। इसके बाद सो जाता था, फिर दोपहर में जागता था। इस दौरान यही मेरा रोज का रूटीन रहा।

इंटर्नशिप के दौरान स्टडी प्लान: इंटरमीडिएट के बाद फाइनल परीक्षा से पहले दो वर्ष का इंटर्नशिप (आर्टिकलशिप) होता है। ऐसे में इस चरण में काम के साथ-साथ पढ़ाई भी करनी होती है। मैंने भी ऐसा ही किया। काम के साथ ही पढ़ाई पर भी पूरा ध्यान दिया। अक्सर होता यह है कि जब हम ट्रेनिंग कर रहे होते हैं तो पढ़ाई की तरफ ध्यान नहीं देते हैं। बस, काम सीखने पर ज्यादा ध्यान देते हैं, पर यही तरीका बाद में बैकफायर कर जाता है। मेरा आफिस टाइम सुबह 11 बजे से होता था और शाम को घर लौटने का कोई निश्चित समय नहीं होता था। आफिस से लौटने में कभी-कभी रात को 12 बज जाते थे और कभी-कभी दो भी बज जाते थे। ऐसे में मैं रोजाना आफिस से पहले वाले समय में छह से नौ बजे की क्लास लेता था। यह लगभग तीन घंटे की क्लास होती थी। इसके बाद थोड़ा समय होमवर्क पर देता था। बाकी पढ़ाई और होमवर्क सप्ताह के अवकाश में पूरा करता था। इंटर्नशिप के दौरान इससे ज्यादा समय देना संभव भी नहीं हो सकता है, क्योंकि इस दौरान काम भी करना होता है।

ऐसे बनाया फाइनल का स्टडी प्लान: दो साल की आर्टिकलशिप के बाद छह से सात महीने का समय फाइनल परीक्षा की तैयारी के लिए मिलता है। इस दौरान कम से कम नौ से 10 घंटे रोजाना पढ़ाई के लिए समय देना चाहिए। मैंने भी इसके लिए पूरा एक प्लान बना रखा था कि छह से सात महीने के दौरान कितने समय तक रिवीजन करना है, कितना माक लिखना है इत्यादि। चूंकि इंटर्नशिप के दौरान भी मैं रोजाना अपना स्टडी टार्गेट और नोट्स कवर किया करता था। इसलिए इस छह से सात महीने के स्टडी पीरियड में बहुत दबाव में आकर पढ़ाई नहीं करनी पड़ी। लेकिन जो छात्र इंटर्नशिप के दौरान सिर्फ काम पर ही ध्यान देते हैं, उनका फोकस पढ़ाई से हट जाता है। यही वजह है कि उनको सीए फाइनल परीक्षा पहले प्रयास में क्लियर नहीं हो पाती। इसलिए काम और पढ़ाई में एक बैलेंस बनाकर चलें। ऐसा न हो कि हम सिर्फ काम कर रहे हैं या हम सिर्फ स्टडी ही कर रहे हैं। यह फाइनल परीक्षा साल में दो बार मई और नवंबर माह में होती है। इसका परिणाम लगभग 45 दिनों में आ जाता है।

सेल्फ स्टडी से भी बेहतर तैयारी संभव: इस डिजिटल युग में सीए की पढ़ाई सेल्फ स्टडी के जरिये भी की जा सकती है। द इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट आफ इंडिया के भी निश्शुल्क स्टडी मैटीरियल यूट्यूब पर उपलब्ध हैं। ऐसे स्टडी मैटीरियल से 20 से 30 पर्सेंट कोर्स कवर हो जाता है। यूट्यूब पर भी इससे जुड़े अन्य कंटेंट भी मिल जाएंगे। माना कि इस कोर्स के लिए बहुत से छात्र कोचिंग पर ज्यादा निर्भर रहते हैं, लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। आइसीएआइ द्वारा प्रश्न पूछने का तरीका बदल रहा है। यह देखते हुए संस्था के निश्शुल्क स्टडी मैटीरियल से ही सेल्फ स्टडी के माध्यम से बहुत अच्छी तैयारी की जा सकती है।

12वीं के बाद अच्छा विकल्प

मैंने 12वीं कामर्स में किया था। कामर्स के बाद मेरे पास दो विकल्प थे- रेगुलर कालेज करूं या फिर सीए करूं। सीए की वैल्यू देश के साथ-साथ विदेश में भी है। भारतीय संसद के ला के तहत सीए को पावर मिली हुई है कि केवल वही कोई आडिट कर सकते हैं। अपने देश में यह एक अच्छा पेशा भी माना जाता है, इसलिए मैंने भी तय किया कि 12वीं के बाद सीए ही करना है। वैसे भी, बढ़ते हुए अवसरों को देखते हुए 12वीं के बाद सीए एक अच्छा करियर विकल्प है। जिन छात्रों का एकाउंटेंसी या मैथमैटिक्स में रुचि है, फाइनेंस में अपना करियर बनाना है तो उन्हें सीए करना चाहिए। सीए में टैक्सेशन, एकाउंटेंसी, फाइनेंशियल रिपोर्टिंग, फाइनेंशियल मैनेजमेंट तथा स्टाक मार्केट आदि का अच्छा ज्ञान मिल जाता है।

बाहरी मोटिवेशन के भरोसे न रहें

माना कि सीए एक कठिन कोर्स है। अगर आप इसकी पढ़ाई कर रहे हैं तो तीन जरूरी चीजों का ध्यान जरूर रखें। पहली चीज है निरंतरता। हमें इसकी निरंतर पढ़ाई करने की कोशिश करनी चाहिए। सप्ताह में कम से कम पांच से छह दिन अच्छे से पढ़ाई करें। दूसरी महत्वपूर्ण चीज है अनुशासन। इसकी पढ़ाई के दौरान किसी बाहरी मोटिवेशन पर निर्भर रहने के बजाय अपने अंदर ही मोटिवेट रहने की वजह पैदा करें। व्हाई आइ एम डूइंग सीए? के इस व्हाई को समझें। तीसरी चीज है धैर्य। हमें धैर्य रखकर सीए की पढ़ाई करनी होगी, क्योंकि यह पांच साल का कोर्स है, ताकि थकान (बर्न आउट) महसूस न करें।

काउंसलर

देवाशीष उपाध्याय
councelor@nda.jagran.com

फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करना चाहती हूं...

मैं फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करना चाहती हूं। फैशन डिजाइनिंग कोर्स कराने वाले बेहतरीन संस्थान और उनमें प्रवेश प्रक्रिया के बारे में बताएं।

सीमा कुमारी, अयोध्या, उत्तर प्रदेश

फैशन डिजाइनिंग सेक्टर भविष्य में युवाओं के लिए तेजी से उभरता हुआ आकर्षक करियर विकल्प बनने वाला है। देश में फैशन डिजाइनिंग का कोर्स विभिन्न सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा संचालित किया जाता है, जहां से आप डिग्री या डिप्लोमा कोर्स कर सकती हैं। प्रमुख संस्थानों में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलाजी (एनआइएफटी), राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, भारतीय कला एवं डिजाइन संस्थान, पर्ल एकेडमी, सिम्बायोसिस इत्यादि प्रमुख हैं। इन संस्थानों के देश में विभिन्न स्थानों- दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, लखनऊ और अहमदाबाद इत्यादि में प्रशिक्षण संस्थान हैं। एनआइएफटी में प्रवेश के लिए आपको राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रवेश परीक्षा पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। फिर जनरल एबिलिटी टेस्ट व क्रिएटिव एबिलिटी टेस्ट परीक्षा पास कर सिचुएशन टेस्ट और साक्षात्कार में सम्मिलित होना पड़ता है। अंतिम मेरिट सूची के आधार पर चयनित छात्रों को काउंसलिंग के लिए बुलाया जाता है। अन्य संस्थान स्वयं की प्रवेश परीक्षा पर प्रवेश देते हैं।

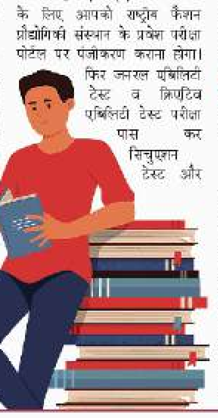

मैं बीए अंतिम वर्ष की छात्रा हूं। मैं पार्लर संबंधी कोर्स करना चाहती हूं। पार्लर के क्षेत्र में करियर के क्या विकल्प हैं?

अर्चना सिंह, सिवान, बिहार

फैशन के तेजी से बढ़ते दौर में पुरुष और महिला दोनों स्वयं को आकर्षक दिखाने के लिए पार्लर का सहारा लेते हैं, जिसके कारण पार्लर के क्षेत्र में करियर के नए अवसर जन्म ले रहे हैं। आप छह माह से लेकर एक वर्ष तक का पार्लर संबंधी कोई डिप्लोमा या एडवांस कोर्स कर सकती हैं, जिसमें मसाज, मेकअप, स्किन केयर, हेयर केयर, कटिंग व स्टाइलिंग, वैक्सिंग, ब्लीजिंग इत्यादि की ट्रेनिंग प्रदान की जाती है। यह कोर्स भारत के टाप ब्यूटी संस्थान और पार्लर के साथ ही साथ सरकारी संस्थाओं में उपलब्ध हैं। पार्लर का कोर्स करने के बाद किसी ब्रांडेड पार्लर में जाब कर सकती हैं या अपना पार्लर भी खोल सकती हैं।

मैं नीट की तैयारी पिछले दो वर्षों से कर रहा हूं, लेकिन इसमें चयन नहीं हो पा रहा है। क्या मैं पशु चिकित्सक के रूप में करियर बना सकता हूं?

प्रदीप कुमार सिंह, पटना, बिहार

जो छात्र मेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं और किन्हीं कारणों से नीट की परीक्षा में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है, उनके लिए वेटरनरी डाक्टर बेहतरीन करियर विकल्प हो सकता है। पशु चिकित्सक बनने के लिए आपको बैचलर आफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंड्री का कोर्स करना होगा। इस कोर्स में प्रवेश नीट परीक्षा या राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्राप्त होता है। यह कोर्स भी साढ़े पांच साल का होता है, जिसमें साढ़े साल का कोर्स तथा एक साल का इंटर्नशिप शामिल है।

स्कालरशिप एलर्ट

विस्वाबीना स्कालरशिप-2026

यह स्कालरशिप उन छात्रों के लिए है, जिन्होंने उच्चतर माध्यमिक या समकक्ष परीक्षा में कम से कम 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों और स्नातक डिग्री या व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया हो। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सहायता: प्रति माह 75 हजार रुपये तक की फेलोशिप प्रदान की जाएगी।

अंतिम तिथि: 31 जुलाई, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन कैसे करें: केवल आनलाइन आवेदन स्वीकार्य है।

www.b4s.in/dj/BBFS2

जीईवी मेमोरियल मेरिट स्कालरशिप फार ला स्टूडेंट्स 2026-27

यह छात्रवृत्ति भारत में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कानूनी शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी ला छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए है।

योग्यता: भारत में एलएलबी/एलएलएम कर रहे या क्लैट, एलएसएटी इंडिया, एआइएलईटी या अन्य ला प्रवेश परीक्षाओं में उपस्थित होने वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। कक्षा 10वीं और 12वीं में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक, वार्षिक पारिवारिक आय 10 लाख रुपये तक और मेंटरशिप कार्यक्रमों में भाग लेने का इच्छुक होना अनिवार्य है।

सहायता: प्रति वर्ष 50 हजार से दो लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। मेंटरशिप भी मिलेगी।

अंतिम तिथि: 15 जुलाई, 2026

कैसे करें आवेदन: केवल आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

www.b4s.in/dj/GMM5

गलगोटियाज यूनिवर्सिटी वैश्विक संस्थानों की लीग में शामिल

गलगोटियाज विश्वविद्यालय ने दुनिया के दो सबसे सम्मानित वैश्विक विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में अपनी स्थिति मजबूत की है। ताजा क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग- 2026 में विश्वविद्यालय ने देश के निजी विश्वविद्यालयों में 15वां और देश के सभी निजी व सरकारी विश्वविद्यालयों में 43वां स्थान हासिल किया है। विश्व स्तर पर विश्वविद्यालय को 1201-1400 बैंड में रखा गया है। टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2025 में विश्वविद्यालय को देश के निजी विश्वविद्यालयों में 27वां स्थान मिला है। गलगोटियाज विश्वविद्यालय के सीईओ डा. ध्रुव गलगोटिया का कहना है कि यह उपलब्धि उच्च शिक्षा, रिसर्च, इनोवेशन और छात्रों की सफलता में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस पेज के बारे में अपनी राय और सुझाव भेजें- feature@jagran.com

दैनिक जागरण
सप्तरंग
सेहत भरे जीवन का
बुधवार 1 जुलाई, 2026

चिलचिलाती तेज धूप और उमस के चलते इन दिनों त्वचा संक्रमण की समस्या बढ़ जाती है। सफाई और त्वचा की सही ढंग से देखभाल नहीं होने पर यह समस्या बड़ी मुसीबत बन सकती है। एलर्जी और संक्रमण से बचाव के लिए रोजाना किन बातों का रखना होता है ध्यान, क्या-क्या बरतें सावधानी, बता रही हैं सीमा झा...

फोटो: फ्रीपिक

थोड़ी सी सतर्कता बचाएगी स्किन एलर्जी से

इन दिनों

उमस और चिपचिपी गर्मी के बाद आखिर कुछ दिनों में मानसून की दस्तक होने वाली है। तापमान में बार-बार उतार-चढ़ाव, बारिश, पसीना और शरीर पर लंबे समय तक भीगे हुए कपड़े के कारण से स्किन संक्रमण होने की आशंका काफी बढ़ जाती है। नमी और पसीने के चलते शरीर से लेकर सिर की त्वचा या स्कैल्प में चिपचिपापन, जलन, बालों में रूसी, रैशेज, खुजली महसूस होने जैसी परेशानी बढ़ जाती है। इसका दैनिक जीवन और कामकाज पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। बता दें कि इस समय हवा में मौजूद नमी त्वचा के रोमछिद्रों को खोल देती है। इससे इन रोमछिद्रों में गंदगी जमने खतरा बढ़ जाता है। वहीं बैक्टीरिया और फंगस के पनपने, उसके बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना देती है। ऐसी मुश्किल स्थिति को संभालने के लिए जरूरी है कि आप इस मौसम में त्वचा की देखभाल का सही तरीका जानें। साथ ही उन आदतों से भी दूर रहें, जो त्वचा को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं।

तेल न बढ़ा दे स्कैल्प की परेशानी

स्कैल्प हमारे सिर की वह त्वचा होती है, जिस पर बाल उगते हैं। ध्यान रहे इसकी सफाई न हो तो इस मौसम में बालों के गिरने, रूसी (डैंड्रफ) व अन्य संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। यदि आप रोजाना तेल लगाएं तो उनसे स्कैल्प के रोमछिद्र बंद हो सकते हैं। यहीं फोड़े-फुंसी का कारण बनते हैं। नमी भरे मौसम में तो यह खास ध्यान रखें। ये स्कैल्प पर जमकर फोड़ी बना सकते हैं और रूसी का कारण बनते हैं। वहीं गंभीर संक्रमण या खुजली भी कर सकते हैं। यदि तेल लगाना जरूरी है तो बालों के निचले हिस्से में लगाने के कुछ समय बाद इसे अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

संभलकर करें पाउडर का प्रयोग

पसीना सुखाने के लिए लोग पाउडर का खूब प्रयोग करते हैं। इसका प्रयोग कम मात्रा में करना चाहिए। अतिरिक्त पाउडर त्वचा से निकलने वाले प्राकृतिक तेल को सोख सकता है। इससे ब्लैकहेड्स या मुंहासे की भी समस्या हो सकती है। त्वचा का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ सकता है, ये अत्यधिक रूखी हो सकती है। पाउडर के कण फेफड़े में चले जाएं तो सांस की समस्या भी हो सकती है।

खानपान का रखें ध्यान

- स्वस्थ त्वचा के लिए भोजन में एंटीआक्सीडेंट्स से भरपूर खाद्य का प्रयोग करें। ये आपको संतरे, बादाम और बेरी जैसे फलों में मिल जाएंगे।
- दही, छाछ, लस्सी का सेवन करें। प्रोबायोटिक्स आंत के स्वास्थ्य को संतुलित रखते हैं। ये सूजन व एक्जिमा-मुहांसे संबंधी समस्याओं को कम करते हैं।
- ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य त्वचा की सूजन, जलन और लालिमा को कम करने में सहायक हैं। ये आप अलसी के बीज, अखरोट व मछलियों के सेवन से प्राप्त कर सकते हैं।
- बाहर खाना हो तो यह ध्यान रखें कि तले हुए खाद्य पदार्थ न लें। ये रोमछिद्रों को बंद कर सकते हैं। अच्छी तरह से पके हुए स्वच्छ भोजन का ही चुनाव करें।
- हाइड्रेशन सही रखें, इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी न हो।
- विटामिन सी और बीटा कैरोटिन (विटामिन ए) युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करें। इससे त्वचा स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

चिकित्सक के परामर्श से ही लें दवा

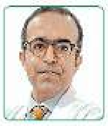

डा. रोहित बत्रा
वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

भारत जैसे उष्णकटिबंधीय जलवायु में त्वचा की सेहत को बनाए रखना एक चुनौती है। इस नमी भरे मौसम में फंगस संक्रमण का खतरा बहुत आम हो जाता है। यह इतना अधिक है कि अब सामान्य दवा से उपचार कठिन होता जा रहा है। डाक्टर के लिए एक नई परेशानी यह है कि लोग बीमारी बढ़ाकर उनके पास जाते हैं। फोड़े फुंसी का इलाज लोग खुद से करने लगते हैं। हमें समझना होगा कि गूगल या इंटरनेट मीडिया के प्रभाव में आकर बिना डाक्टर से परामर्श लिए केमिस्ट से कोई भी दवा लेना सही नहीं है। इससे वे तत्व हट जाते हैं जो कुछ समय के लिए ठीक तो कर सकते हैं लेकिन दवा बंद करने पर दोबारा बड़ी मुसीबत का कारण बन सकते हैं। दरअसल, फंगस त्वचा में बैठ जाते हैं और भीतर ही भीतर बढ़ने लगते हैं। उचित इलाज नहीं होने पर फैलाव अधिक हो जाता है। दाद, खुजली की क्रीम में अक्सर स्टेरायड होता है, इसलिए थोड़ी सी भी लालिमा नजर आए तो तुरंत चिकित्सक से मिलना चाहिए। डाक्टर एंटीफंगल दवाओं से इनका उचित इलाज कर सकते हैं। बारिश में भीगने या नहाने के बाद शरीर को अच्छी तरह सुखाना चाहिए। अपने सिर के बालों को भी साफ और सूखा रखना चाहिए। अक्सर लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोने से स्कैल्प खराब होगा और बाल झड़ेंगे, पर यह एक गलत धारणा है। यदि पसीना वाला काम करते हैं या खेलों में हिस्सा लेते हैं तो रोजाना सिर धोना चाहिए।

यह जानना है जरूरी

- कमर, पेट, बगल के हिस्से अक्सर गीले रह जाते हैं। नहाने के बाद इन्हें अच्छी तरह सुखाना न भूलें।
- कमजोर इम्यून सिस्टम वाले, मधुमेह, मोटापा ग्रसित लोग इस मौसम की चुनौतियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।
- यदि मुहांसे या एक्जिमा की परेशानी है तो इस मौसम में अधिक सतर्कता रखनी होगी।
- ढीले-ढाले सूती कपड़ों का प्रयोग करें। ये त्वचा के रोमछिद्रों को बंद होने से रोक देते हैं। ये हवादार होते हैं जिससे पसीना आसानी से सूख सकता है।
- उमस भरे मौसम में घमौरियां एक आम समस्या है। ये त्वचा के छोटे-छोटे छिद्रों में गंदगी के जमा होने से होती है। यदि ये अधिक लाल हैं व बहुत खुजली होती है, तो तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें।

सनस्क्रीन लगाएं, पर यह भी रहे ध्यान

- सनस्क्रीन का प्रयोग सभी उम्र में करना चाहिए।
- डिवाइसेज की स्क्रीन से निकलने वाली किरणों या बल्ब से निकलने वाले प्रकाश के प्रभाव से बचाव के लिए भी यह जरूरी है।
- ऐसा सनस्क्रीन लें, जो धूप से निकलने वाली किरणों से बचाव कर सके। बाजार में ऐसे उत्पाद उपलब्ध हैं।
- हमारे देश में गोरेपन को बरकरार रखने के लिए क्रीम का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए एसपीएफ 40 भी बहुत है।

रोजाना त्वचा की देखभाल कैसे करें?

- रोजाना नहाएं। त्वचा को अच्छी तरह सुखाने के लिए पंखे के नीचे कुछ देर खड़े रहें।
- चेहरे की त्वचा को साफ करने के लिए माइल्ड फेसवाश का प्रयोग करें।
- यदि रोजाना सीरम का प्रयोग करते हैं तो त्वचा के अनुरूप ही सीरम लगाएं।
- इस समय हयालुरोनिक एसिड व नियासिनमाइड युक्त सीरम अच्छे माने जाते हैं।
- सीरम लगाने के बाद माइश्चराइज करें, इसके बाद सनस्क्रीन लगाना चाहिए।
- त्वचा पर संक्रमण, सूजन और लालिमा वाली जगह पर बार-बार छूने से बचें। डाक्टर से परामर्श कर उचित इलाज कराएं।

स्वस्थ त्वचा के लिए उपयोगी है हल्दी और चंदन

डा. गरिमा श्रीवास्तव
असि. प्रोफेसर, स्वस्थवृत्त, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली

मानसून में त्वचा संबंधित कई तरह की समस्याएं होती हैं, जैसे स्किन एलर्जी, रैशेज, दाने, मुंहासे आदि। ऐसे में आयुर्वेदिक उपाय आपके लिए बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। भारतीय घरों में सदियों से सौंदर्य बढ़ाने के लिए हल्दी और चंदन का उपयोग किया जाता रहा है। इनको सही तरीके से प्रयोग करने से त्वचा स्वस्थ, स्वच्छ और आकर्षक बनी रहती है। हल्दी में करक्यूमिन होने के कारण यह एंटी-आक्सीडेंट्स और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती है। इससे मुंहासे, त्वचा की लालिमा तथा प्रदूषण के कारण होने वाली समस्याओं की आशंका कम रहती है। इसी तरह चंदन अपनी शीतलता और सौम्य सुगंध के लिए जाना जाता है, इससे त्वचा को आराम और ठंडक मिलती है। ये त्वचा को ताजगी देने और अतिरिक्त तेल नियंत्रित करने में सहायक है।

आप चाहें तो इन दोनों का पेस्ट बनाकर त्वचा पर लगा सकते हैं या फिर अलग-अलग गुलाब जल, मुल्तानी मिट्टी या बेसन में मिलाकर भी त्वचा पर प्रयोग कर सकते हैं। इन दोनों के मिश्रण से त्वचा की प्राकृतिक चमक बनी रहती है। यही नहीं, इन दोनों की सुगंध से मानसिक शांति भी मिलती है। मानसून के दौरान इन दोनों प्राकृतिक उत्पादों को विशेष तौर पर चेहरे पर लगा सकते हैं। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। अगर किसी की त्वचा पर खुजली, जलन या लाल चकते दिखाई देने लगे, तो इन्हें उपयोग करने से परहेज करना चाहिए।

बातचीत : सुमन अग्रवाल

आयुर्वेद

प्राचीन और बहुउपयोगी औषधि है घी

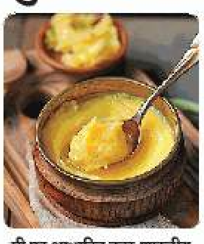

आयुर्वेद ग्रंथों में चिकित्सकीय उद्देश्य के लिए चार तरह के स्नेहक पदार्थों का उल्लेख है- घी, तेल और पशुओं की मांसपेशियों व अस्थिमज्जा से प्राप्त वसा। जड़ी बूटियों व खाद्य के प्रभावों को अवशोषित करने और अपनी मूल प्रकृति को बरकरार रखने के गुण के कारण घी सभी स्नेहकों में सर्वोत्तम माना जाता है। संस्कृत में इसे घृतम् और सर्पि कहा गया है। सदियों से घी न केवल वैदिक अनुष्ठानों का हिस्सा रहा है, बल्कि इसे भारतीय रसोई में भी प्रमुख स्थान मिलता रहा है। गाय, भैंस के दूध के अलावा बकरी, ऊंट और घोड़ी के दूध से बने घी का प्रयोग आयुर्वेद चिकित्सा में किया जा सकता है।

डा. आर. वात्स्यायन
आयुर्वेदाचार्य, लुधियाना

गुणों से भरपूर होता है घी : सुश्रुत ने घी की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखा है कि यह स्वाद में मीठा, सौम्य, ठंडा और हल्का होता है। यह विकृत वात और पित्त को शांत करता है। आयुर्वेद विशेषज्ञों ने इसे स्वादिष्ट और स्मृति, बुद्धिमत्ता, चमक और सौम्यता के गुणों को बढ़ाने वाला बताया है। आयुर्वेदिक ग्रंथों में गाय के घी को शरीर में सात प्रकार के ऊतकों पाचन तरल, रक्त, मांस, वसा, हड्डी, मज्जा और प्रजनन ऊतकों का संवर्धक बताया गया है। इसे स्फूर्तिदायक और कायाकल्प करने वाला तत्व तथा सभी चिकने पदार्थों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। घी का स्वभाव लैक्सेटिव (पेट साफ करने वाला) होता है और यह कई बीमारियों में लाभदायक साबित होता है, जैसे मिर्गी, पागलपन, केमिकल से होने वाली जहरीली प्रतिक्रिया, सिरदर्द (माइग्रेन सहित) और शरीर के बाहरी छिद्रों से जुड़ी बीमारियां।

असाध्य बीमारियों के लिए उपयोगी औषधि : घी का उपयोग बाह्य और आंतरिक दोनों ही औषधि के रूप में किया जा सकता है। शास्त्रीय आयुर्वेद ग्रंथों में 'घृत चिकित्सा' का उल्लेख है, जिसमें विभिन्न प्रकार के घी से उपचार किया जाता है। इसके लिए, चुनिंदा जड़ी-बूटियों के उबाले हुए काढ़े को शुद्ध घी में पकाया जाता है, ताकि वह दूसरी दवाओं के असरदार तत्वों को सोख सके।

घी को कितने समय तक रखा गया है, उसके आधार पर उसके गुणों में अंतर बताने वाले संदर्भ भी मिलते हैं। एक वर्ष पुराने घृत को बाहरी उपयोग के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। कुंभ घृत और महाघृत जो क्रमशः 11 से 100 वर्ष तक पुराने होते हैं, कुछ असाध्य बीमारियों में बेहद उपयोगी औषधि के रूप में प्रयोग किए जाते हैं।

घी का प्रयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा 'पंचकर्म' के पहले चरण (तेल लगाना) में किया जाता है। कमजोर रोगियों में इसकी मालिश अत्यधिक प्रभावी मानी जाती है, क्योंकि यह ऊतकों के स्तर पर शरीर को पोषण देता है और रक्तसंचार को सुधारता है। माइग्रेन, पुरानी साइनसाइटिस या एलर्जिक श्वसन समस्याओं में 10-15 दिनों तक नियमित रूप से नथुनों में कुछ बूंद हल्का गुनगुना घी डालने से लाभ मिलता है। 'अक्षितर्पण' एक और पंचकर्म उपचार है, जहां नेत्र रोगों के उपचार के लिए, आंखों को ताजे और पिघले हुए घी में कुछ मिनटों के लिए डुबोया जाता है।

घी को लेकर, भ्रम और मतभिन्नता भी : मानव शरीर पर घी के प्रभाव को लेकर आयुर्वेद व आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण में काफी भिन्नता है। पंचकर्म प्रक्रिया के दौरान घी के सेवन के बाद रोगियों की ट्राइग्लिसराइड स्तर में गिरावट की रिपोर्ट होती है, फिर भी आम जनता के मन में घी के सुरक्षित सेवन के बारे में बहुत भ्रम और भय व्याप्त है। हालांकि आयुर्वेद घी या किसी भी दूसरी चीज को सीमित मात्रा में लेने पर जोर देता है, लेकिन शरीर के अलग-अलग सिस्टम पर घी के अच्छे और बुरे असर को पक्के तौर पर जानने के लिए दोनों सिस्टम के जानकारों की एक संयुक्त स्टडी की जरूरत है।

घी पर आधारित कुछ शास्त्रीय आयुर्वेदिक औषधियां

अर्जुन घृत: हृदय रोग
पंचतिक्त घृत: सोरायसिस
ब्राह्मी घृत एवं कल्याण घृत: मानसिक विकार
त्रिफला घृत: नेत्र रोग
शतावरी घृत: महिला रोग
इंदुकांत घृत: जठरांत्र संबंधी समस्याएं
फल घृत: बांझपन और गर्भावस्था से संबंधित समस्याएं
अश्वगंधा घृत: तंत्रिका तंत्र को मजबूत करने के लिए

मनोरंजन

रेस में रहना बोरिंग: कृति सैनन

@kritisanon

समय के साथ कलाकार की सोच, उसके काम करने के तरीकों में बदलाव आता है और वह जोखिम लेने के लिए भी तैयार रहता है। कभी सबसे बेहतर करने की रेस में उतरी अभिनेत्री कृति सैनन, अब खुद को ऐसी रेस से दूर रखती हैं। कृति कहती हैं कि मैं प्रतिस्पर्धी रही हूं। प्रतियोगिता मुझे बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करती है, लेकिन यह करियर के एक प्वाइंट के बाद ही आता है, जब आप खुद को लेकर सुरक्षित महसूस करते हैं। मुझे बरेली की बर्फी, मिमी जैसी फिल्में मिलीं। मिमी ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार तक दिला दिया। इन बातों ने अहसास दिलाया कि मैंने साबित कर दिया है कि मुझमें प्रतिभा है। अब और चीजें एक्सप्लोर करनी हैं। अब इसलिए काम नहीं करना है कि किसी से प्रतियोगिता करनी है या खुद को साबित करना है। अब आत्मविश्वास बढ़ा है।

आस्ट्रेलिया में 'प्रलय' शुरू करेंगे रणवीर सिंह

@ranveersingh

दो पार्ट में बनी फिल्म धुरंधर की ऐतिहासिक सफलता के बाद अब अभिनेता रणवीर सिंह अपनी अगली फिल्म प्रलय के लिए कमर कस चुके हैं। फिल्मकार हंसल मेहता के बेटे तथा निर्देशक जय मेहता के निर्देशन में बन रही प्रलय एक जांबी थ्रिलर फिल्म होगी। जिसके लिए फिलहाल प्री प्रोडक्शन तैयारियों जोर शोर से चल रही हैं। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की शूटिंग सितंबर से शुरू होगी, जिसके अधिकांश हिस्से आस्ट्रेलिया में शूट किए जाएंगे। इस फिल्म के लिए रणवीर को काफी शारीरिक और मानसिक तैयारियां करनी पड़ेंगी, जिसकी शुरुआत उन्होंने कर दी है। चूंकि इतने बड़े स्तर की फिल्म जय पहली बार निर्देशित कर रहे हैं, तो रणवीर की कोशिश फिल्म से जुड़ी हर बैठक का हिस्सा बनने की होती है। वह फिल्म से जुड़े दूसरे पहलुओं में भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। धुरंधर के बाद दर्शकों को रणवीर से एक बार फिर बड़ी उम्मीद होगी, जिसे देखते हुए, हालीवुड से कुछ तकनीशियन को भी शामिल किया जा रहा है। फिलहाल इस फिल्म का बजट करीब 300 करोड़ बताया जा रहा है। रणवीर के साथ दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगी। हालांकि, अभी तक निर्माताओं की तरफ से उनके नाम को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

इसलिए विराट के लिए मुश्किल था क्लाइमेक्स

@viratkarma

भारतीय संस्कृति और इतिहास को केंद्र में रखते हुए बनी दक्षिण भारतीय फिल्मों में नागबंधम : द सीक्रेट ट्रेजर का नाम भी शामिल है। तीन जुलाई को प्रदर्शित होने जा रही इस फिल्म में अभिनेता विराट कर्ण और अभिनेत्री नभा नतेश मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म के क्लाइमेक्स में काफी एक्शन है, जिन्हें शूट करना विराट के लिए आसान नहीं था। वह बताते हैं, 'मेरे लिए, क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग बहुत चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि वह सीन मुझे नंगे बदन शूट करना था और उस समय बहुत ठंड थी। किसी सीन में रस्सियों पर चलते हुए शूट करना था। हर दिन एक नई चुनौती रहती थी। उन सबसे जूझते हुए मैंने फिल्म शूट किया है।' ट्रेलर में विराट एक जगह शिव के रूप में भी दिखे। उन्होंने बताया कि उस लुक में आने के लिए तैयारी और मेकअप में चार से छह घंटे लगते थे। उसके लिए उन्होंने अपनी असली दाढ़ी और बाल बढ़ाए था। उसके बाद भी बालों में एक्सटेंशन लगाकर जटा तैयार की जाती थी।

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

नहीं मानी थी रणदीप ने सलमान की सलाह

@randeephooda

सलाह अगर काम की हो, तो उसे ले लेना चाहिए। लेकिन वह सलाह आपकी सोच से न मिले, तो फिर उसे छोड़ने में ही भलाई है। तभी तो सलमान खान के साथ काम कर चुके अभिनेता रणदीप हुडा ने उनकी दी हुई सलाह सुनी जरूर, लेकिन मानी नहीं। रणदीप बताते हैं कि सलमान की सबसे बड़ी सलाह यही थी कि मैं ऐसे रोल न करूं, जिनमें मैं हीरो जैसा न दिखूं। सलमान ने कहा था कि तुम्हें एक जैसा लुक और एक ही तरह की भूमिकाएं निभानी चाहिए। इससे तुम्हारी एक खास छवि बनेगी और तुम स्टार बन पाओगे। मैंने उनकी सलाह नहीं मानी, क्योंकि मुझे हमेशा से लगता रहा है कि बार-बार एक जैसे किरदार निभाना बोरिंग होता है।

आज का भविष्यफल: 01 जुलाई, 2026 बुधवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष प्रतिपदा का राशिफल।
आज का राहुकाल: अपराह्न 12 बजे से 01 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल: उत्तर
विशेष: आषाढ़ मास प्रारंभ

कल 02 जुलाई, 2026 का पंचांग

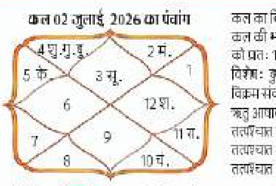

कल का दिशाशूल: दक्षिण
कल की भद्रा: रात्रि के 10 बजकर 30 मिनट से 03 जुलाई की प्रातः 11 बजकर 21 मिनट तक।
विशेष: बुध अस्त पश्चिम में।
विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष द्वितीया 09 घंटे 39 मिनट तक, तत्पश्चात तृतीया उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र 09 घंटे 26 मिनट तक, तत्पश्चात श्रवण वैधृति योग 16 घंटे 40 मिनट तक, तत्पश्चात विषकुंभ योग मकर में चंद्रमा।

मेष: शासनसत्ता का सहयोग लेने में सफल होंगे। कुछ पारिवारिक समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है।
वृष: शिक्षा में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
मिथुन: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा। गायों को हरा चारा खिलाएं। पारिवारिक कार्य में व्यस्त रहेंगे।
कर्क: आर्थिक सफलता मिलेगी। भाई, बहन, मित्र का सहयोग रहेगा। प्रतियोगिता में श्रम करना होगा।
सिंह: पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक प्रगति होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कन्या: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गायों को अन्न खिलाएं। संतान के बारे में सुखद समाचार मिलेगा।
तुला: रिश्तों में निकटता आएगी। सुखद समाचार मिलेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
वृश्चिक: आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीविका में चल रहा प्रयास सार्थक होगा। झगड़ा विवाद से बचें।
धनु: सम्मान में वृद्धि होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
मकर: यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मसम्मान बढ़ेगा।
कुंभ: रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। अधिक से अधिक विश्राम करें।
मीन: शासनसत्ता से सहयोग मिलेगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

वर्ग पहेली- 3382

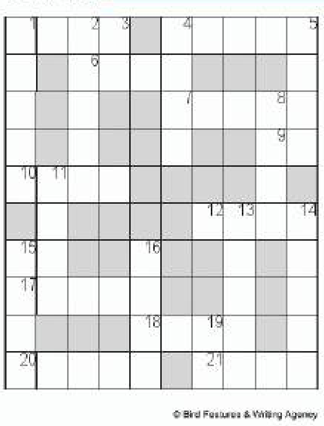

बाएं से दाएं:
1. आलसी, निकम्मा (4)।
4. नगर का प्रधान (5)।
6. रक्त से उत्पन्न (4)।
7. हनुमान जी को यह भी कहते हैं (2,3)।
9. मादा का विपरीत (2)।
10. नागरिकता (4)।
12. कागज या कपड़े के छोटे-छोटे टुकड़े (4)।
15. तिरंगे का एक रंग (2)।
17. बन कर तैयार (2,3)।
18. यह सुगंधित फल मसाले और दवा बनाने के काम आता है (4)।
20. नाचने-गाने का स्थान, नृत्य शाला (2,3)।
21. अच्छी और ठीक अवस्था में (4)।

ऊपर से नीचे:
1. धूर्तता में बढ़ जाना (2,3)।
2. जहां चोरी का समान बिकता हो (2,3)।
3. खून, रुधिर (2)।
4. भेंट, उपहार (4)।
5. नाट करने वाला (4)।
8. जंगल में घूमने वाला (4)।
11. गहरा होना (4)।
13. गले मिलना, आलिंगन करना (2,3)।
14. सुरमा, काजल (5)।
15. किसी को दांत काटना (4)।
16. धोखे का जाल (4)।
19. फटने की आवाज (2)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

स1		क2	ल	श3		स4	मा	ग5	म
र6	ग			क्त		मा		ज	
का		आ7		मा8	न	व	ता		न9
र10	सा	स्वा	द	न		र्त			य
		द				ने11	म12	की	न
गं13	जा	न	ने14				नो		
ब			त		ने15	स्का	र	खा	ना16
न		खा17	ना	फू	सी		थ		मु
	च18		सि		ह			क19	रा
अ20	ना	मि	का		ते21	मी	ज		द

सुडोकू- 3382

	5		7	9		6		4
3					4			1
		4	3		1		8	
4			1			2		8
		2			5		4	
	3			4				5
9				7		4		
	2	8		1			7	
6			9		3			2

कल का हल

1	2	3	7	6	5	8	4	9
4	5	6	2	8	9	7	1	3
7	8	9	4	1	3	2	5	6
9	7	2	3	4	6	1	8	5
3	6	1	8	5	2	4	9	7
5	4	8	1	9	7	3	6	2
6	3	4	5	7	1	9	2	8
2	1	5	9	3	8	6	7	4
8	9	7	6	2	4	5	3	1

एक नजर में

केंद्र ने सीबीडीटी चेयरमैन का कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल का कार्यकाल छह महीने बढ़ाकर दिसंबर, 2026 तक कर दिया है। 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आइआरएस) के अधिकारी अग्रवाल का कार्यकाल मंगलवार (30 जून) को समाप्त होना था। उन्हें जून, 2024 में एक साल के कार्यकाल के लिए सीबीडीटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया था, जिसे जून, 2025 में एक और वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था। (प्रेट्र)

भारत ने यूनान में शुरू की यूपीआइ सेवा

नई दिल्ली: भारत ने यूनान में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) सेवा शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मंत्री आधिकारिक यात्रा पर यूनान की राजधानी एथेंस में हैं। उन्होंने बताया कि अब यूनान, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर, श्रीलंका और केन्या सहित 10 देशों में यूपीआइ से लेनदेन हो रहा है। (प्रेट्र)

कोटक महिंद्रा डायचे बैंक का करेगा अधिग्रहण

मुंबई: निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक (केएमबी) ने मंगलवार को जर्मनी के डायचे बैंक के भारत में खुदरा, निजी बैंकिंग और संपत्ति प्रबंधन व्यवसाय के अधिग्रहण के लिए एक पक्का समझौता करने की घोषणा की है। अधिग्रहीत कारोबार में लगभग 29,000 करोड़ रुपये के ऋण, 16,000 करोड़ रुपये की जमा राशि और 10,500 करोड़ रुपये की परिसंपत्ति प्रबंधन शामिल है। डायचे बैंक भारत में इन तीनों व्यवसाय खंडों के तहत लगभग 1.5 लाख ग्राहकों को सेवा देता है और इसके लिए करीब 1,000 कर्मचारी कार्यरत हैं। (प्रेट्र)

टीआइएल विझिंजम पोर्ट में 49% हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली: अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनमिक जोन लिमिटेड और मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी समूह की टर्मिनल इकाई टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (टीआइएल) ने मंगलवार को एक पक्के समझौते की घोषणा की। इसके तहत टीआइएल अदाणी विझिंजम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। इस सौदे का कुल मूल्य 1.4 अरब डालर है। यह रणनीतिक साझेदारी भारत के बंदरगाह इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निजी निवेश है। (प्रेट्र)

ओयो लाएगी 6,650 करोड़ रुपये का आइपीओ

नई दिल्ली: होटल बुकिंग प्लेटफार्म ओयो की पैरेंट कंपनी प्रिज्म ने 6,650 करोड़ रुपये के आइपीओ के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास नए दस्तावेज जमा कराए हैं। खास बात यह है कि इस आइपीओ में मौजूदा निवेशक अपना कोई शेयर नहीं बेचेंगे। यानी कंपनी सिर्फ नए शेयर जारी करके पैसा जुटाएगी। प्रिज्म ने दिसंबर 2025 में गोपनीय मार्ग के जरिये आइपीओ के लिए अपने दस्तावेज जमा किए थे। (प्रेट्र)

आयात निर्भरता की कमजोर कड़ी को दुरुस्त करने के लिए मशक्कत

- वित्त मंत्रालय और आरबीआइ ने अपनी-अपनी रिपोर्ट में जताई एक जैसी चिंता
- कहा-ऐसी स्थिति में घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है गहरा असर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: क्या सरकार की तरफ से ऊर्जा और अन्य बेहद आवश्यक क्षेत्रों में विदेश पर निर्भरता को खत्म करने के लिए आने वाले दिनों में और ठोस कदम उठाए जाएंगे। संकेत तो इस बात के मिल रहे हैं, क्योंकि मंगलवार को देश में आर्थिक नीतियों को तय करने और उन्हें दिशा देने में सबसे अहम भूमिका निभाने वाले दो संस्थानों वित्त मंत्रालय और आरबीआइ ने अपनी अलग-अलग रिपोर्टों में ऊर्जा आयात के साथ ही विदेश से आयात पर निर्भरता को चिंताजनक करार दिया है। यह बात हालिया पश्चिम एशिया संकट के संदर्भ में कही गई है।

दोनों संस्थानों ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान ऊर्जा तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में आई अस्थिरता को उदाहरण मानते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में घरेलू अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ सकता है। हालांकि सरकार की ओर से आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत ऊर्जा उत्पादों और कच्चे माल में स्वदेशी विकल्प विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इनका पर्याप्त असर दिखाई नहीं दे रहा है।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से पश्चिम एशिया संघर्ष ने महत्वपूर्ण कच्चे माल और इनपुट्स के लिए बफर स्टाक नीति बनाने की जरूरत को याद दिलाया है। इसके मुताबिक संघर्ष की अपेक्षा से अधिक लंबी अवधि ने भारत की परीक्षा ली, जिसका सामना सरकार ने अल्पकालिक और संरचनात्मक उपायों के मिश्रण से किया। इन उपायों का उद्देश्य भविष्य में ऊर्जा झटकों और उनके आर्थिक प्रभावों से निपटने की क्षमता बढ़ाना था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि घरेलू वित्तीय प्रणाली मजबूत बैंक और गैर-बैंकिंग इकाइयों के बही-खातों के बल पर मजबूत बनी हुई है।

बैंकों का सकल एनपीए कई दशक के निचले स्तर पर

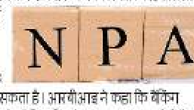

मुंबई, प्रेट्र: आरबीआइ ने कहा कि भारतीय बैंकों का सकल एनपीए अनुपात मार्च, 2026 तक घटकर कई दशक के निचले स्तर 1.8 प्रतिशत पर आ गया है। अपनी रिपोर्ट में आरबीआइ ने कहा कि आधार परिदृश्य में एनपीए का स्तर बढ़कर मार्च, 2028 तक 1.9 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। आरबीआइ ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली की मजबूती बरकरार है, लेकिन वित्तपोषण एक प्रमुख चुनौती के रूप में उभर रहा है, क्योंकि बचतकर्ता बेहतर रिटर्न के लिए शेयर और म्यूचुअल फंड जैसे विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।

ऊर्जा कीमतों के झटकों के प्रति इकोनमी संवेदनशील

आरबीआइ ने अपनी रिपोर्ट में भी इसी आशंका को दोहराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, 'पश्चिम एशिया संघर्ष से उपजे वैश्विक तूफान के समय भारतीय अर्थव्यवस्था पहले की तुलना में मजबूत मैक्रोइकोनमिक आधारभूत संरचना के साथ थी। हालांकि ऊर्जा आयात पर भारी निर्भरता के कारण कुछ प्रभाव अपरिहार्य तौर पर दिखे हैं।'

परिवारों पर कर्ज जीडीपी के 45.5 प्रतिशत तक पहुंचा

गैर आवासीय खुदरा ऋण में बढ़ोतरी से परिवारों पर कुल कर्ज देश की जीडीपी के 45.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है। परिवारों पर कर्ज में बढ़ोतरी की वजह गैर-आवासीय खुदरा ऋण में हुई वृद्धि थी, जो मार्च, 2026 तक कुल कर्ज का 58.4 प्रतिशत था। इसने आवास, कृषि तथा कारोबारी ऋणों की तुलना में तेज गति प्राप्त की है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू कर्ज के मामले में भारत चौथे स्थान पर है। थाईलैंड में परिवारों पर कर्ज जीडीपी का 87.3%, मलेशिया में 69.9% और चीन में 59% है। सितंबर, 2023 से देश में परिवारों पर कर्ज का जीडीपी में हिस्सा उसके पांच वर्ष के औसत 42.9 प्रतिशत से ऊपर बना हुआ है।

वोल्टास का भी चेयरमैन पद छोड़ेंगे नोएल टाटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: नोएल टाटा ने मंगलवार को टाटा समूह की एक और कंपनी वोल्टास के चेयरमैन पद से भी हटने का एलान किया। इससे पहले 23 जून को उन्होंने भारत की प्रमुख फैशन और लाइफस्टाइल रिटेलर कंपनी ट्रेंट के चेयरमैन पद छोड़ने की घोषणा की थी।

कूलिंग प्रोडक्ट्स बनाने वाली इस प्रमुख कंपनी की 72वीं सालाना आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए, 69 वर्षीय नोएल टाटा ने कहा कि वोल्टास के चेयरमैन के तौर पर यह उनकी आखिरी एजीएम होगी। नोएल टाटा 27 जनवरी, 2003 को वोल्टास के बोर्ड में शामिल हुए थे। उन्हें 1 सितंबर, 2017 को वोल्टास का नान-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उस समय उन्होंने निवर्तमान चेयरमैन ईशात हुसैन की जगह ली थी।

सस्ते औद्योगिक जिंस से बढ़ेगी इकोनमी

एक महीने में कच्चा तेल, तांबा, एल्युमिनियम, जिंक, स्टील जैसे उत्पादों के दामों में आई तेज गिरावट

राजीव कुमार • जागरण

नई दिल्ली: ईरान-अमेरिका युद्धविराम के एलान और होर्मुज के खुलने से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल समेत विभिन्न औद्योगिक जिंसों की कीमतों में पिछले एक माह में 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। जानकारों का कहना है कि ऐसे में आयात बिल में कमी के साथ निर्माण लागत भी कम होगी, जिससे घरेलू और निर्यात दोनों मांग को मजबूती मिलेगी। इसका फायदा अर्थव्यवस्था को मिल सकता है।

ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 73 डालर प्रति बैरल के पास आ गई है जो पिछले महीने के मुकाबले 15 प्रतिशत तक कम है। कच्चे तेल की कीमत ढुलाई और यातायात लागत के साथ प्लास्टिक जैसे कई आइटम के दाम को प्रभावित करती है। कच्चे तेल की कीमत कम होने पर आयात बिल भी कम होगा, जिससे रुपये को मजबूती मिलेगी और चालू खाते का घाटा भी कम होगा। दूसरी तरफ, अल नीनो के असर से बारिश में सामान्य के मुकाबले 43 प्रतिशत की कमी आ चुकी है। बारिश में कमी से इस साल 26 जून तक पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले खरीफ की बोआई में 22.7 प्रतिशत की गिरावट है। पानी के जलाशय भी पिछले साल के मुकाबले 26.8 प्रतिशत कम है। हालांकि यह स्तर भी सामान्य स्टोरेज स्तर से 5.7 प्रतिशत अधिक है। शुक्रवार को जारी वित्त मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट में विभिन्न प्रकार के स्टाक को बढ़ाने के साथ पानी के बफर को भी मजबूत करने की सिफारिश की गई है। केंद्र के पास चावल का पूरा स्टाक है और धान की बोआई भी खास प्रभावित नहीं हुई है। सोयाबीन, दाल, काटन जैसी वस्तुओं की बोआई में कमी आई है, जिससे महंगाई बढ़ सकती है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम से कच्चे तेल व अन्य वस्तुओं के दाम में कमी आई है। इस कारण चालू वित्त वर्ष 2026-27 में घरेलू विकास दर में कमी की आशंका कम हो गई है। हालांकि, अल नीनो की वजह से आने वाले महीनों में महंगाई और ग्रामीण मांग प्रभावित हो सकती है। पहले भी अल नीनो के कारण बारिश कम होने पर कृषि उत्पादन और घरेलू मांग प्रभावित हो चुके हैं।
–साक्षी गुप्ता, मुख्य अर्थशास्त्री, एचडीएफसी

- कच्चे तेल की कीमत कम होने पर आयात बिल में भी आएगी गिरावट
- रुपये को मजबूती मिलेगी और चालू खाते का घाटा भी कम होगा

मुख्य अनाज का हमारे देश में पूरा बफर है और अगले एक-दो महीने में बारिश हो जाती है तो बुवाई का एरिया बढ़ सकता है। कच्चे तेल और औद्योगिक आइटम के दाम कम होने से लागत में कमी आएगी जिससे निर्यात और बढ़ेगा।
–एसपी शर्मा, मुख्य अर्थशास्त्री, उद्योग संगठन एसोचैम

इन फसलों की बोआई प्रभावित (% में)

तिलहन	19.42
काटन	15.7
जूट	15

पिछले एक माह में किस वस्तु के दाम में कितनी कमी आई (% में)

कच्चे तेल	15
सोना	11
चांदी	20
तांबा	6.5
एल्युमिनियम	17
जिंक	3.0
लौह अयस्क	4.5
स्टील	4.0
प्लेटिनम	18
सोयाबीन	5.8
पाम	2.0
रबर	9.0

राजकोषीय घाटा मई अंत तक पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 9.6% पर

मई, 2026 के आखिर में सरकार के खर्च और कमाई के बीच का अंतर 1.62 लाख करोड़ रहा, पिछले साल 13,163 करोड़ था

नई दिल्ली, प्रेट्र: देश का राजकोषीय घाटा मई के अंत तक वित्त वर्ष 2026-27 के बजट लक्ष्य का 9.6 प्रतिशत रहा है। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के आंकड़ों के मुताबिक, मई, 2026 के आखिर में राजकोषीय घाटा (सरकार के खर्च और कमाई के बीच का अंतर) 1.62 लाख करोड़ रुपये रहा है। मई, 2025 के अंत में केंद्र का राजकोषीय घाटा 2025-26 के बजट अनुमान (बीई) का 0.8 प्रतिशत या 13,163 करोड़ रुपये था। केंद्र ने चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत या 16.96 लाख करोड़ रुपये पर रखने का लक्ष्य तय किया है।

इस दौरान शुद्ध कर प्राप्तियां 3.48 लाख करोड़ रुपये रही हैं, जबकि गैर-कर राजस्व 3.51 लाख करोड़ रुपये रहा है। मई के आखिर में केंद्र सरकार का कुल खर्च 8.81 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें 2.51 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय शामिल है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि अप्रैल-मई के दौरान राजकोषीय घाटे में वृद्धि का मुख्य कारण कुल व्यय में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी और शुद्ध कर तथा गैर-कर प्राप्तियों में एक से दो प्रतिशत की गिरावट रही। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-मई की अवधि के दौरान सरकार का कुल कर राजस्व सालाना आधार पर मामूली 1.8 प्रतिशत बढ़ा है। इसकी मुख्य वजह पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद उत्पाद शुल्क संग्रह में 20 प्रतिशत की भारी गिरावट है। इस दौरान कारपोरेट कर संग्रह और सीमा शुल्क संग्रह में अच्छी बढ़ोतरी हुई, जबकि आयकर संग्रह में 6.8 प्रतिशत की धीमी वृद्धि हुई।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के लिए 1.25 लाख करोड़ मंजूर

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आइएसएम) 2.0 के लिए 1.25 लाख करोड़ के बजट प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी आइएसएम 1.0 के लिए निर्धारित किए गए 76,000 करोड़ रुपये के आवंटन से काफी अधिक है।

फरवरी में पेश किए गए बजट में देश की विनिर्माण क्षमता को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए थे। इसमें कई उपायों के साथ-साथ 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के दूसरे चरण की घोषणा की गई थी, जिसका मुख्य मकसद देश में चिप विनिर्माण परिवेश को बढ़ावा देना था। इसमें उपकरण, सामग्री, स्वदेशी डिजाइन और अन्य संबंधित कलपुर्जे शामिल हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पहले कहा था कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' के तहत देश में ही चिप डिजाइन और उत्पादन होगा।

सरकार ने पेट्रोरसायन आयात पर शुल्क छूट 15 जुलाई तक बढ़ाई

सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति की निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर शून्य सीमा शुल्क छूट की अवधि बढ़ाकर 15 जुलाई कर दी है। सरकार ने दो अप्रैल को करीब 40 महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर पूर्ण सीमा शुल्क छूट दी थी। यह अस्थायी राहत 30 जून को समाप्त होने वाली थी। आयात शुल्क में यह छूट प्लास्टिक, पैकेजिंग, कपड़ा, दवा, रसायन, मोटर वाहन कलपुर्जों और अन्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों जैसे पेट्रोरसायन कच्चा माल तथा मध्यवर्ती उत्पादों पर निर्भर उद्योगों (डाउनस्ट्रीम) को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से दी गई थी।

छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में किसी तरह का बदलाव नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार ने मंगलवार को पीपीएफ व एनएससी जैसी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया। यह लगातार नौवीं तिमाही है जब ब्याज दरें बरकरार रखी गई हैं। यह बदलाव 1 जुलाई, 2026 से लागू होगा।

सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर 8.2 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर ब्याज दर मौजूदा तिमाही में 7.1 प्रतिशत पर बनी रहेगी। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और पोस्ट आफिस बचत जमा योजनाओं के लिए ब्याज दरें क्रमशः 7.1 प्रतिशत और 4 प्रतिशत पर बरकरार रखी गई हैं। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। राष्ट्रीय बचत पत्र (एनएससी) पर ब्याज दर जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए 7.7 प्रतिशत बनी रहेगी। सरकार ने आखिरी बार 2023-24 की चौथी तिमाही में कुछ योजनाओं पर ब्याज दरों में बदलाव किया था।

जीएसटी ट्रिब्यूनल में अपील करने की समयसीमा 31 जुलाई तक बढ़ी

- वित्त मंत्रालय ने अपील दाखिल करने में कठिनाइयों की शिकायत के बाद लिया फैसला
- केंद्र अब तक जीएसटीएटी की 31 राज्य पीठ और एक प्रधान पीठ को कर चुका है अधिसूचित

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार ने जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार को एक महीने बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी। जीएसटीएटी की शुरुआत पिछले वर्ष सितंबर में हुई थी। इसके बाद सरकार ने जीएसटीएटी में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2026 तय की थी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि विभिन्न हितधारकों के अनुरोध के बाद यह निर्णय लिया गया। अनुरोधों में कहा गया था कि जीएसटीएटी प्लेटफार्म पर अत्यधिक दबाव के कारण अपील दाखिल करने में तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले 15 दिनों में ही 30,000 अपीलें दाखिल की गईं, जबकि एक दिन में सर्वाधिक 5,500 अपीलें दर्ज की गईं। मंत्रालय ने करदाताओं को सलाह दी कि वे अंतिम समय तक इंतजार नहीं करें और समय रहते अपनी अपील दाखिल कर दें। सरकार अब तक जीएसटीएटी की 31 राज्य पीठों और दिल्ली स्थित एक प्रधान पीठ को अधिसूचित कर चुकी है। फिलहाल अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष 4.80 लाख से अधिक मामले लंबित हैं और इन सभी के जीएसटीएटी में आने की उम्मीद है। सरकार ने मई 2024 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संजय कुमार मिश्रा को जीएसटीएटी का प्रधान पीठ का चेयरमैन नियुक्त किया था। एक जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद करदाताओं और जीएसटी विभाग के बीच सभी विवादों का निपटारा हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में होता था, जिससे मामलों के समाधान में देरी होती थी। सितंबर 2025 में जीएसटीएटी का संचालन शुरू होने के बाद विवादों के निपटारे की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद बनी है। एएमआरजी ग्लोबल के प्रबंध साझेदार रजत मोहन ने कहा कि सरकार का यह फैसला जीएसटीएटी के पूर्ण रूप से कामकाज शुरू होने तक करदाताओं के अपील करने के अधिकार की रक्षा करता है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

जून में भारत का रूसी तेल आयात रिकार्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली, रायटर: शिपिंग ट्रैकिंग डेटा का विश्लेषण करने वाली केप्लर के मुताबिक जून में भारत का रूसी तेल आयात रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से आपूर्ति के अन्य स्रोतों पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए विभिन्न तेल कंपनियों ने जमकर रूसी तेल की खरीद की।

शुरुआती आंकड़ों का विश्लेषण करने से पता चलता है कि इस महीने भारतीय रिफाइनरियों ने रूस से लगभग 27 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा। मई में भारत का रूसी तेल आयात 21 लाख बैरल प्रतिदिन था। 2022-23 से भारत के कच्चे तेल के आयात में रूसी तेल का दबदबा रहा है, क्योंकि तेल कंपनियों ने छूट पर बेचे जा रहे तेल को खरीदने ज्यादा दिलचस्पी दिखाई दी है। भारत दुनिया का तीसरे सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है और उसका कुल कच्चा तेल आयात लगभग 49 लाख बैरल प्रतिदिन पर स्थिर है। इसमें रूस सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल पर प्रयोग चल रहा, कितना चाहिए अगले साल पता चलेगा

- सुप्रीम कोर्ट में अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने रखी दलील
- शीर्ष अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने का दिया आदेश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: तेल कंपनियों और केंद्र सरकार को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कर्नाटक हाई कोर्ट के उस निर्देश पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं, जिसमें एथनाल आपूर्ति वर्ष 2025-26 के लिए एथनाल का आवंटन बढ़ाने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस एमएम सुंदरेश और शील नागू की पीठ ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड की याचिका पर नोटिस भी जारी किया। सुनवाई के दौरान बीपीसीएल की ओर से पेश अटार्नी जनरल ने कहा कि हाई कोर्ट के एथनाल की आपूर्ति बढ़ाने पर विचार करने का आदेश पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण की राष्ट्रीय नीति को अस्थिर कर देगा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण कार्यक्रम अभी एक चल रहा प्रयोग है। इस नीति का असर अगले साल पता चलेगा कि कितनी मात्रा चाहिए।

शीर्ष अदालत ने उपरोक्त आदेश कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली बीपीसीएल की याचिका पर दिए। हाई कोर्ट ने बीपीसीएल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड को एथनाल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 के लिए एथनाल आवंटन बढ़ाने की मांग करने वाले एथनाल निर्माता कंपनियों के ज्ञापन पर विचार करने और निर्णय लेने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि सरकारी नीति के तहत बनाए गए और कांट्रैक्ट के जरिये सिर्फ तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीएस) को एथनाल सप्लाई करने के लिए बाध्य एथनाल प्लांट को लांग टर्म आफटेक एग्रीमेंट (एलटीओए) के तहत मिलने वाले प्राथमिकता वाले आवंटन के फायदे से वंचित नहीं किया जा सकता।

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान तेल कंपनी की ओर से पेश अटार्नी जनरल ने कहा कि तेल कंपनियों को बीआइएनपी डिस्टलरीज एंड शुगर्स को आवंटन बढ़ाने पर विचार करने का निर्देश देने वाला हाई कोर्ट का आदेश राष्ट्रीय नीति को अस्थिर कर देगा। सुनवाई के बाद दैनिक जागरण से बात करते हुए अटार्नी जनरल ने कहा कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण की नीति लागू हो चुकी है और चल रही है। लेकिन, कितना एथनाल चाहिए होगा, उसकी मात्रा बाद में अगले साल तक पता चलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोर्ट में कही गई बात का मतलब पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण की नीति के बारे में चल रहा प्रयोग कहना नहीं था। उन्होंने यह बात क्वांटिटी यानी मात्रा के संदर्भ में कही थी। कितनी मात्रा चाहिए होगी, यह बाद में पता चलेगा।

देश ने रक्षा उत्पादन व निर्यात में काफी प्रगति की : राजनाथ सिंह

बड़ोदरा, प्रेट्र: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत ने पिछले दशक में रक्षा उत्पादन और निर्यात में काफी प्रगति की है, लेकिन पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। उन्होंने कहा कि गुजरात में रक्षा विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के एक बड़े केंद्र के रूप में उभरने की भरपूर क्षमता है। यह राज्य अपनी औद्योगिकी क्षमता, कुशल श्रमिकों और उद्यमिता की भावना के माध्यम से भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

रक्षा मंत्री यहां चौथी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कान्फ्रेंस के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि घरेलू रक्षा उत्पादन 2014 में लगभग 46 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जबकि इसी अवधि में रक्षा निर्यात लगभग एक हजार करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 39 हजार करोड़ रुपये हो गया है। सिंह ने कहा, मैं इसे केवल एक शुरुआत मानता हूं। हमें अभी भी लंबा रास्ता तय करना है।

आरोपितों की आय से अधिक अर्जित संपत्तियां होंगी अटैच

आरोपित अविनाश शुक्ल से जेल में दो घंटे पूछताछ, पुलिस रिमांड की तैयारी, चंपतराय ने कहा, विश्वास नहीं था कि टिन्नू यादव चोरी करेगा

जागरण संवाददाता, अयोध्या: राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के आठों आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस इनकी वह संपत्तियां अटैच (संबद्ध) करने जा रही है जो आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक हैं। इसके लिए आवश्यक विधिक प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी। साथ ही जल्द कुछ और लोगों को भी गिरफ्तार किया जा सकता है। अब तक की जांच में पुलिस को न केवल विभिन्न मदों में किए गए निवेश व संपत्तियों के कागजात मिले हैं, बल्कि आभूषण व नकदी भी बरामद हुई है। बैंक खातों का विवरण जुटाने के बाद इनके खाते फ्रीज कराने की तैयारी है। उधर, पुलिस टीम ने मंगलवार को विवेचक क्षेत्राधिकारी आशुतोष त्रिपाठी के निर्देशन में मंडल कारागार पहुंचकर आरोपित अविनाश शुक्ल से लगभग दो घंटे तक पूछताछ की।

चढ़ावा चोरी के सभी आरोपितों को सोमवार को विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) रजत वर्मा की अदालत से 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर 13 जुलाई तक जेल भेजा गया है। सोमवार को अयोध्याधाम में स्थित पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक व केनरा बैंक में जाकर पुलिस टीमों ने आरोपितों के बैंक खातों का स्टेटमेंट व अन्य विवरण जुटाए थे लगभग 60 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया है। इसमें राम मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव व ट्रस्टी डा. अनिल मिश्र सहित अन्य भी शामिल हैं। मंगलवार को पुलिस की एक टीम ने कारसेवकपुरम पहुंचकर महासचिव चंपतराय से प्रकरण पर जानकारी ली। उनसे आरोपित कर्मियों की नियुक्ति, सत्यापन, संस्तुति आदि के बारे में जानकारी ली गई। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने कहा कि विश्वास नहीं था कि रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू भी चोरी में शामिल हो सकता है। वहीं, जेल में पूछताछ के दौरान आरोपित अविनाश शुक्ल से विभिन्न मदों में खर्च किए गए धन से संबंधित जानकारी मांगी गई।

केतन को सिया का किसी अन्य के साथ प्रेम संबंध की थी आशंका

केतन व सिया गोयल। इंटरनेट मीडिया

पुणे, प्रेट्र: पुणे के चर्चित रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। हत्या से पहले केतन ने अपने परिवार के सामने कई बार अपनी मंगेतर सिया गोयल को लेकर संदेह जताया था। उन्होंने परिवार से यह भी पूछा था कि शादी तय करने से पहले सिया के बैकग्राउंड की पूरी तरह जांच-पड़ताल की गई थी या नहीं। केतन को यह आशंका भी थी कि सिया का किसी अन्य व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध हो सकता है।

पुलिस के अनुसार, 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले पर केतन अग्रवाल को चट्टान से धक्का देकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में उनकी मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपितों को अदालत ने तीन जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा है। केतन और सिया की शादी इसी वर्ष नवंबर में होनी थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि केतन के पिता विशाल अग्रवाल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में उल्लेख है कि उनके बेटे ने कई बार सिया और चेतन चौधरी की नजदीकियों को लेकर चिंता जताई थी। केतन का कहना था कि सिया अक्सर बातचीत के दौरान चेतन का जिक्र करती थी। इतना ही नहीं, जब भी वह सिया को फोन करते थे, कई बार उसका मोबाइल फोन व्यस्त मिलता था, जिससे उनके मन में संदेह और बढ़ गया। जांच में यह भी सामने आया है कि जून की शुरुआत में केतन और सिया की प्री-वेडिंग ट्रिप वाली, इंडोनेशिया जाने की योजना रद हो गई थी। पुलिस के अनुसार, छह जून को यात्रा रद होने के बाद केतन ने अपने पिता से कहा था कि सिया छोटी-छोटी बातों पर विवाद करती है। इस पर परिवार ने उन्हें समझाया कि कम उम्र के कारण उसका व्यवहार ऐसा हो सकता है और शादी से पहले उसे समझाया जाएगा।

डीआर कांगो के मजबूत डिफेंस से इंग्लैंड के अटैक की टक्कर

इंग्लैंड की अग्निपरीक्षा लेगा कांगो

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : ग्रुप एल की टापर इंग्लैंड को अंतिम-32 में कांगो की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। ग्रुप के में नंबर तीन पर रही कांगो के खेलने का तरीका इंग्लैंड के लिए बहुत असुविधाजनक होने वाला है। कांगो की टीम लो ब्लाक डिफेंड (गेंद छिनते ही पूरी टीम अपने बाक्स के करीब आकर डिफेंड करने लगती है) वाली फुटबाल खेलती है और इंग्लैंड के विंगर्स को लगभग ऐसे ही सेटअप वाली घाना ने बहुत परेशान किया था।

इंग्लैंड की रणनीति : इंग्लैंड का सबसे बड़ा सरदर्द राइट बैक डिफेंडर की पोजीशन है। रीसी जेम्स और जैरेल क्वांसा चोटिल हैं। इनकी जगह किसे उतारें ये देखना होगा। इंग्लैंड ने पहले दोनों मैच में विंग पोजिशन पर एंथनी गोर्डन और नोनी मदुएके को उतारा था। लेकिन पनामा के विरुद्ध जीत में इन्होंने मार्कस रैशफोर्ड और बुकायो साका को मौका दिया और लो ब्लाक डिफेंस के विरुद्ध इनका प्रदर्शन उन दोनों से बेहतर रहता है, ऐसे में इन्हें ही फिर मौका मिलने की उम्मीद है। हैरी केन और जूड बेलिंगम ने अभी तक अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। इंग्लैंड की पूरी रणनीति इन्हें गोल करने लायक पोजिशन में गेंद देने के इर्द-गिर्द ही चलती है।

संभावित शुरुआती 11: पिकफोर्ड (गोलकीपर), स्पेंस, कोंसा, गेही, ओ राइली, एलियट एंडरसन, राइस, बुकायो साका, बेलिंगम, रैशफोर्ड और केन।

कांगो की रणनीति: गोला-बारूद-टैंक सब रोकने की क्षमता रखने वाला डिफेंस कांगो की रणनीति का सबसे अहम हिस्सा है। इस डिफेंस के आगे खड़े कभी ना थकने वाले मिडफील्डर्स मिलकर इस टीम के विरुद्ध गोल करना असंभव सा बना देते हैं।

संभावित शुरुआती 11: एमपासी (गोलकीपर), वान बिसाका, एमबेंबा, तुआनजेबे, कपुटो, मसुआकु, मुकाउ, सैमुअल मुतुस्वामी, नोआ सदीकी, सेड्रिक बकांबु और योआने विस्सा

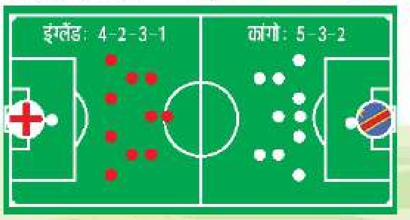

अमेरिका की परीक्षा होगी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : अपने घर में हो रहे फीफा विश्व कप में तगड़ी शुरुआत करने वाली अमेरिका की टीम नाकआउट के पहले मैच में बोस्निया और हर्जेगोविना का मुकाबला करने के लिए तैयार है। पहले दोनों मैच जीतने वाली अमेरिका को आखिरी मैच में तुर्किये से मात मिली थी जबकि बोस्निया की टीम एक जीत और एक ड्रा के साथ किसी तरह विश्व कप में आई है।

अमेरिका की रणनीति: हाई प्रेस (लगातार, ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों के साथ विपक्षी हाफ पर हमला) खेलने वाली अमेरिका ने पहले दोनों मैच इसी रणनीति के साथ जीते थे।

फार्मेशन: अमेरिका की टीम 3-4-2-1 फार्मेशन में खेलती है।

संभावित शुरुआती 11: मैट फ्रीसे (गोलकीपर), फ्रीमैन, रिचर्ड्स, रीम, रोबिंसन, मैक्केनी, एडम्स, टिलमन, टेस्स, बालोगुन और क्रिस्टियन पुलिसिक।

बोस्निया और हर्जेगोविन की रणनीति: बोस्निया और हर्जेगोविन की टीम लो ब्लाक डिफेंस और दोहरी स्ट्राइकर साझेदारी पर निर्भर रहती है। गेंद छिनते ही ये लोग लो ब्लाक डिफेंस पर आ जाते हैं और गेंद मिलते ही काउंटर अटैक।

फार्मेशन: बोस्निया की टीम मुख्यतः 4-4-2 की फार्मेशन में खेलती है।

संभावित शुरुआती 11: निकोला वसिल्ज (गोलकीपर), अर्जेन मलिच, काटिच, मुहरेमोविच, कोलासिनैच, बजरक्तारेविच, सुन्यिच, बेसिच, अलाज्बेगोविच, डेमिरोविच और एडिन जेको

एक जुलाई के मैच
इंग्लैंड vs कांगो डीआर
9.30 पीएम | स्थान: अटलांटा

दो जुलाई के मैच
बेल्जियम vs सेनेगल
1.30 एएम | स्थान: सिएटल
अमेरिका vs बोस्निया व हर्जेगोविना
5.30 एएम | स्थान: सैन फ्रांसिस्को
प्रसारण: यूनाइट 8 1 व 2 स्पोर्ट्स, जीओ

इंग्लैंड vs इंडिया
आज 9:00 PM
SONY SPORTS 1 | SONY SPORTS 3 | SONY SPORTS 5
हिन्दी

बड़ी जीत दर्ज कर अंतिम-32 में आई हैं बेल्जियम और सेनेगल

विजयी लय जारी रखना चाहेंगी बेल्जियम

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : धीमी और प्रशंसकों को क्रोधित करने वाली शुरुआत के बाद लय में आने वाली बेल्जियम और सेनेगल का मैच दिलचस्प होगा। दोनों ही टीमों ने शुरू में बहुत निराश करने के बाद आखिरी मैच में जोरदार जीत के साथ अंतिम-32 में प्रवेश किया था। सेनेगल तो पहले दोनों लीग मैच हारने के बाद फीफा विश्व कप नाकआउट तक पहुंचने वाली पहली टीम भी बन गई। सिएटल में होने वाला ये मैच सेनेगल के डिफेंस के सामने बेल्जियम के अटैक की कड़ी परीक्षा जैसा होगा।

बेल्जियम की रणनीति: बेल्जियम की टीम अपनी मिडफील्ड और फारवर्ड लाइन के भरोसे टूर्नामेंट में उतरी थी लेकिन अभी तक वह दोनों ही संघर्ष करते दिखे हैं। न्यूजीलैंड के विरुद्ध मैच के बाद प्रशंसकों का भरोसा थोड़ा सा लौटा और उन्हें उम्मीद है कि केविन डि ब्रूएना मौके बनाने में सफल रहेंगे और मिडफील्ड से मैच को कंट्रोल में रखेंगे।

संभावित शुरुआती 11: थिबाट कोर्टवा (गोलकीपर), थामस मुनिए, नेथन एनगोय, ब्रैंडन मेशैले, टिमोथी कास्तान्ये, अमादोउ ओनाना, यूरी टिलेमांस, लींड्रो ट्रोसार्ड, केविन डि ब्रूएना, जेरेमी डोकू, और चार्ल्स डि केटेलाइरे।

सेनेगल की रणनीति: इनकी रणनीति का एक बड़ा हिस्सा तेजी से होते काउंटर अटैक और सटीक डिफेंस के बीच रहता है। साथ ही ये मिडफील्ड में तगड़े शारीरिक सौष्ठव का प्रदर्शन भी करते हैं। सेनेगल के मिडफील्डर्स हमेशा ही अपने विंगर्स को रिलीज करने की फिराक में रहते हैं और ये विंगर्स अपनी तेजी से मौके बनाने के लिए तैयार रहते हैं।

संभावित शुरुआती 11: मोरी डियाव (गोलकीपर), क्रेपिन डियात्ता, अब्दुलाए सेक, मूसा निआखाते, मालिक डिआफ, हबीब डियारा, इद्रीसा गाना गुए, लामिने कमारा, इब्राहिम एमबाये, इस्माइला सार और सादियो माने

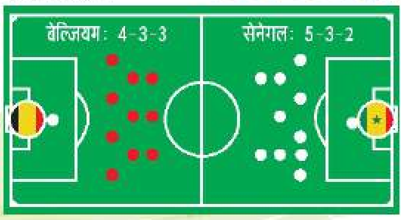

विश्व कप में जर्मनी और नीदरलैंड्स का हुआ शूटआउट

रेफरी के वार से हारा जर्मनी, पराग्वे पहली बार अंतिम 16 में पहुंचा

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : फीफा विश्व कप 2014 जीतने के बाद से शुरू हुआ जर्मनी फुटबाल टीम का पतन 2026 में भी जारी रहा, जहां पराग्वे ने पेनाल्टी शूटआउट तक खिंचे अंतिम-32 के मुकाबले में उन्हें 4-3 से परास्त कर बाहर का रास्ता दिखाया। बोस्टन में तय वक्त तक 1-1 से बराबर रहने के बाद मुकाबला 30 मिनट के निर्धारित अतिरिक्त समय में गया जहां डिफेंडर जोनाथन ताह ने एक हेडर के जरिए गोल कर जर्मनी को 2-1 से आगे कर दिया लेकिन रेफरी ने वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर का सहारा लेते हुए उस गोल को अमान्य करार दे दिया। इस पर बहुत विवाद हुआ लेकिन इन विवादों का अब कोई अर्थ नहीं क्योंकि अतिरिक्त समय में स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद हुए पेनाल्टी शूटआउट में पराग्वे ने तीन के मुकाबले चार गोल करते हुए चार बार की चैंपियन जर्मनी को हरा दिया।

विवादित वीएआर : वीएआर से जुड़े विवाद खत्म होने का नाम ही नहीं रहे हैं। पराग्वे के विरुद्ध जर्मनी की हार के बाद उनके पूर्व खिलाड़ियों से लेकर कोचों और प्रशंसकों तक सबका मानना है कि उनके साथ धोखा हुआ। उनके गोल को गलत तरीके से खारिज किया गया। इस पूरे विवाद की जड़ में जाने से पहले आपको बता देते हैं कि मैच के रेगुलर टाइम में क्या हुआ। 42वें मिनट में जुलियो इनसीजो ने चतुराई पूर्वक गोल दागकर पराग्वे को बढ़त दिला दी। मामला एक कार्नर से शुरू हुआ, बाक्स में आई गेंद को गोलकीपर मैनुअल नोएर ने हल्के पंच द्वारा बाक्स के बाहर भेजा लेकिन पराग्वे ने तुरंत इस पर कब्जा करते हुए बहुत खूबसूरती से चार खिलाड़ियों के जरिए आगे बढ़ाया। चौथे खिलाड़ी ने सटीक क्रास के जरिए इसे इनसीजो तक पहुंचा दिया जिनके हेडर का नोएर के पास कोई जवाब नहीं था।

पहले हाफ में पिछड़ने के बाद जर्मनी ने दूसरे हाफ में तेजी दिखाई। कुछ बदलाव किए और फिर लगातार पराग्वे के गोल पर हमले करने लगे। उन्हें इसका फायदा भी मिला जब काइ हावर्ट्ज ने 54वें मिनट में एक हेडर के जरिए स्कोर 1-1 कर दिया। 90 मिनट खत्म होने तक स्कोर यही रहा। फिर अतिरिक्त समय के पहले हाफ (101वें मिनट) में जर्मनी के डिफेंडर जोनाथन ताह ने करारा हेडर मारकर जर्मनी को बढ़त दिला दी लेकिन पराग्वे की अपील पर रेफरी ने वीएआर का सहारा लिया। वीएआर देखने के बाद उन्होंने कहा कि बिल्डअप के दौरान जर्मनी ने पराग्वे के गोलकीपर को बचाव करने से रोका इसलिए ये गोल अमान्य है। जबकि उस वक्त अंग्रेजी में टीवी कमेंट्री कर रहे सारे लोग एक स्वर में बोल रहे थे कि पराग्वे के गोलकीपर ओरलैंडो गिल रेफरी को मूर्ख बनाने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल गिल ने बिल्डअप के दौरान जर्मन खिलाड़ी के पकड़ते ही गिरने का नाटक किया। ये नाटक भी बहुत अच्छा नहीं था क्योंकि ताह की ओर गेंद जाते देख वह तुरंत बहुत फुर्ती से खड़े हो गए थे। रेफरी के फैसले से पहले सारे कमेंटेटर यही बोल रहे थे कि अगर रेफरी ये गोल अमान्य करार देते हैं तो बहुत खराब फैसला होगा। जर्मनी की हार के बाद प्रसिद्ध जर्मन फुटबाल मैनेजर यर्गन क्लोप ने यहां तक कह दिया कि अगर ये फाउल था तो इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल का प्रीमियर लीग खिताब जीतना संभव ही नहीं है क्योंकि उन्होंने ज्यादातर गोल ऐसे ही किए हैं।

जर्मनी के विरुद्ध गोल का जश्न मनाती पराग्वे की टीम • एएफपी

पेनाल्टी में जर्मनी से आगे निकला पराग्वे

नई दिल्ली : शूटआउट में जर्मनी के लिए काइ हावर्ट्ज पहली पेनाल्टी में ही गोल नहीं कर पाए जबकि पराग्वे के लिए पहली तीनों पेनाल्टी पर मारीसियो, गुस्तावो गोमेज और मतियस गलार्जा ने गोल कर दिए। एंटोनियो सनाब्रिया, फैबियन बलबुएना के शाट्स गोल में नहीं गए जबकि जर्मनी के जोनाथन ताह का शाट स्टैंड्स में जाने के बाद आए जोसे कनाले ने गोल मार पराग्वे को जीत दिला दी। जर्मनी के लिए जोशुआ किमिख, जमाल मुसियाला और नदीम अमीरी ने पेनाल्टी पर गोल किए जबकि हावर्ट्ज और ताह के साथ निक वोल्टेमेड का शाट भी गोल में नहीं गया।

पेनाल्टी शूटआउट
जर्मनी: ✗ ✓ ✓ ✗ ✓ ✗
पराग्वे: ✓ ✓ ✓ ✗ ✗ ✓

जर्मनी		पराग्वे
21	शाट	7
7	टार्गेट पर शाट	4
753	पास	262
18	फाउल	12
2	येलो कार्ड	2
0	रेड कार्ड	0
16	कार्नर	6

जर्मनी 1 – पराग्वे 1
हावर्ट्ज 54वां मिनट | इनसीजो 42वां मिनट

सिर्फ तीन महीने पुराना खिलाड़ी बन गया मोरक्को की जीत का हीरो

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : मेक्सिको के मोंटेरी में हुए अंतिम-32 के मुकाबले में नीदरलैंड्स की मजबूत टीम को मोरक्को ने पेनाल्टी शूटआउट में हरा दिया। तय वक्त में 1-1 से बराबर रहे इस मुकाबले को मोरक्को ने शूटआउट में 3-2 के अंतर से अपने नाम किया। मोरक्को की इस जीत के हीरो रहे 29 साल के डिफेंडर इस्सा डिओप जिन्होंने इसी साल मार्च के महीने में मोरक्को के लिए खेलने का फैसला किया था।

बस तीन महीने पुराना हीरो: फ्रांस में पैदा हुए डिफेंडर इस्सा डिओप ने अंडर-16 से लेकर अंडर-21 तक फ्रांस के लिए युवा फुटबाल खेली और इन्हीं के लिए सीनियर लेवल पर खेलने का मन भी बना लिया था। अक्टूबर 2018 में उन्होंने कहा कि वह फ्रांस के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि फ्रांस की ओर से डिओप को खेलने का मौका नहीं मिला जिसके बाद इस साल मार्च में मोरक्को ने डिओप को अपनी टीम में चुन लिया। डिओप ने फीफा से मोरक्को के लिए खेलने की अनुमति मांगी और फीफा मान गई। दरअसल डिओप की मां मोरक्को की हैं जबकि उनके पिता सेनेगल के और उनका जन्म फ्रांस में हुआ। इन तीनों देशों से खेलने की योग्यता रखने वाले डिओप ने मोरक्को को चुना और फिर जब मोरक्को को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, डिओप ने शानदार गोल मार दिया।

पहला हाफ 0-0 से बराबर रहने के बाद नीदरलैंड्स ने 72वें मिनट में कोडी गक्पो के गोल से बढ़त ले ली। मैच के आखिरी पलों तक स्कोर यही रहा लेकिन तय समय के बाद मिले कुछ मिनट के अतिरिक्त समय के पहले ही मिनट (90+1) में डिओप ने गोल कर मोरक्को को बाहर होने से बचा लिया। 30 मिनट के पूर्वनिर्धारित अतिरिक्त समय में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर पाईं जिसके बाद मैच के नतीजे के लिए पेनाल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। यहां नीदरलैंड्स के क्रिसेंसियो समरविल, ब्रिंटन टिंबर और जस्टिन क्लाइवर्ट गोल करने से चूक गए जबकि मोरक्को की ओर से नील एल अयनाउइ और कप्तान अशरफ हकीमी के शाट गोल में नहीं गए, लेकिन मोरक्को ने सोफियान रहीमी, चेम्सदिने तल्बी और इस्माइल साइबरी के गोल की मदद से मुकाबला जीत लिया। नीदरलैंड्स की ओर से पेनाल्टी में सिर्फ वाट वेघोर्स्ट और टिज्जन कूपमेनर्स ही गोल कर पाए।

नीदरलैंड्स		मोरक्को
7	शाट	12
3	टार्गेट पर शाट	6
356	पास	780
18	फाउल	15
0	येलो कार्ड	1
0	रेड कार्ड	0
5	कार्नर	8

नीदरलैंड्स 1 – मोरक्को 1
गक्पो 72वां मिनट | डिओप 90+1

पेनाल्टी शूटआउट
नीदरलैंड्स: ✓ ✗ ✓ ✗ ✗
मोरक्को: ✗ ✓ ✓ ✗ ✓

जीत की खुशी मनाते मोरक्को के इस्माइल साइबरी • रायटर

रैपिड एंव ब्लिट्ज में चुनौती पेश करेंगे गुकेश-प्रगनानंद

आज से क्रोएशिया में शुरू होगी ग्रैंड शतरंज टूर के तहत इस साल की तीसरी प्रतियोगिता, प्रगनानंद से काफी उम्मीदें

जाग्रेब, प्रेट्र: विश्व चैंपियन डी गुकेश ने भले ही क्लासिकल शतरंज से कुछ समय के लिए ब्रेक लिया हो, लेकिन बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए उनकी प्रतिबद्धता बरकरार है। वह बुधवार से क्रोएशिया में शुरू हो रहे जाग्रेब रैपिड एंव ब्लिट्ज टूर्नामेंट में दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करेंगे। यह प्रतियोगिता ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है जो शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाने का सबसे बड़ा मंच है। ग्रैंड शतरंज टूर के तहत इस साल की यह तीसरी प्रतियोगिता होगी और इसके बाद तीन और प्रतियोगिताएं होनी हैं।

इस प्रतियोगिता में भारतीय स्टार आर प्रगनानंद भी हिस्सा लेंगे। प्रगनानंद ने हाल ही में नार्वे शतरंज में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पछाड़कर जीत हासिल की थी। प्रज्ञनानंद लगातार भारत के लिए शतरंज में अच्छा कर रहे हैं और भारत के प्रशंसकों को उनसे काफी उम्मीदें हो गई हैं। वह वहां पर अच्छा कर सकते हैं। वह यहां पर भी जीतने की कोशिश करेंगे। इस प्रतियोगिता में रैपिड शतरंज के नौ दौर जबकि ब्लिट्ज शतरंज के 18 दौर खेले जाएंगे। रैपिड में हर जीत के लिए दो अंक और ड्रा के लिए एक अंक मिलेगा, जबकि ब्लिट्ज में जीत के लिए एक अंक और ड्रा के लिए आधा अंक दिया जाएगा। गुकेश ने अपने हालिया प्रदर्शन का हवाला देते हुए ग्रैंड चेस टूर से हटने का फैसला किया था। मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश को इस साल के आखिर में जावोखिर सिंदारोव के विरुद्ध अपने विश्व खिताब का बचाव करना है और इस बात पर अलग-अलग राय है कि इसे कौन जीतेगा। मुख्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लेने के बावजूद गुकेश ने वाइल्ड कार्ड धारक के तौर पर रैपिड और ब्लिट्ज वर्ग में खेलने का फैसला किया है।

कोच मैकुलम ने बेन स्टोक्स को मनाने की कोशिश की थी

लंदन, प्रेट्र: इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने बताया है कि उन्होंने बेन स्टोक्स से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया था, लेकिन तब तक वह अपना मन बना चुके थे। इंग्लैंड सोमवार को ट्रेंटब्रिज में न्यूजीलैंड के विरुद्ध तीसरा और अंतिम टेस्ट 160 रन से हार गया था।

स्टोक्स ने इस मैच के चौथे दिन ही संन्यास की घोषणा कर सभी को चौंका दिया था। मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा कि जब उन्होंने मुझे बताया कि वह संन्यास लेने जा रहे हैं तो मैंने उन्हें मनाने की कोशिश की थी। लेकिन तब तक वह अपना मन बना चुके थे और अपने फैसले पर अडिग थे। उनके फैसले से निश्चित तौर पर मैं थोड़ा उदास हो गया था क्योंकि हम चार साल से इस सफर में साथ रहे हैं और यह एक रोमांचक अनुभव रहा है। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस दौरान स्टोक्स के साथ इतने करीब से काम करने का मौका मिला। मैं उन्हें अपना दोस्त, एक सच्चा दोस्त मानता हूं।

जापानी डिफेंस में ब्राजील ने किया सांबा

0-1 से पिछड़ने के बाद पांच बार की चैंपियन ब्राजील ने जापान को 2-1 से हराया

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : जापान की फुटबाल टीम ने ब्राजील के विरुद्ध अंतिम-32 मैच में गजब का चक्रव्यूह रचा था। जापान ने शुरुआत से ही मिडफील्ड में इतने खिलाड़ी भर दिए कि ब्राजील की टीम के पसीने छूट गए।

मैच के पहले हाफ में ब्राजील ने बहुत हाथ-पैर मारे लेकिन गोल नहीं कर पाए, उल्टा जापान ने मशहूर समुराइयों की भांति दबे पांव ब्राजील से बीच मैदान गेंद छीनी और 29वें मिनट में गोल कर दिया। लगा कि जापान की रणनीति कामयाब रहेगी और वो फीफा विश्व कप के नाकआउट का पहला उलटफेर कर देंगे, लेकिन मैच के दूसरे हाफ में पांच बार की चैंपियन ब्राजील ने उनकी रणनीति, डिफेंस और मिडफील्ड में घुसकर सांबा डांस कर दिया। एक समय मैच 1-1 की बराबरी था लेकिन चैंपियन तो चैंपियन होते हैं और ब्राजील ने इंजरी टाइम में एक और गोल करके बता दिया कि उनकी टीम एशियाई शेरों के मुकाबले क्यों बेहतर है। इससे पहले ह्यूस्टन स्टेडियम में जापान ने पांच मिडफील्डर्स के साथ घनघोर डिफेंसिव शुरुआत की। ब्राजील ने शुरू से ही अटैक करना चाहा लेकिन उनके अटैक सफल नहीं हो पाए। जापान की मिडफील्ड में भरे खिलाड़ियों ने ब्राजील को क्लीयर चांस बनाने के बहुत कम मौके दिए और लगातार परेशान किया।

मैच के पहले हाइड्रेशन ब्रेक तक ब्राजील कई हमले कर चुका था लेकिन स्कोर अब भी 0-0 था। हाइड्रेशन ब्रेक से लौटने के बाद ब्राजील ने थोड़ी सांस लेने की कोशिश की और इसी दौरान कैसेमिरो से एक गलती हो गई। साथी मिडफील्डर को पास देने के चक्कर में वह गेंद पर ढिलाई दिखा बैठे और समुराई की तरह बिजली की गति से आए काइशु सानो ने बीच मैदान में गेंद संभाली। सानो अकेले भागे और गोल से 20 मीटर दूर से ही झन्नाटेदार शाट लगाकर ब्राजील के गोलकीपर एलिसन बेकर को चौंका दिया। यह पहले हाफ का इकलौता गोल था।

हेडर से जापान के विरुद्ध गोल करते ब्राजीलियन फुटबालर कैसेमिरो (पीली जर्सी में) • रायटर

ब्राजील		जापान
20	शाट	5
7	टार्गेट पर शाट	2
679	पास	300
4	फाउल	13
2	येलो कार्ड	3
0	रेड कार्ड	0
6	कार्नर	2

ब्राजील 2 – जापान 1
कैसेमिरो 56 वां, गेब्रिएल मार्टिनेली 90+6 वां मिनट | काइशु सानो 29 वां मिनट

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

बांसुरी को वैश्विक पहचान दिलाने वाले हरिप्रसाद चौरसिया

हरिप्रसाद चौरसिया का जन्म 1938 में आज ही वर्तमान उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुआ था। उनके पिता पहलवान थे और चाहते थे कि वे भी कुश्ती करें, लेकिन हरिप्रसाद का मन संगीत में रमा। उन्होंने बांसुरी वादन की उच्च शिक्षा गुरु अन्नपूर्णा देवी से प्राप्त की। अपनी मधुर शैली व नवाचार से उन्होंने बांसुरी को भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ विश्व मंच पर पहचान दिलाई। संगीतकार शिवकुमार शर्मा के साथ उनकी जोड़ी 'शिव-हरि' ने सिलसिला, चांदनी और डर जैसी फिल्मों का संगीत तैयार किया। उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, पद्म भूषण, पद्म विभूषण, फ्रांस का आर्डर आफ आर्ट्स एंड लेटर्स सहित अनेक सम्मान मिले।

दुनिया का पहला पोर्टेबल म्यूजिक प्लेयर बना वाकमैन

1979 में आज ही जापान में सोनी ने पहला वाकमैन (टीपीएस-एल2) बिक्री के लिए उतारा। यह दुनिया का पहला लोकप्रिय पोर्टेबल कैसेट प्लेयर था। इसने हेडफोन के जरिए चलते-फिरते संगीत सुनने की शुरुआत की और व्यक्तिगत संगीत संस्कृति को नई दिशा दी।

देश की पहली उच्च न्यायिक संस्था बनी कलकत्ता हाईकोर्ट

1862 में आज ही कलकत्ता हाईकोर्ट (तत्कालीन हाई कोर्ट आफ ज्यूडिकेचर एट फोर्ट विलियम) ने कामकाज शुरू किया। भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम, 1861 के तहत गठित यह भारत का पहला हाईकोर्ट था, जिसने देश में न्यायिक व्यवस्था की मजबूत नींव रखी।

एक नजर

मेघवाल ने शुरू किया उन्नत नोटरी पोर्टल

नई दिल्ली: केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने नोटरी के लिए एक नया इलेक्ट्रानिक माड्यूल शुरू किया है। यह सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान के अनुरूप है। नया माड्यूल वर्तमान नोटरी पोर्टल पर आधारित है। विधि कार्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआइसी) के सहयोग से विकसित यह माड्यूल योग्य कानूनी पेशेवरों, वकीलों को नोटरी पोर्टल के माध्यम से आनलाइन आवेदन जमा करने में सक्षम बनाता है। (प्रेट)

बांग्लादेश में फिर से खुले भारतीय वीजा आवेदन केंद्र

ढाका: बांग्लादेश में लगभग दो वर्ष बाद भारतीय वीजा आवेदन केंद्र फिर से खोल दिए गए हैं। टूरिस्ट वीजा सेवा बहाल करने के बाद यह कदम उठाया गया है। बता दें कि हिंसक छात्र आंदोलन के चलते पांच अगस्त, 2024 को शेख हसीना सरकार अपदस्थ हो गई थी। इस दौरान भारतीय उच्चायोग के परिसर समेत विभिन्न शहरों में स्थित पांच भारतीय वीजा आवेदन केंद्रों को भी निशाना बनाया गया था। वहां कार्यरत भारतीय कर्मचारियों को भी धमकाया गया था। सुरक्षा खतरों के मद्देनजर भारतीय उच्चायोग को वीजा संबंधी काम को कम करना पड़ा था। (एएनआइ)

तृणमूल के पूर्व विधायक को पुलिस ने हाफ पैंट में घुमाया

कोलकाता : सरकारी राहत सामग्री घोटाले में आरोपित तारकेश्वर के पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक रामेंदु सिंह राय को पुलिस ने हाफ पैंट में इलाके में घुमाया। रामेंदु के विरुद्ध धनियाखाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उसके बाद से ही वह फरार थे। गत 19 जून को पुलिस ने उन्हें कर्नाटक से गिरफ्तार किया था। हालांकि, कलकत्ता हाई कोर्ट ने नेताओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हो रहे हमलों (जैसे अंडे फेंकना और मारपीट) का संज्ञान लेते हुए बंगाल पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। (राब्यू)

प्रशांत व हिंद महासागर में दो मौसमी तंत्रों के मुकाबले पर टिकी मानसून की चाल

अलनीनो के असर को कुंद कर सकता है पाजिटिव इंडियन ओशन डायपोल

अरविंद शर्मा ● जागरण

नई दिल्ली: इस बार भारतीय मानसून की आगे की तस्वीर काफी हद तक प्रशांत और हिंद महासागर में चल रही दो बड़ी मौसमी प्रणालियों की खींचतान पर टिकी है। एक ओर प्रशांत महासागर में विकसित हो रहे अलनीनो की स्थिति बारिश को कमजोर करने की ओर इशारा कर रही है, तो दूसरी ओर हिंद महासागर में इंडियन ओशन डायपोल (आइओडी) उसके असर को संतुलित करने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि जुलाई और अगस्त के दौरान यदि आइओडी पाजिटिव हुआ तो वह अलनीनो के असर को काफी हद तक कम कर सकता है।

मानसून को केरलम पहुंचे लगभग महीना भर हो चुका है, लेकिन देश के कई हिस्से सूखे की चपेट में आ गए हैं। कम वर्षा के कारण फसलों की बोआई प्रभावित हुई है। बोआई का रकबा पिछले वर्षों की तुलना में अभी करीब 23 प्रतिशत कम है। उम्मीद मानसून के दूसरे चरण पर टिकी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून के अगले चरण का रुख इस बात से तय होगा कि अलनीनो अधिक प्रभावी रहता है या आइओडी मजबूत होकर उसका मुकाबला करता है। यदि आइओडी समय पर सक्रिय हो गया तो अगस्त-सितंबर में बारिश की स्थिति सुधर सकती है। यदि अलनीनो का प्रभाव ज्यादा रहा और आइओडी कमजोर या देर से विकसित हुआ तो मानसून पर दबाव बना रह सकता है।

विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) और भारत मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल आइओडी न्यूट्रल स्थिति में है। अभी उसका मानसून पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ रहा। मगर जुलाई से अगस्त के बीच इसके पाजिटिव होने की संभावना है। ऐसा होने पर हिंद महासागर से अतिरिक्त नमी मिलने लगेगी, जिससे अगस्त-सितंबर में मानसून मजबूत हो सकता है। वर्ष 1997 में बेहद शक्तिशाली अलनीनो के बावजूद पाजिटिव आइओडी ने मानसून को सामान्य बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई थी। समुद्र के तापमान में सामान्य से लगभग 0.4 डिग्री सेल्सियस तक का अंतर न्यूट्रल माना जाता है। इससे अधिक बढ़त पाजिटिव आइओडी की ओर संकेत करती है। अभी इसके पाजिटिव होने के संकेत हैं। लेकिन मानसून को मजबूती तभी मिलेगी, जब समुद्र का तापमान और बढ़े।

मानसून के दौरान जारी वर्षा के बीच मंगलवार को मुंबई में मरीन ड्राइव पर समुद्र किनारे बैठे और टहलते लोग। ● प्रेट

12वीं की कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए शुरू की एलओसी प्रक्रिया

जासं, नई दिल्ली: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2026 की 12वीं की कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए नियमित छात्रों की लिस्ट आफ कैंडिडेट्स (एलओसी) जमा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बोर्ड ने सभी संबद्ध स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे 30 जून से शुरू हुई आनलाइन प्रक्रिया के तहत पात्र छात्रों का विवरण समय पर परीक्षा संगम पोर्टल पर अपलोड करें। सीबीएसई के अनुसार, इस बार मुख्य परीक्षा 2026 में कंपार्टमेंट प्राप्त करने वाले नियमित छात्र कंपार्टमेंट परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा, मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके वे छात्र भी आवेदन कर सकते हैं, जो किसी एक विषय में अपने अंक सुधारना चाहते हैं। वहीं, वर्ष 2025 में पहली बार 12वीं की परीक्षा देने वाले और तीसरे अवसर के तहत कंपार्टमेंट वाले छात्र केवल प्राइवेट उम्मीदवार के रूप में आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड ने स्कूलों को निर्देशित किया है कि वे सभी कंपार्टमेंट छात्रों से संपर्क कर उन्हें कंपार्टमेंट परीक्षा की जानकारी दें और उनका नाम एलओसी में अनिवार्य रूप से शामिल करें।

मेटा का दावा, सोच को शब्दों में बदल सकेगा नया एआइ सिस्टम

मेटा ने ब्रेन2क्वर्टी बी2 नाम का नया एआइ सिस्टम पेश किया, बोलने में असमर्थ मरीजों के लिए होगा मददगार

नई दिल्ली, एएनआइ: क्या सिर्फ सोचने भर से कंप्यूटर आपकी बात लिख सकेगा? मेटा ने ऐसा ही दावा करते हुए ब्रेन2क्वर्टी बी2 नाम का नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) सिस्टम पेश किया है। कंपनी का कहना है कि यह तकनीक बिना किसी सर्जरी के मस्तिष्क की गतिविधि को समझकर उसे लिखित शब्दों में बदल सकती है।

अब तक ऐसी तकनीकों के लिए अक्सर दिमाग में इलेक्ट्रोड लगाने जैसी सर्जरी करनी पड़ती थी। मेटा का दावा है कि उसका नया सिस्टम सिर के बाहर से मस्तिष्क के संकेत रिकार्ड कर यह काम कर सकता है। यदि भविष्य के परीक्षणों में भी यह सफल रहता है तो स्ट्रोक, लकवा, मस्तिष्क की चोट या अन्य तंत्रिका संबंधी बीमारियों के कारण बोलने में असमर्थ लोगों के लिए यह बड़ी उम्मीद बन सकता है। कंपनी के मुताबिक, इस तकनीक को 22 हजार से अधिक वाक्यों के डाटा पर प्रशिक्षित किया गया। इसके लिए नौ स्वयंसेवकों ने विशेष एमईजी (मैग्नेटोएन्सेफेलोग्राफी) उपकरण पहनकर करीब 10 घंटे तक टाइपिंग की। इसी दौरान उनके मस्तिष्क से निकलने वाले संकेत रिकार्ड किए गए, जिन्हें एआइ ने भाषा से जोड़ना सीखा। मेटा का कहना है कि नए सिस्टम ने बिना सर्जरी वाली मौजूदा तकनीकों की तुलना में कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। कंपनी के अनुसार, इसकी औसत शब्द पहचान सटीकता 61 प्रतिशत रही, जबकि सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों में यह 78 प्रतिशत तक पहुंच गई। कई मामलों में पूरे वाक्य में केवल एक या उससे कम शब्द की गलती रही। इस सिस्टम की खासियत यह है कि यह मस्तिष्क से मिलने वाले कच्चे संकेतों का विश्लेषण करने के लिए डीप लर्निंग और बड़े भाषा माडल का उपयोग करता है। इससे एआइ अधूरे या अस्पष्ट मस्तिष्क संकेतों का अर्थ समझकर उन्हें शब्दों में बदलने की कोशिश करता है।

एसआइआर के विरुद्ध 23 विपक्षी पार्टियों ने प्रधान न्यायाधीश को लिखा संयुक्त पत्र

- आइएनडीआइए से अलग हुई द्रमुक व आप ने भी किए हस्ताक्षर
- पत्र में चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका पर उठाए गंभीर सवाल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए ने देशभर में हो रहे मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया में चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रधान न्यायाधीश को एक संयुक्त पत्र लिखा है। विपक्ष की 23 पार्टियों एवं एक निर्दलीय सांसद की ओर से भेजे गए इस पत्र में एसआइआर में लक्षित तरीके से मतदाताओं को सूचियों से बाहर करके उन्हें मताधिकार के अधिकार से वंचित करने के लिए चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा किया गया है। आइएनडीआइए में शामिल दलों के अलावा हाल में गठबंधन से अलग हुई द्रमुक व आम आदमी पार्टी ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

आइएनडीआइए की गत आठ जून को हुई बैठक में एसआइआर के जरिये लोकतंत्र को कमजोर करने के प्रयासों के विरुद्ध सीजेआइ को पत्र लिखने के फैसले के अनुरूप मंगलवार को गठबंधन ने संयुक्त पत्र भेजा। कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि विपक्षी दल एकजुटता, एकता और प्रतिरोध (एसयूआरई) पर दृढ़ता से कायम हैं। इस पत्र का ब्योरा उजागर नहीं किया गया है, मगर विपक्ष के सूत्रों के अनुसार पत्र में बिहार चुनाव से पहले शुरू हुए एसआइआर को केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के राजनीतिक फायदे के लिए संचालित कर करोड़ों वोटरों को मतदाता सूची से बाहर करने के डिजायन को रेखांकित किया गया है। सूत्रों के अनुसार, पत्र पर मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, अखिलेश यादव आदि के साथ आइएनडीआइए में शामिल सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं।

तकनीक से बदलेगी खेती मोबाइल एप बताएगा मिट्टी की जरूरत : शिवराज

जागरण संवाददाता, रेवाड़ी: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आने वाले समय में तकनीक की सहायता से खेती में बदलाव होगा। मोबाइल एप के जरिये किसानों को मिट्टी की जरूरत की जानकारी मिलेगी। उन्होंने मंगलवार को बावल स्थित कृषि महाविद्यालय में आयोजित 'खेत बचाव अभियान' के राज्य स्तरीय समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि शामिल होते हुए यह बात कही। इससे पहले शिवराज व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बावल क्षेत्र के विकास के लिए 125 करोड़ रुपये की लागत की 11 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

अमित शाह ने लांच किया एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआइ कार्ड

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: विदेशी सहायता नियमन कानून (एफसीआरए) की पूरी प्रणाली अब डिजिटल होगी। इसके लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एफसीआरए 2.0 पोर्टल लांच किया। इस पोर्टल के माध्यम से एफसीआरए के तहत आवेदन करने से लेकर सारे दस्तावेज जमा किए जा सकेंगे। भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को दी जाने वाला ओसीआइ कार्ड भी अब डिजिटल होगा। शाह ने ई-ओसीआइ कार्ड योजना का भी शुभारंभ किया।

एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआइ कार्ड लांच करते हुए अमित शाह ने कहा कि इन दोनों की शुरुआत लोगों की सहूलियत बढ़ाने में बहुत लाभकारी सिद्ध होगी। इनसे नागरिकों की सुविधाएं बढ़ेंगी और विशेष रूप से एफसीआरए पोर्टल से दान प्राप्त करने वालों की दिक्कतों का निवारण होगा। शाह ने कहा कि जब नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और तकनीक को स्वीकारने की मानसिकता हो, तो सभी प्रकार का शासन ईमानदार लोगों के लिए बहुत सरल हो जाता है, गलत करने वालों पर पैनी निगरानी की व्यवस्था होती है और देश को अधिक से अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है।

एफसीआरए 2.0 पोर्टल का उद्देश्य विदेशी सहायता से जुड़े नियमों का अनुपालन सरल बनाने तथा निगरानी व प्रवर्तन की व्यवस्था को मजबूत करना है।

कतर बोला- दोहा में अमेरिका-ईरान की सीधी वार्ता नहीं

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत को लेकर जारी अटकलों के बीच कतर ने स्पष्ट किया है कि दोहा में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच कोई प्रत्यक्ष वार्ता नहीं होगी। कतर के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल मौजूद हैं, लेकिन बातचीत मध्यस्थों के जरिए ही आगे बढ़ेगी। यह स्पष्टीकरण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि दोहा में अहम बैठक होने वाली है और ईरान परमाणु हथियार विकसित नहीं करने पर सहमत हो गया है। हालांकि ट्रंप ने इस कथित सहमति का कोई ब्योरा नहीं दिया।

खेल जागरण

जोकोविक ने पहले दौर में पार की वू की कड़ी चुनौती

नोवाक जोकोविक ने विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में चीन के यिबिंग वू को चार राउंड तक चले मुकाबले में हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह

लंदन, आइएएनएस : सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविक ने अपने 21वें विंबलडन अभियान की शानदार शुरुआत में मंगलवार को पहले मैच में चीन के यिबिंग वू को 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 से हराया। हालांकि अच्छी सर्विस करने और बढ़िया खेल दिखाने के बावजूद सातवीं वरीयता प्राप्त नोवाक वू को सेंटर कोर्ट के माहौल का आनंद लेने से नहीं रोक पाए। पहले सेट में दुनिया के नंबर 102 खिलाड़ी वू ने 15 विनर्स लगाए, हालांकि उन्होंने लगभग उतनी ही संख्या में बिना दबाव की गलतियां भी कीं।

मैच का अहम मोड़ दूसरे सेट की शुरुआत में आया। अगर जोकोविक ने शुरुआत में मिले ब्रेक के मौकों में से किसी एक को भी भुना लिया होता, तो शायद वे आसानी से जीत हासिल कर लेते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तीसरे सेट की शुरुआत में छत बंद होने के कारण सर्बियाई खिलाड़ी को लगातार कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। कंधे की चोट के कारण साल का अपना केवल पांचवां टूर्नामेंट खेल रहे जोकोविक ने तीसरे सेट के आखिर में वू की सर्विस तोड़ने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी। सर्बियाई खिलाड़ी ने तीसरा सेट जीतने के लिए जबरदस्त संघर्ष किया और फिर चौथे सेट के अहम मौकों पर बेहतरीन खेल दिखाते हुए विंबलडन के पहले राउंड में अपना रिकार्ड 21-0 कर लिया। सर्बियाई खिलाड़ी ने चौथे सेट में छह ब्रेक पॉइंट्स बचाए, जिसमें 2-3 के स्कोर पर 0/40 की स्थिति से बचाए गए तीन ब्रेक पाइंट्स भी शामिल थे और आखिरकार तीन घंटे 11 मिनट के बाद जीत हासिल की।

कील लगी, खून बहा.. फिर भी जीत गए जानिक सिनर: गतविजेता जानिक सिनर ने एक ही मैच में दो बार वापसी करते हुए पांच सेट तक खिंचे मुकाबले में 50वीं रैंक वाले मिओमिर केचमानोविक को हराकर अपने विंबलडन अभियान की जोरदार शुरुआत की। फ्रेंच ओपन के महीने भर बाद अलग तरह की चुनौती का सामना करने उतरे शीर्ष वरीय इटली के सिनर ने मिओमिर को 4-6, 6-3, 6-7(6), 6-2 और 6-3 से हराया। सेंटर कोर्ट पर साढ़े तीन घंटे तक चले मुकाबले में सिनर ने दिखा दिया कि वह ग्रास कोर्ट का अपना खिताब इतनी आसानी से नहीं छोड़ेंगे। फ्रेंच ओपन के दौरान गर्मी से परेशान होने के बाद दूसरे सेट में हारने वाले सिनर ने उस मैच के बाद एक भी आधिकारिक मैच नहीं खेला था। फ्रेंच ओपन के उस मैच में गर्मी से पीड़ित सिनर पांच सेट तक जूझने के बाद हार गए थे।

मुकाबले के दौरान प्रतिक्रिया व्यक्त करते नोवाक जोकोविक ● रायटर

पुरुष सिंगल्स के अन्य प्रमुख मुकाबले

- रूस के दानिल मेदवेदेव ने क्रोएशिया के मारिन सिलिच को 6-1, 6-2, 6-4 से मात दी
- ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के ह्यूगो गैस्तन को 6-1, 6-4, 6-2 से शिकस्त दी

अमेरिका की कोको गफ ने आसानी से पार की जर्मन चुनौती

लंदन, रायटर: अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गफ ने महिला सिंगल्स के अपने पहले दौर के मुकाबले में जर्मनी की तमारा कोरपाच को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से आसानी से हरा दिया हरा दिया। 2023 की यूएस ओपन चैंपियन और 2025 की फ्रेंच ओपन चैंपियन गफ को इस मुकाबले में बिल्कुल भी संघर्ष का सामना करना नहीं पड़ा। हालांकि फ्रेंच ओपन चैंपियन और पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा को मैग्डा लिनेट को 7-5, 6-4 से हराने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। महिला सिंगल्स के अन्य मुकाबलों में नंबर-1 सबालेंका ने भी पहले दौर की बाधा को आसानी से पार कर लिया। उन्होंने सर्बिया की टियोडोरा कोस्तोविक को आसानी से 6-2, 6-3 से मात दे देकर दूसरे दौर में जगह बना ली। फ्रेंच ओपन से निराशाजनक तरीके से बाहर होने के बाद सबालेंका ने सेंटर कोर्ट पर इस मुकाबले में पूरी तरह से फोकस रखा कम रैंकिंग वाली कोस्तोविक के विरुद्ध शुरुआती चार गेम जीते। हालांकि, बाद में उन्हें थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी और दूसरे सेट में 5-2 के स्कोर पर उनकी सर्विस टूटी, लेकिन यह बस थोड़ी देर की रुकावट थी उन्होंने पेरिस में डायना श्नाइडर के विरुद्ध हुई हार जैसी स्थिति को यहां दोबारा नहीं होने दिया। वहीं पूर्व नंबर एक और चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने एलसा जैकमोट को 6-1, 7-5 से हरा दिया।

फ्लाप शो के बावजूद एशियन गेम्स में हरमन रहेंगी कप्तान

जापान में सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

नई दिल्ली, प्रेट्र : इंग्लैंड में हुए महिला टी-20 विश्व कप से उम्मीद से पहले बाहर होने के बावजूद हरमनप्रीत कौर को इस साल जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान बनाए रखा गया है। एशियन गेम्स में जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने हैं। रविवार को आस्ट्रेलिया से ग्रुप स्टेज में हार के बाद भारतीय टीम का विश्व कप अभियान खत्म हो गया था।

टीम एशियन गेम्स में गत चैंपियन के तौर पर उतरेगी, क्योंकि उसने 2023 में चीन के हांगझोउ में हुए पिछले एशियाई खेलों में स्वर्ण मेडल जीता था। एशियन गेम्स में पुरुषों और महिलाओं दोनों का क्रिकेट मुकाबला टी-20 प्रारूप में खेला जाता है। भारतीय टीम में स्मृति मंधाना हरमनप्रीत की डिप्टी बनी रहेंगी। 37 वर्षीय हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने पिछले साल महिला वनडे विश्व कप जीता था, इंग्लैंड में खराब प्रदर्शन के कारण आलोचना का सामना कर रही हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया एकमात्र ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्हें विश्व कप टीम से बाहर किया गया है और उनकी जगह जी. कामलिनी को टीम में शामिल किया गया है। आलराउंडर श्रेयंका पाटिल विश्व कप के बीच में टखने की चोट के कारण बाहर हो गई थीं। उन्हें टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा।

2026 एशियाई खेलों के लिए भारत की टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कामलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

हार्दिक पांड्या ने अब सीओई को अपना स्थायी अभ्यास केंद्र बनाया

भारतीय आलराउंडर ने करियर के बाकी समय में सेंटर आफ एक्सीलेंस से जुड़े रहने के लिए बेंगलुरु में रहने का किया फैसला

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के स्टार आलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपने करियर के बाकी समय के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) को अपना स्थायी अभ्यास केंद्र बनाने के मकसद से बेंगलुरु में रहने का फैसला किया है। वह ऐसा करने वाले भारत के पहले प्रमुख मौजूदा क्रिकेटर बन गए हैं। पांड्या का यह कदम इसलिए सभी का ध्यान खींच रहा है, क्योंकि भारत के केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी आम तौर पर चोट से उबरने (रिहैबिलिटेशन), फिटनेस परीक्षण या राष्ट्रीय शिविर के लिए ही सीओई जाते हैं।

पांड्या मूल रूप से गुजरात के बड़ौदा के रहने वाले हैं, लेकिन उन्होंने पिछले दशक में अधिकतर समय मुंबई में बिताया है और मुख्य रूप से अपनी आइपीएल टीम मुंबई इंडियंस की घंसोली स्थित सुविधा में ट्रेनिंग की है। अभी जांघ की चोट से उबर रहे 32 वर्षीय पांड्या ब्रिटेन के सीमित ओवरों के मौजूदा दौरे से बाहर हो गए थे। भारत के इस दिग्गज आलराउंडर ने पिछले छह महीने में सीओई में काफी समय बिताया है।

हार्दिक पांड्या ● फाइल फोटो

भारतीय टीम को आयरलैंड को भूलकर लड़नी होगी इंग्लैंड की लड़ाई

आयरलैंड से हार के बाद श्रेयस अय्यर की एक बार फिर कड़ी परीक्षा, इंग्लैंड के विरुद्ध पांच टी-20 मैचों की सीरीज का आज से होगा आगाज

चेस्टर ली स्ट्रीट, प्रेट्र : हाल ही में आयरलैंड से टी-20 सीरीज में करारी हार के बाद नए कप्तान श्रेयस अय्यर की एक और कड़ी परीक्षा की घड़ी जल्द ही आ गई है। भारतीय टीम इंग्लैंड के विरुद्ध पांच मैचों की टी-20 सीरीज की शुरुआत बुधवार को चेस्टर ली स्ट्रीट में पहले मुकाबले से करेगी। भारत की मुश्किल विकेटों पर बल्लेबाजी की कमजोरियों के साथ इस सीरीज का आगाज होने जा रहा है। भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशे का मान चुके हैं कि आयरलैंड से मिली 0-2 की हार के बाद टीम में निराशा है और यह बड़े बदलावों का कारण बन सकता है। हालांकि भारतीय टीम आयरलैंड की हार को भूलकर इंग्लैंड में लंबी लड़ाई लड़नी होगी।

आयरलैंड के विरुद्ध संजू सैमसन की दोहरी विफलता उन्हें बाहर बैठाने और सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका देने का कारण हो सकती है। अभिषेक को बेलफास्ट में पहले टी-20 में 20 गेंद में 49 रन की पारी के कारण फिर मौका मिल सकता है। वहीं इशान किशन भी आयरलैंड के विरुद्ध दो मैच की सीरीज में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए। वह एक और 12 रन पर आउट हो गए, इसलिए प्रबंधन सूर्यवंशी को शामिल करने के लिए उन्हें भी बाहर कर सकता है, लेकिन वे इस बात पर विचार करेंगे कि ऐसे कदम का बाहर किए गए बल्लेबाज के मनोबल पर क्या असर पड़ सकता है। अगर सैमसन को देखें तो उन्होंने इस साल टी-20 विश्व कप के अंतिम चरण के मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया था और आइपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए दो शतक भी लगाए थे। हालांकि चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की अगुआई वाला टीम प्रबंधन कड़े फैसले लेने से पीछे नहीं हटता। हाल ही में सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटाने और टीम से बाहर किया जाना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हालांकि सिर्फ सूर्यवंशी को टीम में शामिल करने से भारत की बल्लेबाजी की समस्याओं का तुरंत समाधान नहीं हो जाएगा क्योंकि इन समस्याओं के कई पहलू हैं। तेज गेंदबाजों की अनुकूल बेलफास्ट की पिच पर कोई भी भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिख रहा था। जब हालात और आयरलैंड के गेंदबाजों की सटीक गेंदबाजी ने आक्रामक बल्लेबाजी के रास्ते बंद कर दिए, तो भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशानी हुई। दूसरे टी-20 में तिलक वर्मा ने संभलकर खेलते हुए अर्धशतक जड़ा, लेकिन 46 गेंद तक टिके रहने के बाद उनका भी सब्र जवाब दे गया। दरअसल भारतीय बल्लेबाजों को आइपीएल की सपाट पिचों पर बल्लेबाजी करने के तरीके से अलग सोच की जरूरत थी, लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिला। अब इसमें बदलाव करना होगा।

वैभव सूर्यवंशी के पदार्पण पर फिर होंगी सबकी नजरें

चेस्टर ली स्ट्रीट : इस सीरीज में यह देखना बाकी है कि क्या प्रबंधन इस बात पर अडिग रहेगा कि सूर्यवंशी को प्रक्रिया का पालन करना चाहिए, जबकि इस विस्फोटक बल्लेबाज को टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है। आयरलैंड के विरुद्ध सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव को पदार्पण का मौका दिया जिससे सूर्यवंशी का इंतजार और बढ़ गया।

चेस्टर ली स्ट्रीट में अभ्यास के दौरान वैभव सूर्यवंशी ● अक्स एक्स

टीमें

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टाम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन काक्स, सैम कुरन, लियाम डासन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

वरुण चक्रवर्ती की वापसी, अभ्यास में बहाया पसीना

चेस्टर ली स्ट्रीट : भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती आयरलैंड के खिलाफ सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन वह अनफिट होने के कारण उसमें नहीं खेल पाए थे। उनकी अनुपस्थिति में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण बेहद बेअसर दिखाई दिया और आयरलैंड के बल्लेबाजों ने आसानी से रन बटोरे। अब वरुण चक्रवर्ती चोट से उबर चुके हैं और उन्होंने नेट पर जमकर पसीना बहाया है। वह सोमवार को इंग्लैंड पहुंचे थे। अब देखना होगा कि उन्हें पहले मैच में खिलाते हैं या नहीं।

“मैं अपने चिकित्सा ज्ञान का उपयोग हमेशा रोगियों की भलाई के लिए करूंगा। मैं कभी भी जानबूझकर या लापरवाही से अपने मरीजों को नुकसान नहीं पहुंचाऊंगा। मैं पूरी पवित्रता और निष्ठा के साथ अपने जीवन और अपने चिकित्सा पेशे का पालन करूंगा।”
–डाक्टरों द्वारा ली जाने वाली हिप्पोक्रेटिक शपथ के अंश

उपचार से आगे मानवता की मिसाल बने चिकित्सक

डाक्टर्स डे उन चिकित्सकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने अपने ज्ञान, संवेदनशीलता और समर्पण से चिकित्सा को सेवा का पर्याय बना दिया। ऐसे डाक्टरों ने कठिन परिस्थितियों में भी मरीजों की पीड़ा को अपना दायित्व समझा। शोध के माध्यम से उपचार की संभावनाओं का विस्तार किया तथा समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम किया। कई चिकित्सकों ने संसाधनों की कमी, विपरीत परिस्थितियों और व्यक्तिगत चुनौतियों के बावजूद अपने कर्तव्य से समझौता नहीं किया। आज जब स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर नई चुनौतियां सामने हैं, तब ऐसे चिकित्सकों की प्रेरक यात्राएं यह संदेश देती हैं कि डाक्टर का वास्तविक परिचय उसके पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि मरीज के प्रति उसके समर्पण, करुणा और समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी से होता है। डाक्टर्स डे पर ऐसे चिकित्सकों की कहानियां सामने लाना उनके योगदान को सम्मान देना और नई पीढ़ी के समक्ष सेवा का महत्व रेखांकित करना है।

उम्र से नहीं, हिम्मत से चलती है सेवा

जागरण संवाददाता, पटना : चिकित्सा केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम है। इस सोच को जीवनभर आत्मसात करने वाली पीएमसीएच के स्त्री एवं प्रसूति विभाग की सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. मंजू गीता मिश्रा आज भी जरूरतमंद मरीजों के लिए उम्मीद की किरण बनी हुई हैं। सेवा के दौरान पीएमसीएच के माध्यम से आमजन से जुड़ी रहीं। अब सेवानिवृत्ति के बाद वह गरीब एवं असहाय महिलाओं का विशेष खयाल रखती हैं। जटिल प्रसूति मामलों में भी विशेषज्ञ परामर्श देकर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही हैं। प्रो. मिश्रा ने वर्ष

डा. मंजू गीता मिश्रा। • जागरण

1964 में एमबीबीएस तथा 1968 में एमएस की पढ़ाई पूरी की।

अपने चिकित्सा जीवन की शुरुआत एनएमसीएच से की और बाद में पीएमसीएच के स्त्री एवं प्रसूति विभाग में लंबे समय तक प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दीं। चिकित्सा शिक्षा और मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित डा. बीसी राय अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान निरंतर जारी है। वह एएनएम, जीएनएम और आयुर्वेद कालेज का संचालन कर रही हैं, जहां गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से नई पीढ़ी के स्वास्थ्यकर्मियों को तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही नौबतपुर के बेला में मेडिकल कालेज स्थापित करने की अनुमति भी मिल चुकी है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

डा. शांति राय के लिए सेवा सबसे बड़ा धर्म, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में है उल्लेखनीय योगदान

मरीजों की सेवा को जीवन का उद्देश्य बना लेने वाली पीएमसीएच के स्त्री एवं प्रसूति विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं पद्मश्री सम्मान से अलंकृत डा. शांति राय आज भी हजारों जरूरतमंद मरीजों के लिए उम्मीद का नाम हैं। वर्ष 1998 में विभागाध्यक्ष के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्होंने सेवा का सिलसिला नहीं रोका। आज भी वे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों का निःशुल्क इलाज करती हैं और जरूरत पड़ने पर दवाओं की व्यवस्था स्वयं कराती हैं। डा. शांति राय ने वर्ष 1962 में एमबीबीएस तथा 1968 में एमएस की डिग्री प्राप्त की। लंबे समय तक पीएमसीएच में स्त्री एवं प्रसूति रोग

डा. शांति राय। • जागरण

विशेषज्ञ के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। चिकित्सा, शिक्षा और सामाजिक सेवा में उनके असाधारण योगदान के लिए भारत सरकार ने वर्ष 2020 में उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया।

सम्मान मिलने के बाद बढ़ा सामाजिक दायरा

सम्मान मिलने के बाद उन्होंने अपनी सामाजिक गतिविधियों का दायरा और बढ़ा दिया। गोपालगंज जिले के बेलाडीह गांव में वे नियमित रूप से निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कराती हैं, जहां दूर-दराज के ग्रामीणों को विशेषज्ञ परामर्श, जांच और दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उनका मानना है कि बीमारी का इलाज जितना जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी लोगों को बीमारी से बचाव के प्रति जागरूक करना है।

सेवा, जागरूकता व शिक्षा को समर्पित डा. डीके श्रीवास्तव

डा. डीके श्रीवास्तव • जागरण

चिकित्सा सेवा के साथ स्वास्थ्य जागरूकता को जन-आंदोलन बनाने वाले पीएमसीएच के मेडिसिन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डा. दुर्गा कुमार श्रीवास्तव (डा. डीके श्रीवास्तव) आज भी चिकित्सकों के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। वर्ष 1998 में प्राध्यापक सह विभागाध्यक्ष के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्होंने मरीजों की सेवा का संकल्प नहीं छोड़ा। महावीर आरोग्य संस्थान और रेडक्रास के माध्यम से वे आज भी जरूरतमंद मरीजों को परामर्श एवं उपचार उपलब्ध करा रहे हैं। डा. श्रीवास्तव ने वर्ष 1962 में एमबीबीएस तथा 1965 में एमडी की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 1966 में हरनौत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से अपने सरकारी सेवा जीवन की शुरुआत की। इसके बाद 1967 में पीएमसीएच से जुड़े और तीन दशक से अधिक समय तक चिकित्सा, शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए उन्हें लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने हमेशा माना कि केवल इलाज ही नहीं, बल्कि बीमारी से बचाव की जानकारी भी उतनी ही जरूरी है।

डाक्टर मुकेश ने पकड़ी गांव की राह

मुकेश पाठक • जागरण

रोहतास : वर्ष 2010...। बिहार का नक्सल प्रभावित नौहट्टा प्रखंड। अस्पताल में न बिजली थी, न पानी, न सड़क और न ही इलाज कराने आने वाले मरीज। पहाड़ों और जंगलों से घिरे गांवों के लोग बीमारी को ही अपनी नियति मान चुके थे। ऐसे माहौल में पहली बार सरकारी चिकित्सक बनकर पहुंचे डा. मुकेश कुमार के सामने सबसे बड़ी चुनौती इलाज करना नहीं, बल्कि लोगों तक पहुंचना था। उन्होंने अस्पताल में बैठकर मरीजों का इंतजार करने के बजाय खुद गांवों की राह पकड़ ली। हर सप्ताह 15 से 20 किलोमीटर पैदल चलकर पहाड़ों पर बसे गांवों में स्वास्थ्य शिविर लगाने लगे। यही संघर्ष धीरे-धीरे उनकी पहचान

पहाड़ी गांव के आदिवासी मरीजों का उपचार करते डा. मुकेश। • जागरण

बन गया। पिछले 16 वर्षों में बाढ़, महामारी, डायरिया और कोरोना जैसे हर संकट में उन्होंने सबसे आगे रहकर लोगों की जान बचाने की लड़ाई लड़ी। नालंदा जिले के परवलपुर प्रखंड के अलामा गांव निवासी डा. मुकेश कुमार ने वर्ष 2010 में पीएमसीएच से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। कुछ समय अपने गांव में प्रैक्टिस करने के बाद संविदा चिकित्सक के रूप में उनकी पहली सरकारी तैनाती नौहट्टा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई। अस्पताल तक पहुंचने का रास्ता भी आसान नहीं था। डा. मुकेश ने हालात से समझौता नहीं किया। उन्होंने तय किया कि यदि मरीज अस्पताल नहीं आ सकते तो अस्पताल को ही मरीजों तक पहुंचना होगा। वर्ष 2010 से उन्होंने पहाड़ी गांव सोली में साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविर शुरू किया। सड़क नहीं होने के कारण हर सप्ताह 15 से 20 किलोमीटर पैदल चलकर गांव पहुंचते, दिनभर मरीजों का इलाज करते और देर शाम वापस लौटते। धीरे-धीरे धनसा, बुधुआ, नागाटोली और अन्य सुदूर गांव भी उनके सेवा अभियान से जुड़ते गए।

संघर्षों के बीच गढ़ी पहचान, मरीजों का भरोसा बने

जागरण संवाददाता, बेगूसराय : जब चिकित्सा सुविधाएं सीमित थीं, गांवों तक पहुंचने के लिए पक्की सड़कें नहीं थीं और मरीजों के पास इलाज के लिए पैसे भी नहीं होते थे, तब एक युवा डाक्टर ने तय किया कि उसका पेशा कमाई नहीं, सेवा का माध्यम बनेगा। वर्ष 1979 में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर बेगूसराय पहुंचे डा. शशिभूषण प्रसाद शर्मा ने इसी सोच के साथ अपना सफर शुरू किया। पिछले चार दशक से अधिक समय में उन्होंने हजारों मरीजों का इलाज किया, लेकिन उनकी सबसे बड़ी पहचान गरीबों के डाक्टर के रूप में बनी।

दरभंगा मेडिकल कालेज से एमबीबीएस करने के बाद उन्होंने बेगूसराय को अपनी कर्मभूमि बनाया।

डा. शशिभूषण प्रसाद शर्मा। • सौ. स्वयं

शुरुआती दिनों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था। दूर-दराज के गांवों के मरीज अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते थे। ऐसे में डा. शर्मा खुद मरीजों तक पहुंचे। बाढ़ के दिनों में नाव से गांवों में जाकर इलाज करना हो या महामारी के समय दिन-रात मरीजों के बीच रहना, उन्होंने कभी परिस्थितियों को सेवा के रास्ते की बाधा नहीं बनने दिया। लखीसराय सदर अस्पताल में सिविल सर्जन के रूप में कार्यभार संभालते हुए उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने की दिशा में कई कदम उठाए। उनके जीवन का सबसे बड़ा संघर्ष चिकित्सा को व्यवसाय बनने से बचाए रखना रहा। जहां इलाज की बढ़ती लागत ने आम लोगों की चिंता बढ़ाई, वहीं डा. शर्मा ने अपनी परामर्श फीस वर्षों तक बेहद कम रखी। वर्ष 1979 से 1995 तक उन्होंने केवल पांच रुपये फीस ली। इसके बाद 2015 तक यह शुल्क मात्र 10 रुपये रहा। आज भी वे सिर्फ 100 रुपये में मरीजों को देखते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों का निशुल्क इलाज के साथ दवाइयों तथा आपरेशन की व्यवस्था अपने स्तर से कराते हैं।

खजांची रोड में जन्मे पटना कालेजिएट में पढ़े डा. बीसी राय

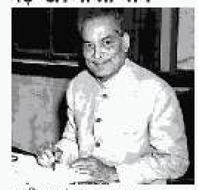
डा. बिधान चंद्र राय। • फाइल

जागरण संवाददाता, पटना : भारतीय चिकित्सा इतिहास में क्लीनिकल मास्टर आफ आब्जर्वेशन की उपाधि पाने वाले भारत रत्न डा. बिधान चंद्र राय जिनकी जयंती व पुण्यतिथि पर एक जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस मनाया जाता है, उनका जन्म पटना के खजांची रोड में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी पटना कालेजिएट में हुई थी। उनका चिकित्सकीय कौशल ऐसा था कि चेहरा देखकर रोग को पहचानने के साथ जटिल से जटिल रोगों के उपचार पर त्वरित व सटीक निर्णय लेते थे।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के प्रेरणास्रोत भारत रत्न डा. बिधान चंद्र राय का का जन्म एक जुलाई 1882 को तत्कालीन बांकीपुर आज के खजांची रोड में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पटना कालेजिएट स्कूल में हुई। पटना कालेज से 1899 में एफए व 1901 में गणित में आनर्स के साथ बीए की डिग्री प्राप्त की। 30 बार आवेदन के बाद उन्हें 1909 में इंग्लैंड के प्रतिष्ठित सेंट बार्थोलोम्यू हास्पिटल में प्रवेश मिला और दो वर्ष हो उन्होंने एक साथ एमआरसीपी (लंदन) व एफआरसीएस (इंग्लैंड) जैसी डिग्रियां प्राप्त कर लीं। लौटने के बाद उन्होंने सियालदह में अस्पताल शुरू किया और बाद में कोलकाता मेडिकल कालेज में सेवा दी। पश्चिम बंगाल के दूसरे व लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे। 1961 में उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया और इसके एक वर्ष बाद एक जुलाई 1962 को उनका निधन हो गया। भारत सरकार ने तत्कालीन एमसीआइ की अनुशंसा पर देश के चिकित्सकों को समर्पण, सेवा व संघर्ष को सम्मान देने के लिए 1976 में डा. बीसी राय राष्ट्रीय अवार्ड शुरू किया।

HDFC MUTUAL FUND
भरोसा अपनों का

आप बरसों से दूसरों का ख़याल रखते आए हैं
पर बताइए पिछली बार कब आपने अपने बारे में सोचा था?

इस डॉक्टर दिवस पर
एचडीएफसी म्यूच्युअल फंड आपके लिए लाए हैं
वेल्थ केयर
— हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए एक फ़ायनांशियल कल्याणकारी गाइड —

QR कोड को स्कैन कीजिए और अपना वेल्थ केयर फ़ायनांशियल चेक-अप शुरू कीजिए.

निवेशक शिक्षा और जागरूकता अभियान
म्यूच्युअल फंड में निवेश करने के लिए, वन टाइम KYC की आवश्यकता को पूरा करने की प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी हेतु https://www.hdfcfund.com/information/key-know-how पर विज़िट करें. निवेशकों को केवल रजिस्टर्ड म्यूच्युअल फंड्स में निवेश करना चाहिए, जिनके विवरण का सत्यापन सेबी की वेबसाइट (www.sebi.gov.in/intermediaries.html) पर किया जा सकता है. किसी पूछताछ, शिकायत तथा समस्या के समाधान के लिए निवेशक एएमसीज़ तथा/या निवेशक संपर्क अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं. इसके साथ ही, निवेशक एएमसीज़ को सीधे भी शिकायत कर सकते हैं, अगर वे एएमसीज़ द्वारा दिए गए समाधान से संतुष्ट न हों तो वे स्कोर्स पोर्टल https://scores.sebi.gov.in/ पर भी शिकायत कर सकते हैं. स्कोर्स पोर्टल निवेशकों को सेबी को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने तथा तत्पश्चात इसकी स्थिति को देखने की सुविधा प्रदान करता है. अगर निवेशक सीधे एएमसीज़ से की गई या स्कोर्स पोर्टल के ज़रिए दर्ज शिकायतों पर समाधान से संतुष्ट न हो तो वह स्मार्ट ओडीआर पर https://smartodr.in/login शिकायत दर्ज कर सकता है. इस सामग्री में दिखाए गए चरित्रों और /या सचित्र उदाहरणों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स के ज़रिए, केवल समझाने तथा जानकारी देने के प्रयोजन से बनाया गया है.

इस सामग्री में दिए गए पात्र/ और/या उदाहरण केवल संकल्पनात्मक और शैक्षिक प्रयोजनों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके निर्मित किए गए हैं.

HDFC Mutual Fund: SEBI Registration Number: MF/044/00/6

अधिक जानकारी के लिए एमएफडी/आरआईए से संपर्क करें या यहां विजिट करें: hdfcfund.com/wealthcare-for-doctors

म्यूच्युअल फंड निवेश बाज़ार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ों को ध्यान से पढ़ें ।